- अक्तूबर में वृद्धि दर सुस्त पड़कर 0.4 प्रतिशत पर आई, आईआईपी में वृद्धि दर 13 माह के निचले स्तर पर-10

- सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान वक्फ संपत्ति विवरण पर समय सीमा बढ़ाने से किया सुप्रीम इन्कार -7

- एस जयशंकर बोले- जैविक हथियार की चुनौती से निपटने को खाका तैयार करने की जरूरत -11

- कोच ने की तारीफ कहा- फिटनेस और फॉर्म बरकरार विराट के भविष्य को लेकर सवाल ही न हीं उठता -12

26.0° अधिकतम तापमान | 12.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06:40 | सूर्यास्त 05:16

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष द्वादशी 03:57 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 2 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 303, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

संसद ड्रामा करने की जगह नहीं : मोदी

शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री बोले-विपक्ष इसे हताशा निकालने का मंच बना रहा

सदन में गूंजे एसआईआर बंद करो के नारे, बार बार गतिरोध के बाद लोस की कार्यवाही स्थगित

हंगामे के बीच एक विधेयक पारित, सरकार ने माना-देशभर के एयरपोर्ट्स पर साइबर अटैक हुए

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद सत्र की कार्रवाई के पहले दिन मौजूद प्रधानमंत्री मोदी, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा व संसदीय कार्यमंत्री मंत्री किरेन रीजीजू। ● एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा कि संसद ड्रामा करने की जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष संसद को चुनावी हार के बाद हताशा निकालने का मंच बना रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्र को राजनीतिक ड्रामे का रंगमंच नहीं बनाना चाहिए, बल्कि यह रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का मंच होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष चाहे तो वह उसे राजनीति में सकारात्मकता लाने के कुछ सुझाव देने को तैयार हैं। मोदी ने संसद की कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, हमें जिम्मेदारी की भावना से काम करने की जरूरत है। पिछले सत्रों के दौरान संसदीय कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, नाटक के लिए बहुत जगह है जो लोग यह करना चाहते हैं, वे इसे करते रहें। संसद नाटक के लिए जगह नहीं है, यह काम करने की जगह है। हाल में संपन्न बिहार विधानसभा चुनावों में राजग को मिली शानदार जीत से उत्साहित मोदी ने विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा, यहां तक कि आप देश भर में ऐसा कर सकते हैं। आपने वहां बोला है जहां आप हार गए हैं। आप वहां भी बोल सकते हैं जहां आपको हार का सामना करना बाकी है। लेकिन संसद में, ध्यान नीति पर होना चाहिए, न कि नारों पर। बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण संसद के मानसून सत्र में दोनों सदनों की कार्यवाही बार बार बाधित हुई थी। कहा कि पिछले 10 वर्षों से विपक्ष जो खेल खेल रहा है, वह अब जनता को स्वीकार नहीं है। मोदी ने उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन को राज्यसभा के सभापति के तौर पर पहले सत्र की अध्यक्षता के लिए बधाई दीं।

सरकार एसआईआर पर चर्चा के खिलाफ नहीं : रीजीजू

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने राज्यसभा में जोर दिया कि सरकार मतदाता सूची के एसआईआर व चुनाव सुधारों पर चर्चा के खिलाफ नहीं है, लेकिन उसे जवाब देने के लिए कुछ समय दिया जाए। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया। रीजीजू ने उच्च सदन में यह टिप्पणी उस समय की जब कांग्रेस नीत विपक्ष एसआईआर पर तत्काल चर्चा की मांग कर रहा था। उन्होंने कहा कि सरकार एसआईआर पर चर्चा की विपक्ष की मांग पर विचार कर रही है और इस मांग को खारिज नहीं किया गया है। विपक्ष की इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग पर कहा कि वह एसआईआर पर चर्चा के समय के लिए शर्त नहीं रखे।

विपक्ष का हंगामा

पहले दिन लोकसभा में एसआईआर और कुछ अन्य मुद्दों को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक दो बार स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। हंगामे के बीच ही लोकसभा ने 'मणिपुर माल और सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025' पारित किया। विपक्ष की नारेबाजी के बीच ही वित्त मंत्री सीतारमण ने 'केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025' व 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पेश किया। सुबह 11 बजे सदन की बैठक राष्ट्रगान की धुन के साथ शुरू हुई। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ने कुछ दिवंगत पूर्व सदस्यों के निधन की जानकारी दी जिसके बाद कुछ पल मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद बिरला ने महिला विश्वकप क्रिकेट और महिला कबड्डी विश्वकप में भारत की जीत पर खिलाड़ियों को बधाई दी। इसके बाद जैसे ही उन्होंने प्रश्नकाल शुरू करने का निर्देश दिया, कांग्रेस, सपा समेत विपक्षी दलों के सदस्य एसआईआर समेत कुछ मुद्दों पर चर्चा की मांग करते हुए अपने स्थानों पर खड़े हो गए। कुछ सदस्य आसन के समीप आ गए। बिरला ने कार्यवाही चलने देने की अपील की। वहीं सरकार ने माना-देशभर के एयरपोर्ट्स पर साइबर अटैक हुए थे।

सदन की लक्ष्मण रेखा का पालन करें सदस्य : राधाकृष्णन

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को उच्च सदन में अपने प्रथम संबोधन में सदस्यों से संविधान के प्रति निष्ठावान रहने और संसदीय आचरण की निर्धारित लक्ष्मण रेखा का पालन करने की अपील की। सोमवार को सभापति के तौर पर पहली बार सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता कर रहे राधाकृष्णन ने अपने पहले भाषण में सदस्यों से संस्थानों का सम्मान करने और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का भी आह्वान किया।

तीन नवनिर्वाचित सांसदों ने राज्यसभा में शपथ ली

नई दिल्ली। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से राज्यसभा के लिए नवनिर्वाचित तीन सदस्यों को सोमवार को सभापति सीपी राधाकृष्णन ने शीतकालीन सत्र के पहले दिन शपथ दिलाई। चौधरी मोहम्मद रमजान, सज्जाद अहमद किचलू और गुरविंदर सिंह ओबेरॉय समेत तीनों सदस्य सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेस के हैं।

रेणुका चौधरी कुत्ते के साथ संसद पहुंचीं, विवाद खड़ा हुआ

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी सोमवार को अपनी कार में एक आवारा कुत्ते को लेकर संसद पहुंच गईं जिससे विवाद खड़ा हो गया और सत्तापक्ष के सांसदों ने उन पर नाटक करने का आरोप लगाया। विवाद के बीच रेणुका ने कहा कि जो लोग अंदर बैठे हैं वो काटते हैं, कुत्ते नहीं काटते। उनका कहना था कि वह आवारा जानवर को उठाकर पशु चिकित्सक के पास ले जा रही थीं। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार को जानवर पसंद नहीं हैं और उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि आवारा कुत्ते को बचाने के खिलाफ कोई कानून नहीं है।

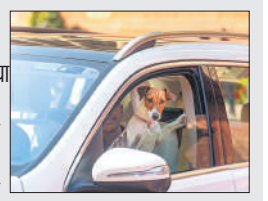

न्यूज ब्रीफ

सीमा पर 10,000 से अधिक बांग्लादेशी पकड़े गए: बीएसएफ

कोलकाता। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की पूर्वी कमान ने सोमवार को कहा कि पिछले एक साल में सीमापार से घुसपैठ करने या देश से बाहर जाने का प्रयास करते समय 10,263 बांग्लादेशियों को पकड़ा। सुरक्षा बल ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या घुसपैठ रोधी उपायों में की गई वृद्धि दर्शाती है, विशेष रूप से बांग्लादेश में अशांति के दौरान, जब बीएसएफ के जवानों ने अवैध प्रवासियों को भारत में प्रवेश करने से रोकने के लिए कड़ी निगरानी की।

वाणिज्यिक एलपीजी की दरें घटीं

नई दिल्ली। विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में 5 .4 प्रतिशत की सोमवार को वृद्धि की गई, जबकि वाणिज्यिक रसोई गैस की कीमतों में 10 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने वैश्विक रुझानों के अनुरूप मासिक मूल्य संशोधन की घोषणा की है। सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, दिल्ली में विमान ईंधन की कीमतें 5,133 .75 रुपये प्रति किलोलीटर बढ़कर 99,676 .77 रुपये प्रति किलोलीटर हो गईं। यह तीसरी मासिक वृद्धि है। एक नवंबर को कीमतों में करीब एक प्रतिशत और एक अक्टूबर को 3 .3 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी।

पराली जलाने को दोष नहीं दे सकते वायु प्रदूषण के कई अन्य कारक

नई दिल्ली, एजेंसी

- शीर्ष कोर्ट ने कहा- प्रदूषण संकट पर सर्दियों में केवल रस्मी सुनवाई नहीं, नियमित निगरानी की जरूरत
- अल्पकालिक और दीर्घकालिक समाधान के के लिए महीने में दो बार होगी सुनवाई

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर सुनवाई को केवल सर्दियों के महीनों में 'रस्मी' सुनवाई के तौर पर नहीं देखा जा सकता है, और इस समस्या के अल्पकालिक और दीर्घकालिक समाधान खोजने के लिए महीने में दो बार सुनवाई की जाएगी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सामान्य विमर्श में एक अहम बदलाव करते हुए कहा, पराली जलाने का मुद्दा अनावश्यक रूप से राजनीतिक मुद्दा या अहम का मुद्दा नहीं बनना चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने दिल्ली- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण के लिए पराली जलाने को मुख्य कारण बताए जाने पर सवाल उठाते हुए पूछा, कोविड के दौरान पराली जलाई जा रही थी, लेकिन फिर भी लोगों को साफ नीला आसमान क्यों दिखाई दे रहा था? इससे ज्ञात होता है कि इसके पीछे अन्य कारक भी हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत के स्वयं का पैतृक निवास हरियाणा के हिसार में स्थित है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हम पराली जलाने पर टिप्पणी नहीं करना चाहते, क्योंकि इसका बोझ उन लोगों (किसानों) पर डालना गलत है, जिनका इस न्यायालय में बहुत कम प्रतिनिधित्व है। प्रधान न्यायाधीश ने तात्कालिक और दीर्घकालिक उपायों में स्पष्टता की मांग करते हुए केंद्र से वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अन्य के विशिष्ट कदमों को बताने को कहा ताकि वह जान सके कि वायु प्रदूषण के खतरे से निपटने के लिये क्या अल्पकालिक और दीर्घकालिक कदम उठाए गए। शीर्ष अदालत ने इसी के साथ मामले की अगली सुनवाई के लिए 10 दिसंबर की तारीख तय की।

डिजिटल अरेस्ट मामलों में तुरंत एक्शन ले सीबीआई

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने सीबीआई को देशभर में डिजिटल अरेस्ट घोटाले की एकीकृत जांच का सोमवार को निर्देश दिया और आरबीआई से पूछा कि वह साइबर अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे बैंक खातों का पता लगाने और उन्हें फ्रीज करने के लिए एआई का इस्तेमाल क्यों नहीं कर रहा है? प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति बागची की पीठ ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना सहित गैर-राजग शासित सभी राज्य सरकारों से कहा कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में डिजिटल अरेस्ट के मामलों की जांच के लिए सीबीआई को अनुमति दें। शीर्ष अदालत ने हरियाणा के एक बुजुर्ग दंपति की शिकायत पर स्वत: संज्ञान वाले मामले में निर्देश पारित करते हुए कहा कि साइबर अपराधी ज्यादातर वरिष्ठ नागरिकों को निशाना बनाते हैं और उनकी गाढ़ी कमाई हड़प लेते हैं।

प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खान बरी

विधि संवाददाता, लखनऊ। सरकारी लेटर पैड एवं मोहर का गलत इस्तेमाल कर वैमनस्यता फैलाने और अपमानित करने के मामले में आरोपी बनाए गए पूर्व मंत्री आज़म ख़ान को एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम आलोक वर्मा ने विधिक बिंदुओं एवं साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।

- वैमनस्यता फैलाने व अपमानित करने का मामला

विशेष अदालत ने आजम को बरी करते हुए कहा है कि बचाव पक्ष का यह कथन स्वीकार करने योग्य है की घटना वर्ष 2014 की है। परंतु इसे लेकर वादी अल्लामा अमीर नकवी द्वारा वर्ष 2019 में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। उन्होंने धारा 468 की व्याख्या करते हुए कहा यह मामला काल बाधित भी हो चुका है। कोर्ट ने बचाव पक्ष के इस कथन को भी स्वीकार किया है कि यह रिपोर्ट मौलाना कलवे भी जव्वाद की ओर से वादी अमीर नकवी द्वारा लिखाई गई है परंतु नकवी न तो पीड़ित पक्ष है और न ही उन्हें रिपोर्ट दर्ज कराने का कोई विधिक अधिकार था।

डॉ. शाहीन के घर एनआईए का छापा, पिता-भाई से पूछताछ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

दिल्ली कार धमाका मामला

- खंदारी बाजार में छह घंटे तक रही एनआईए की टीम, दस्तावेज व इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस कब्जे में लिया गया, जांच में आई तेजी

अमृत विचार: दिल्ली लाल किला मेट्रो स्टेशन के बाहर हुए बम धमाके की मास्टर माइंड डॉ. शाहीन शाहिद के खंदारी बाजार स्थित आवास पर सोमवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम पहुंची। एनआईए के अधिकारियों ने यहां करीब छह घंटे तक पूरे घर की तलाशी ली। वहीं, भाई व पिता से लगातार पूछताछ की गई। तलाशी के दौरान घर से कई दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद हुए। जिनको जांच के लिए टीम ले गई।

इसके पहले टीम के आने की सूचना मिलते ही पर इलाके में भारी पुलिस तैनात कर दिया गया था। खंदारी बाजार की कई गलियों में आवागमन पर रोक लगा दी गई थी। टीम में फोरेंसिक विशेषज्ञ समेत आठ सदस्य शामिल थे। इसके अलावा दो अन्य टीमें भी लखनऊ के कई इलाकों में जांच कर रही थीं। इसमें एक टीम डॉ. शाहीन के भाई डॉ. परवेज और दूसरी करीबी रिश्तेदारों के घर में छापा मारा। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। डॉ. शाहीन महिला जेहादियों का दस्ता तैयार करती थी और वीडियो कॉलिंग के जरिए उन्हें अल्लाह के नाम पर ट्रेनिंग देती थी। उनका माइंड वॉश करती थी। एनआईए की एक टीम जल्दी ही इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और एरा कॉलेज भी पूछताछ करने जाएगी।

पछुआ पवन ने ठिठुराया, प्रदेश में गिरा तापमान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पछुआ पवन के चलते तापमान तेजी से गिर रहा है। लखनऊ, कानपुर, इटावा, बरेली में मध्यम शीतलहर की स्थिति है। वहीं कई शहरों में न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस से नीचे जाने की संभावना है। चक्रवात दित्वाह के असर से कई इलाकों में बारिश की भी आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार, हाल के दिनों में सक्रिय रहे दो पश्चिमी विक्षोभ अपना प्रभाव खो चुके हैं। जिसके चलते प्रदेश में ठंडी और सूखी पछुआ, उत्तर-पश्चिमी हवाएं तेज होने लगी हैं। अगले तीन-चार दिनों में तापमान में 2C से 4C तक गिरावट की संभावना है। जिसके साथ ठिठुरन और कोहरे का असर दिखेगा। लखनऊ में धूप तो निकली, मगर पछुआ हवाओं ने उसकी गर्माहट को कमजोर कर दिया। हवा के झोंकों में ठंडक तेज रही और दोपहर में भी हल्की सिहरन महसूस होती रही। आने वाले दिनों में सुबह और शाम दोनों समय ठंड और गलन का असर साफ महसूस होगा। लखनऊ में हवा की गुणवत्ता की बात करें तो रविवार रात सात बजे एक्यूआई 200 के पार दर्ज किया गया।

आचार संहिता को कानूनी रूप देने से इसे लागू करने में आएगी रुकावट: विधि आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

- संसद की संयुक्त समिति को दी अपनी राय

विधि आयोग ने कहा है कि आदर्श आचार संहिता लागू करने के लिए कानून लाने से चुनावों के दौरान इसके क्रियान्वयन में रुकावट आएगी और हो सकता है कि निर्वाचन आयोग की शक्ति कम हो जाए, जो स्वतंत्र, निष्पक्ष और समय पर चुनाव कराने के अनुकूल नहीं होगा।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से जुड़े विधेयकों का अध्ययन कर रही संसद की संयुक्त समिति को दी गई अपनी राय में, विधि आयोग ने कहा कि आदर्श आचार संहिता की 'सबसे बड़ी ताकत' इसकी तेजी से सुधार करने की क्षमता में है। उसने कहा, चुनाव सख्ती से समय पालन करते हुए होते हैं, जिसके कारण उल्लंघन पर कुछ दिन या घंटों के भीतर ही ध्यान देना होता है, ताकि चुनावी प्रक्रिया को ऐसा नुकसान न हो जिसकी भरपाई ही न हो सके। विधि आयोग ने कहा कि अगर आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) वैधानिक हो जाती है, तो उल्लंघन के बाद औपचारिक कानूनी कार्रवाई शुरू हो जाएगी, जिससे न्यायिक पड़ताल शुरू हो सकती है।

2001 में भी आयोग ने ऐसा ही पक्ष रखा था

आयोग ने चेतावनी दी कि फैसले की प्रक्रिया हमेशा तेज, निर्णायक और असल कार्रवाई की जरूरत को पूरा नहीं कर सकती। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने याद दिलाया कि 2001 के आसपास, जब आयोग से चुनाव सुधार के बारे में पूछा गया था, तो उसने ऐसा ही पक्ष रखा था। विधि आयोग ने कहा कि मौजूदा प्रणाली निर्वाचन आयोग को अनुच्छेद 324 के तहत अपनी संपूर्ण शक्तियों का इस्तेमाल करके बिना किसी प्रक्रियागत देरी के समय पर दखल देने की इजाजत देती है।

निर्देश | मुख्यमंत्री योगी ने कहा- धान उठान, मिल मैपिंग की प्रक्रिया और सरल होगी

धान खरीद के बाद भुगतान में देरी नहीं करेंगे बर्दाश्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 1,984 करोड़ रुपये किसानों के खातों में ट्रांसफर, सीएम ने धान खरीदने का दिया निर्देश

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि धान क्रय केंद्र पर आने वाले प्रत्येक किसान का धान खरीदा जाए और भुगतान समय पर सीधे उनके खाते में पहुंच जाए। चेतावनी दी कि भुगतान में देरी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने धान उठान, मिल-मैपिंग और अन्य प्रक्रियाओं को और सरल बनाने पर भी जोर दिया, ताकि खरीद सुचारु और निरंतर गति में बनी रहे।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को आवास पर शासन के शीर्ष अधिकारियों के साथ धान खरीद की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि धान खरीद की गति तेज हो और किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष कॉमन धान का एमएसपी 2369 रुपये और ग्रेड-ए का 2389 रुपये प्रति क्विंटल तय हुआ है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 69 रुपये अधिक है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि 30 नवंबर तक 1,51,030 किसानों से 9.02 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है और 1,984 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के खातों में भेजी गई है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि भुगतान में देरी किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी।

आंगनबाड़ी में फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति के निर्देश : मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि मिड-डे मील और आंगनबाड़ी केंद्रों में फोर्टिफाइड चावल की सप्लाई निर्बाध रूप से सुनिश्चित की जाए। इसके लिए पर्याप्त उपलब्धता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एफआरके सप्लाई सुचारु रखने हेतु वेंडरों की संख्या बढ़ाई जाए और तकनीकी अड़चनों का तत्काल समाधान किया जाए। बैठक में बताया गया कि अब तक लगभग 2,130 मीट्रिक टन एफआरके गुणवत्ता परीक्षण में उत्तीर्ण हुआ है।

खाद-बीज की कमी नहीं होनी चाहिए

बैठक में खाद और बीज की उपलब्धता पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी जिले में खाद या बीज की कमी नहीं होनी चाहिए और किसानों को दोनों वस्तु आसानी से उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग स्टॉक और आपूर्ति की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करें।

धान क्रय केंद्रों की संख्या होगी 5 हजार

राज्य कुल 4,227 खरीद केंद्र संचालित हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि क्रय केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 5000 की जाए, ताकि किसानों को अपने गांव-कस्बे के निकट ही सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने खरीद केंद्रों पर आवश्यकता के अनुसार मैनपावर बढ़ाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र पर भीड़ न लगे और किसानों को वापस न जाना पड़े, यह प्रशासन की जिम्मेदारी है।

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

योगी कैबिनेट की बैठक आज

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कैबिनेट की बैठक 2 दिसंबर को सुबह 11 बजे लोकभवन में होगी। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी। राज्य के विकास, प्रशासनिक सुधार और नई योजनाओं से जुड़े महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर लगने की उम्मीद है।

कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना की संशोधित समय-सारिणी जारी

अमृत विचार, लखनऊ : वित्तीय वर्ष 2025-26 में पिछड़ा वर्ग युवाओं के लिए संचालित ओ लेवल और सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना के दूसरे चरण की समय-सारिणी में संशोधन किया गया है। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने कहा कि पिछड़ा वर्ग के युवाओं को रोजगारपरक, गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराए जाने का उद्देश्य है, ताकि वे सरकारी, निजी और स्व-रोजगार क्षेत्रों में मजबूत रूप से स्थापित हो सकें। निदेशक पिछड़ा वर्ग कल्याण डॉ. वन्दना वर्मा ने बताया कि जिला स्तर पर तय प्रक्रिया के बाद चयनित लाभार्थियों को सत्यापित कर डिजिटली लॉक करना तथा शेष प्रशिक्षणार्थियों की प्रतीक्षा सूची तैयार करते हुए चयनित, प्रतीक्षासूची पर जिला स्तरीय चयन समिति का अनुमोदन प्राप्त करना 05 से 09 दिसम्बर तक किया जाएगा। छात्रों का आधार उपस्थिति के लिए प्रक्रिया 10 से 13 दिसम्बर तक की जाएगी। 15 दिसंबर से प्रदेश के सभी जिलों में एक साथ ट्रेनिंग शुरु होगी।

बेरोजगार युवाओं को आईटीआई रोजगार मेले में अवश्य बुलाएं

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. कौशल विकास मिशन निदेशक पुलकित खरे ने निर्देश दिया है कि पिछले तीन वर्षों में प्रशिक्षित ऐसे युवाओं का विस्तृत डाटाबेस तैयार किया जाए जिन्हें अब तक रोजगार प्राप्त नहीं हुआ है। ऐसे सभी युवाओं की हर माह 21 तारीख को आईटीआई में आयोजित रोजगार मेले में अनिवार्य सहभागिता सुनिश्चित की जाए, जिससे उन्हें उपलब्ध अवसरों का लाभ मिल सके। मिशन निदेशक ने निर्देशित किया कि सभी मंडलों में मंडल स्तरीय प्रतियोगिता 10 दिसंबर तक अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए। प्रतियोगिता बाद प्रत्येक कौशल क्षेत्र से अवरोही क्रम में पांच-पांच पात्र अभ्यर्थियों के नाम मिशन कार्यालय को उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने बताया कि मिशन द्वारा प्रतियोगिता के लिए सेट ए एवं सेट बी के पासवर्ड-कोडेड गोपनीय प्रश्नपत्र जिलों को भेजे जाएंगे। मिशन निदेशक ने बताया कि जीरो पावर्टी अभियान की समीक्षा मुख्यमंत्री कार्यालय स्तर से की जा रही है, जिसमें चिन्हित परिवारों एवं स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें स्व-रोजगार तथा वेज-एम्प्लॉयमेंट से जोड़ने की दिशा में मिशन द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है।

25 हजार आरोग्य मंदिर और 81 मेडिकल कॉलेजों के साथ यूपी बना देश में मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विकसित यूपी कॉन्क्लेव

- **विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में उप्र. भूमिका निर्णायक: ब्रजेश पाठक**

अमृत विचार : उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि हमारा संकल्प है कि 2047 तक उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता को वही अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों, जो आज केवल महानगरों में मिलती हैं। हमारी कोशिश है कि एडवांस मेडिकल सुविधाएं जिले और तहसील स्तर तक पहुंचें और उत्तर प्रदेश विकसित भारत के स्वास्थ्य मॉडल का नेतृत्व करे।

उप मुख्यमंत्री सोमवार को राजधानी स्थित निजी होटल में 'विकसित यूपी कॉन्क्लेव ' में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित विकसित भारत 2047 के विज़न को साकार करने में उप्र. की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। इसके लिए राज्य सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। इस वक्त प्रदेश में 25 हजार से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर, 3500 से अधिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 200 से अधिक विशिष्ट अस्पताल और 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। इतना ही नहीं, निःशुल्क एंबुलेंस सेवा 102-108 का रेस्पॉन्स टाइम कम किया गया है, जिससे आपातकालीन सेवाओं की गति और दक्षता बढ़ी है। उन्होंने बताया कि सरकार संस्थागत प्रसव दर को बढ़ाते हुए मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने पर निरंतर कार्य कर रही है। विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं अब जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों को बड़ी राहत मिली है।

कार्यक्रम को संबोधित करते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंच पर मौजूद अन्य।

चिकित्सा स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकश्वर शरण सिंह ने कहा कि विकसित उप्र. ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करेगा और इसमें स्वास्थ्य क्षेत्र की भूमिका निर्णायक रहेगी। आर्थिक प्रगति का आधार स्वस्थ जनसंख्या है और इसी दिशा में प्रदेश सरकार निरंतर सुधार कर रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, जी.एन. सिंह, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष, प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार, सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य ऋचु महेश्वरी, सचिव स्वास्थ्य एवं निदेशक एनएचएम पिंकी जोवेल, सचिव चिकित्सा शिक्षा अपर्णा यू, स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. रतनपाल सुमन, विशेष सचिव धीरेन्द्र सचान, तथा आर्यका अखौरी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

लखनऊ का रामसागर मिश्र, कानपुर का डफरिन समेत 14 अस्पताल बनेंगे हाईटेक

- **अमृत विचार, लखनऊ :** गुणवत्ता युक्त चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश के 14 अस्पतालों को आधुनिक उपकरणों से लैस किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार ने 9.80 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृत प्रदान की है। ये जानकारी सोमवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दी। उन्होंने बताया कि लखनऊ के बीकेटी क्षेत्र के साढ़ामऊ स्थित रामसागर मिश्र संयुक्त चिकित्सालय में 2.70 करोड़ रुपये से उपकरण खरीदे जाएंगे। बलरामपुर जिला महिला चिकित्सालय को 1.52 करोड़ रुपये, रायबरेली जिला चिकित्सालय को 1.56 करोड़ रुपये, महाराजगंज जिला संयुक्त चिकित्सालय को 1.16 करोड़ रुपये, कानपुर नगर के एएचएम डफरिन चिकित्सालय को 16.47 लाख रुपये, बागपत जिला संयुक्त चिकित्सालय को 28.55 लाख रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति को मंजूरी दी गई है। इस धनराशि से उपकरण आदि खरीदे जाएंगे। इसी तरह गोरखपुर के 100 शैय्या क्षय रोग सह सामान्य चिकित्सालय में 51.59 लाख रुपये, जिला चिकित्सालय में 78.45 लाख रुपये अत्याधुनिक मशीनें स्थापित की जाएंगी। हमीरपुर के दीवान शत्रुघ्न सिंह संयुक्त चिकित्सालय को 3.35 लाख रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई है। बस्ती हरैया के 100 शैय्या महिला चिकित्सालय में 8.68 लाख रुपए की मशीनें लगेंगी। इटावा के डॉ. भीमराम आंबेडकर संयुक्त जिला चिकित्सालय में 38.96 लाख, वाराणसी में मानसिक चिकित्सालय में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज भवन निर्माण के लिए उपलब्ध कराई गई भूमि से चिकित्सालय परिसर को अलग किया जाएगा। चहारदीवारी निर्माण के लिए 1.27 करोड़ रुपए अवमुक्त किए गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ आईपीएस 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी।

जीरो टॉलरेंस के साथ कानून-व्यवस्था को दें सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

2023 बैच के आईपीएस व 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की सीएम से की भेंट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को ''संवाद, संवेदनशीलता और सकारात्मकता'' का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि जीरो टॉलरेंस के साथ कानून-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। उत्तर प्रदेश जैसा विशाल राज्य पुलिस के लिए अनेक चुनौतियां लेकर आता है, इसलिए प्रशिक्षु अवधि को सीखने, समझने और अपने पुलिसिंग मॉडल को मजबूत बनाने का सुनहरा अवसर मानें।

सीएम आवास पर सोमवार को 23 प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री ने औपचारिक भेंट के दौरान कहा कि जिलों में प्रशिक्षण के दौरान यह सीखना सबसे आवश्यक है कि वास्तविक समस्याओं का प्रभावी और संतुष्टिपरक समाधान कैसे किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस हमेशा फर्स्ट रिस्पांडर होती है। आपकी तत्परता, भाषा और प्राथमिकता पर ही पीड़ित का विश्वास टिका होता है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि पुलिस सेवा में सत्यनिष्ठा, अनुशासन और मानवीय दृष्टि ही सबसे बड़ी पूंजी है। आपका आचरण आने वाले वर्षों में न केवल कानून-व्यवस्था को दिशा देगा, बल्कि प्रदेश की सुरक्षा और जनता के विश्वास को भी मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से महिलाओं के प्रति अपराध, साइबर क्राइम और अवैध ड्रग्स के नेटवर्क के खिलाफ सतर्कता बढ़ाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, अपराध की प्रकृति तेजी से बदल रही है, इसलिए आपकी प्रतिक्रिया और तैयारी भी उतनी ही आधुनिक और त्वरित होनी चाहिए। डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर टूल्स और तकनीक का कुशल उपयोग सीखें। मुख्यमंत्री ने ''थाना, सर्किल व पुलिस लाइन'' तीनों की कार्यप्रणाली, संसाधनों और चुनौतियों को समझने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन तीनों स्तरों का सामंजस्य ही किसी जिले की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करता है।

जनप्रतिनिधि से संवाद गरिमापूर्ण और संयत होना चाहिए

- मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद को लेकर कहा कि यह गरिमापूर्ण और संयत होना चाहिए। कैजुअल अप्रोच पुलिस अधिकारी के लिए उचित नहीं है। जनप्रतिनिधि जनता की आवाज होते हैं, उनके साथ तालमेल कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाता है।

थाना पुलिसिंग की नींव

- योगी ने प्रशिक्षुओं को सलाह दी कि प्रशिक्षण अवधि में थाने का चार्ज, उसके प्रशासन, विवेचना, ड्यूटी मैनेजमेंट और स्थानीय विवादों की प्रकृति को बहुत बारीकी से समझें। उन्होंने कहा कि थाना पुलिसिंग की नींव है। ह्यूमन इंटेलिजेंस आज भी किसी भी पुलिस अधिकारी का सबसे बड़ा हथियार है। स्थानीय लोगों से संवाद, फील्ड में उपस्थिति और विश्वास ही आपको मजबूत बनाते हैं।

आज काशी तमिल संगमम् के चौथे संस्करण में शामिल होंगे मुख्यमंत्री

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काशी तमिल संगमम् के चौथे संस्करण के उद्घाटन समारोह में शामिल होने हेतु मंगलवार को वाराणसी पहुंचेंगे। उत्तर और दक्षिण भारत को सांस्कृतिक रूप से जोड़ने वाला यह महत्त्वपूर्ण आयोजन अब अपने चौथे संस्करण में प्रवेश कर चुका है। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ मंगलवार को नमो घाट पर होगा।

उद्घाटन समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि, पुडुचेरी के उपराज्यपाल के कैलाश नाथ सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

स्वार्थ को छोड़कर संसद को सुचारु रूप से चलाएं सांसद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : ससंद के शीतकालीन सत्र को लेकर बसपा प्रमुख मायावती ने सत्ता और विपक्ष, दोनों को नसीहत दी है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में कहा कि राजनीतिक स्वार्थ को छोड़कर संसद को सुचारू रूप से चलाने और सार्थक चर्चा करना जनहित में होगा।

बसपा प्रमुख ने कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र के इस बार काफी हंगामेदार होने की संभावना है, परंतु हमारी पार्टी चाहती है कि संसद सुव्यवस्थित व शांतिपूर्ण तरीके से संचालित हों, जिससे देश व जनहित के जरूरी मुद्दों, राजधानी दिल्ली आदि शहरों में वायु प्रदूषण, वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर व्यावहारिक तौर पर हो रही परेशानियों एवं आपत्तियों व इस कार्य के मुख्य कर्ताधर्ता बीएलओ की दिक्कतों, उनके द्वारा की जा रही खुदकुशी आदि की घटनाओं पर सही से चर्चा हो सके।

नियोक्ताओं के पास अप्रैल 2026 तक मौका, कराएं कर्मियों का पंजीयन

प्रेसवार्ता में ईपीएफओ के आयुक्त प्रथम ने दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने नामांकन अभियान 2025 के तहत नियोक्ताओं को विशेष अवसर दिया है। इसमें वे 1 जुलाई 2017 से 31 अक्टूबर 2025 के बीच जुड़े उन कर्मचारियों को पंजीकृत कर सकते हैं, जो किसी कारणवश ईपीएफ कवर से वंचित रह गए हैं। नियोक्ताओं के पास उन्हें पंजीयन कराने का आखिरी मौका अप्रैल 2026 तक का है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पात्र कर्मचारियों को स्वैच्छिक पंजीकरण द्वारा सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना है।

यह जानकारी सोमवार को क्षेत्रीय भविष्य निधि संगठन के आयुक्त प्रथम अश्विनी कुमार गुप्ता ने दी। आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने बताया कि यदि कर्मचारियों से अंशदान नहीं काटा गया, तो कर्मचारी अंशदान माफ किया जाएगा। नियोक्ता को केवल नियोक्ता अंशदान धारा 7 क्यू का ब्याज प्रशासनिक शुल्क 100 रुपये क्षति शुल्क देना होगा। जिन प्रतिष्ठानों पर धारा 7ए, पैरा 26बी या पैरा 8 (ईपीएस-1995) के अंतर्गत जांच चल रही है, वे भी पात्र रहेंगे, और उन्हें केवल 100 रुपये नाममात्र क्षति शुल्क देना होगा। ईपीएफओ ऐसी किसी भी स्थिति में स्वतः कार्रवाई नहीं करेगा।

ईपीएफओ कार्यालय में प्रेसवार्ता में जानकारी देते आयुक्त प्रथम अश्विनी कुमार गुप्ता।

पहली बार नौकरी करने वालों को 15,000 की सहायता

- आयुक्त ने कहा कि पहली बार नौकरी करने वालों को सीधे 15,000 रुपये की सरकारी सहायता प्रति वर्ष किस्तों में बतौर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। पहली किस्त 6 महीने पूर्ण होने पर, दूसरी किस्त 12 महीने पूरे करने पर उपलब्ध कराई जाएगी। यह राशि प्रधानमंत्री-विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के तहत दी जाएगी। इसे बढ़ावा देने के लिए तिथि को 1 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 तक के लिए लागू किया गया है। इसका कुल बजट 99,446 करोड़ रुपये रखा गया है और इससे 3.5 करोड़ औपचारिक नौकरियां सृजित करने का लक्ष्य है। इस दौरान क्षेत्रीय कर्मचारी निधि संगठन के आयुक्त द्वितीय आशीष कुमार के साथ प्रतीश सिंह सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त प्रथम ने बताया कि क्षेत्राधिकार के 6 जिले लखनऊ, सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर खीरी, बाराबंकी, रायबरेली में पंजीकृत संख्या 39,580 प्रतिष्ठान में 5,16,109 अंशधारक सदस्य और 70,000 पेंशनर्स है।

जनता दरबार में बच्चे को दुलराते मुख्यमंत्री योगी।

पुलिस से जुड़े मामलों में निष्पक्षता व पारदर्शिता जरूरी : योगी

- **अमृत विचार, लखनऊ :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन में प्रदेश भर से आने वाले फरियादियों की समस्याएं सुनीं और प्रत्येक को त्वरित व निष्पक्ष समाधान का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस से जुड़े मामलों में निष्पक्षता और पारदर्शिता सर्वोपरि है। किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।मुख्यमंत्री ने जिलों में तैनात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई से जुड़े मामलों के समाधान में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि जमीनी विवाद, राजस्व और पुलिस-प्रशासन से जुड़े मामलों में कार्रवाई निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध होनी चाहिए। योगी ने यह भी कहा कि पुलिस आयुक्त, एडीजी, एसएसपी और एसपी स्वयं निगरानी रखें और सुनिश्चित करें कि जनता को न्याय समय पर मिले। जनता दर्शन में दो पीड़ितों ने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। सीएम योगी ने उनकी बात सुनने के बाद तत्काल आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा और संकट से जुड़े मामलों में सरकार नियमित रूप से सहायता दे रही है। आप एस्टिमेट बनवाकर दें, सरकार मदद सुनिश्चित करेगी। कार्यक्रम में अभिभावकों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री ने स्नेहपूर्वक दुलारा। उन्हें चॉकलेट दी, हालचाल पूछा और मन लगाकर पढ़ने की प्रेरणा दी। सोमवार के जनता दर्शन में 42 से अधिक फरियादी पहुंचे।

राजनीति | राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार पहुंचे लखनऊ

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समेत सरकार की नई टीम पर मंथन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : भाजपा में मिशन 2027 के मद्देनजर सोमवार को लखनऊ पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने सरकार और संगठन में बदलाव के साथ योगी से तालमेल पर मंथन किया। दिनभर बैठकों की श्रृंखला से साफ हो गया कि जल्द ही नए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और उनकी टीम के साथ मंत्री से संगठन में और संगठन से मंत्री बनने वाले नामों का ऐलान होगा।

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार का सोमवार को लखनऊ दौरा संगठन-सरकार में बड़े बदलाव, आगामी चुनावी तैयारियों और शीर्ष नेताओं के बीच तालमेल को नए सिरे से परखने की दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है। वर्ष 2027 विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र दोनों नेताओं ने सुबह से देर शाम तक विभिन्न स्तरों पर लगातार रणनीतिक बैठकें कीं। दिल्ली से दोपहर में लखनऊ पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष का एयरपोर्ट पर पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह ने स्वागत किया। संतोष ने प्रदेश संगठन से जुड़े पदाधिकारियों से मुलाकात की और चल रहे अभियानों पर चर्चा की। सूत्रों के अनुसार बीएल संतोष और अरुण कुमार की एक संयुक्त बैठक प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह के साथ भी हुई। सूत्र बताते हैं कि यह बैठक संगठन के भीतर समन्वय और रणनीतिक दिशा तय करने के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष के साथ डॉ. महेंद्र सिंह व अन्य नेता।

धर्मपाल को जन्मदिन पर बधाई का तांता

प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह का सोमवार को बीएल संतोष और अरुण कुमार की उपस्थिति में खास बन गया। दोनों नेताओं ने उन्हें बधाई दी। उधर, मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में प्रभु श्रीराम से उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर प्रगति की कामना की।

मुख्यमंत्री के साथ हुई संघ और संगठन की बड़ी बैठक

- मुख्यमंत्री योगी के आवास पर सोमवार शाम सरकार, संगठन और संघ की तीन घंटे चली महत्वपूर्ण बैठक में नए प्रदेश अध्यक्ष समेत मंत्रिमंडल में होने वाले बदलाव और संगठन में नए चेहरे को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। इसमें मुख्यमंत्री के साथ मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण और सीमावर्ती जिलों में घुसपैठ पर गंभीर चर्चा हुई। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, आरएसएस के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार, पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक महेंद्र कुमार, पूर्वी क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक अनिल कुमार, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह मौजूद रहे।बैठक में बताया गया कि कई सीमावर्ती जिलों में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए चिह्नित हुए हैं, जिन्हें एसआइआर के आधार पर मताधिकार से वंचित कर डिटेंशन सेंटर भेजा जाना चाहिए। भाजपा विधायकों और सांसदों की निष्क्रियता पर भी चिंता जताई गई।बीएलओ के बढ़ते दबाव, आत्महत्या और हार्टअटैक से हुई मौतों पर चर्चा करते हुए आयोग द्वारा गणना पत्र जमा करने की समयसीमा बढ़ाने को राहतकारी कदम बताया गया। संघ ने प्रभारी मंत्रियों के जिलों में प्रवास और संगठन-संघ के बीच संवाद की कमी पर भी आपत्ति जताई।

संघ प्रचारकों के साथ सह सरकार्यवाह की गहन बैठकें

- सोमवार सुबह से ही अरुण कुमार लखनऊ में संघ से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक किए। बैठक में पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र प्रचारकों, विभाग प्रचारकों और प्रमुख प्रांतीय पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। प्रदेश में संघ कार्यों की वर्तमान स्थिति, शाखाओं का विस्तार, स्वयंसेवकों की सक्रियता, कैडर की मजबूती और सामाजिक समरसता से जुड़े कार्यक्रमों की प्रगति पर रणनीति बनीं। साथ ही, लोकसभा चुनाव 2024 के बाद राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तनों के प्रभाव पर चर्चा हुई।

भाजपा का सपना पूरा करना चाहता है चुनाव आयोग : अखिलेश यादव

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि ऐसा लगता है कि इलेक्शन कमीशन इस डेमोक्रेसी में भाजपा का ड्रीम पूरा करना चाहता है जिससे विपक्ष का वोट कट जाए। इधर जब से भाजपा खासकर उप्र. में हारी है उसके अंदर बेचैनी है। उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में अभी चुनाव दूर है। फिर सरकार द्वारा इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई जा रही है ।

सपा प्रमुख ने सोमवार को नई दिल्ली के संसद परिसर में बोल रहे थे। पार्टी मुख्यालय द्वारा जारी बयान में कहा लोकतंत्र मजबूत हो और संविधान के तहत पीडीए समाज को मजबूती मिले। मतदाता का वोट स्वतंत्र रूप से पड़े, उसका अधिकार पूरा किया जाएगा तो उसका सपना पूरा होगा। वह जिसके पक्ष या विपक्ष में चाहेगा वोट डालेगा।

पीएम मोदी के ड्रामा वाले बयान को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर कार्यक्रम से बीएलओ की जान जाना क्या ड्रामा था । सर्वेश गंगवार, विजय वर्मा, विपिन यादव, अंजू दुबे की मौतें ड्रामा है । जबकि हकीकत है कि बहुत से बीएलओ गणना प्रपत्र तक नहीं भर पा रहे है, उसे अपलोड नहीं कर पा रहे है। उन्होंने कहा कि एसआईआर का मतलब है कि वोट बढ़े। लेकिन भाजपा ने ऐसे मौके पर एसआईआर शुरू कराई जब शादियों के दिन है। यह इसलिए कि वोट बढे नहीं। इलेक्शन कमीशन चाहता है कि एसआईआर में सावधानी से वोट कट जाए। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा का काम वोट काटने का है। हम अपना वोट बचाने में लगे है। भाजपा की रणनीति है कि कैसे भी जीत हासिल की जाए। अभी बीजेपी पर बिहार की जनता का बहुत बड़ा उधार है, विपक्ष कभी ड्रामा नहीं करता है। विपक्ष ड्रामा करने वालों को रोकता है।

न्यूज ब्रीफ

बीएससी छात्र ने फंदा लगाकर दी जान

अमृत विचार, सरोजनीनगर : मूलत: सीतापुर के लालपुर बाजार निवासी दिव्यांशु राज (19) छोटे भाई अर्पित के साथ शांति नगर में शैलेश चौरसिया के मकान में किराए पर रहता था। दिव्यांशु एक निजी कॉलेज से बीएससी की पढ़ाई कर रहा था। पारा स्थित प्रतिभा अकादमी में क्रिकेट का प्रशिक्षण भी लेता था। सोमवार सुबह करीब 9 .30 बजे दिव्यांशु ने कमरे में पंखे में चादर सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिवार में पिता अमरेश कुमार अध्यापक हैं, जबकि मां सरोजनी देवी का निधन हो चुका है। इंस्पेक्टर सरोजनीनगर राजदेव प्रजापति के मुताबिक खुदकुशी के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

शादी का झांसा दे किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा पुलिस ने युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया है। उसे सोमवार को जेल भेज दिया है। इंस्पेक्टर बंथरा राणा राजेश सिंह के मुताबिक इलाके की 26 वर्षीया युवती करीब 2 वर्ष पहले सरोजनी नगर के एक स्कूल में नौकरी करती थी। बंथरा के लाला खेड़ा मजरा रामचौरा निवासी प्रिंस रावत अपने दोस्त का एडमिशन कराने स्कूल पहुंचा। मोबाइल नंबर लेकर बातें करने लगा। शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए।

अस्पताल में लापरवाही से हुई थी बच्चे की मौत

अमृत विचार, लखनऊ : ठाकुरगंज स्थित ऑक्सीजन हॉस्पिटल में बच्चे की मौत मामले की जांच में अस्पताल को दोषी पाया गया है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह का कहना है पुलिस को जांच रिपोर्ट भेजने के साथ लाइसेंस निरस्त किया जाएगा। ठाकुरगंज के मुफ्तीगंज निवासी जियान (3) की ऑक्सीजन हॉस्पिटल में 21 जुलाई को इलाज के दौरान मौत हो गई थी। परिजनों ने इलाज में लापरवाही और वसूली का आरोप लगा शिकायत की थी। पहले जांच अपर निदेशक मंडल डॉ. जीपी गुप्ता ने की। उन्होंने नोटिस जारी डॉक्टर को बयान दर्ज करने के लिए बुलाया, लेकिन बीमारी का बहाना बनाकर डॉक्टर गायब हो गया। दो माह के बाद अपर निदेशक ने सीएमओ को पत्र भेज कार्रवाई के निर्देश दिए। सीएमओ ऑफिस से अस्पताल को 23 जुलाई, 25 जुलाई, 14 व 17 अक्टूबर व 14 नवंबर को पत्र भेजे गए। किंतु डॉक्टर व संचालक साक्ष्य के साथ कमेटी के सामने पेश नहीं हुए। कमेटी ने जांच रिपोर्ट में अस्पताल को दोषी करार दिया है। कमेटी सदस्यों का कहना है बच्चे का इलाज कुशल विशेषज्ञ के जरिए नहीं किया गया था। इलाज में लापरवाही से बच्चे की जान चली गई।

भूखंड पर कब्जे का प्रयास एक लाख की रंगदारी मांगी

अमृत विचार, लखनऊ : बंथरा थाने में पांच दबंगों के खिलाफ भूखंड का रुपया लेने और जबरदस्ती कब्जा करने की रिपोर्ट दर्ज की गई है। बंथरा के सिकंदरपुर निवासी हरकेश सिंह के मुताबिक उन्होंने चार वर्ष पूर्व खसरवारा निवासी शिवशंकर से एक हजार वर्ग फीट का भूखंड खरीदा। इसके लिए सात लाख रुपये दिये। छह लाख रुपये खाते में और एक लाख रुपये नकद दिये थे। हरकेश के मुताबिक इस भूखंड को खरीदते समय छोटा बरहा आलमबाग के सतीश कुमार शुक्ला से सहमति भी ली गई थी। इसके बाद भी शिवशंकर, सुनील कुमार, सुशील कुमार, अशोक कुमार और सतीश कुमार शुक्ला उनके भूखंड पर कब्जा कर लिया है। जब निर्माण कराने जाते हैं तो पांचों लोग एक लाख रुपये रंगदारी मांग रहे हैं। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी है। एसीपी कृष्णानगर से शिकायत की। उनके निर्देश पर एफआईआर की गई।

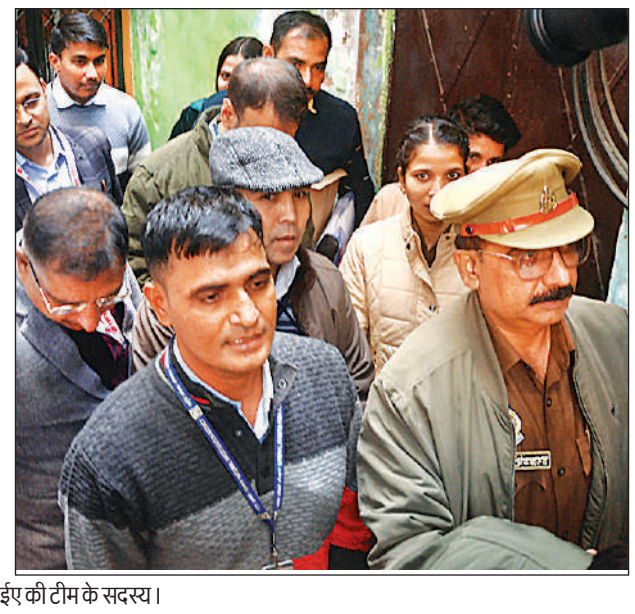

शहर के खंदारी बाजार स्थित डॉ. शाहीन शाहिद के पिता के आवास पर जांच और पूछताछ के बाद बहार निकलते हुए एनआईए की टीम के सदस्य। अमृत विचार

एनआईए की टीम ने डॉ. शाहीन के पिता और भाई से की छह घंटे तक पूछताछ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: एनआईए ने कैसरबाग के खंधारी बाजार स्थित डॉ. शाहीन के पिता शाहिद अंसारी के घर सोमवार को करीब छह घंटे पूछताछ की। इस दौरान शाहिद और उनके बेटे शोएब से शाहीन के बारे में पूछताछ की गई। डॉ. शाहीन यहां कब से नहीं आई? विस्फोट से पहले उसने कब और किससे संपर्क किया था? साथ ही परिचितों के बारे में जानकारी हासिल की गई।

शाहिद ने एनआईए को यही बताया कि परवेज से हर सात-आठ दिन पर बात जरूर होती थी। बेटी शाहीन तो लम्बे समय से घर नहीं आई। विस्फोट से काफी पहले से उससे बात नहीं हुई। परवेज की भूमिका को लेकर उन्होंने सिर्फ यही कहा कि वह ज्यादा किसी से मतलब नहीं रखता था। इंटीग्रल यूनिवर्सिटी से नौकरी छोड़ने के मामले में पूछने पर वजह उसने कुछ नहीं बताई थी। एनआईए की टीम ने शाहिद और शोएब के मोबाइल काफी देर तक खंगाले। यह भी देखने की कोशिश की गई कि इन लोगों ने कुछ डिलीट तो नहीं किया है।

पिता शाहिद और भाई शोएब दोनों ने एनआईए से कहा कि शाहीन की हरकत कभी अजीब नहीं लगी। अगर उनकी संलिप्तता मिली है तो कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। इससे पहले यूपी एटीएस और जम्मू-कश्मीर पुलिस भी शाहिद और शोएब से पूछताछ कर चुकी है।

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और एरा कॉलेज में भी होगी पूछताछ

- एनआईए की एक टीम जल्दी ही इंटीग्रल यूनिवर्सिटी और एरा कॉलेज भी पूछताछ करने जाएगी। परवेज ने इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में सीनियर रेजीडेंट के तौर पर नौकरी की थी। उसने विस्फोट से कुछ दिन पहले ही यहां से इस्तीफा दे दिया था। वहीं उसने मेडिकल की पढ़ाई एरा मेडिकल कालेज से भी की है। यहां कई लोगों के नाम चिह्नित किये गये हैं। उनके बारे में एनआईए ने काफी कुछ डिटेल जुटा लिया है।

सीएचसी में प्रसूताओं को नहीं मिल रहा नाश्ता, भोजन की मात्रा भी कम

प्रसूताओं का आरोप, मलिहाबाद सीएचसी में डाइट चार्ट का नहीं किया जा रहा पालन

संवाददाता, मलिहाबाद

अमृत विचार : मलिहाबाद सीएचसी में प्रसूताओं को पर्याप्त मात्रा में और पौष्टिक आहार नहीं दिया जा रहा है। सुबह नाश्ता भी नहीं मिलता है। सोमवार को अमृत विचार की टीम से बातचीत में भर्ती प्रसूताओं ने ये आरोप लगाए। प्रसूताओं से बातचीत का वीडियो अमृत विचार के पास मौजूद है।

मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में प्रसूताओं को सुबह का नाश्ता और दोपहर व रात का भोजन देने के लिए सीएमओ कार्यालय से टेंडर हुआ था। निजी वेंडर को 135 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से ठेका मिला है। वेंडर सीएचसी परिसर में खाना बनवाता है। प्रसूताओं का आरोप है कि उन्हें पौष्टिक फल, दलिया नहीं दिया जा रहा है। सोमवार को वार्ड में सात प्रसूताएं भर्ती थी। उन्होंने बताया कि सुबह का नाश्ता नहीं मिलता है। दोपहर और रात को भोजन में भी निर्धारित मात्रा में नहीं दिया जाता।

रोटी की संख्या कम रहती है। सब्जी और दाल की गुणवत्ता भी ठीक नहीं रहती। आरोप लगाया कई बार भरपेट भोजन नहीं मिल पाता। इस संबंध में सीएचसी अधीक्षक डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि डाइट चार्ट के आधार पर ही प्रसूताओं को नाश्ता और भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसकी मॉनिटरिंग की जाती है, अगर प्रसूताओं को समय से और डाइट चार्ट के हिसाब से नाश्ता व भोजन नहीं मिल रहा तो उस पर वेंडर से बात करके व्यवस्था को दुरुस्त किया जाएगा।

रसोइया को तीन माह से नहीं मिला वेतन

- पड़ताल में सामने आया कि रसोइया को तीन महीने से वेतन नहीं मिला है। इससे उनके मनोबल पर असर पड़ा है। भोजन तैयारी की पूरी प्रणाली अस्त-व्यस्त हो गई है। वेतन न मिलने से रसोइया में नाराजगी है।

नहीं चस्पा किया डाइट चार्ट

- सीएमओ ने सभी स्वास्थ्य केंद्रों के वार्ड में डाइट चार्ट चस्पा कराने के निर्देश दिए हैं। जिससे प्रसूताओं को पता चल सके कि उन्हें नाश्ते और भोजन में क्या मिलना है। मलिहाबाद सीएचसी में कहीं भी डाइट चार्ट चस्पा नहीं किया गया है।

ये है डाइट चार्ट

- **सुबह का नाश्ता :** दूध 200 एमएल, 2 अंडे, दलिया/दलिया/पोहा/ ब्रेड (4 स्लाइस) व 10 ग्राम मक्खन।
- **दोपहर का भोजन :** 4 रोटी, दाल, मौसमी सब्जी, चावल एवं सलाद/दही।
- **रात्रि का भोजन :** 4 रोटी, मौसमी सब्जी, चावल एवं मौसमी फल व एक गिलास दूध।

प्रसूताओं को भोजन और नाश्ता नहीं मिल रहा है तो अधीक्षक से जवाब तलब किया जाएगा। लापरवाही मिलने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

-डॉ. एनबी सिंह, सीएमओ

खंभे से टकराई बोलेरो, उतरा करंट

अमृत विचार, मोहनलालगंज : मोहनलालगंज के तहसील परिसर के पीछे सोमवार दोपहर बेकाबू बोलेरो सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पूरा खंभा टूटकर तारों सहित जमीन पर गिर गया। वहां खड़ी अधिवक्ताओं की कई कार में करेंट उतर आया। हादसे के कारण परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अधिवक्ताओं ने विभाग को सूचना देकर आपूर्ति बंद कराई, जिससे हादसा होने से बच गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बोलेरो टकराने के समय पास में कई लोग मौजूद थे और मामूली सी देरी गंभीर जानमाल की दुर्घटना में बदल सकती थी। हादसे के बाद बोलेरो चालक मौके से वाहन सहित फरार हो गया। अधिवक्ताओं का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद पुलिस ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। जबकि दुर्घटना के बाद खंभा और तार देर शाम तक सड़क पर पड़े रहे। जिससे आवागमन और सुरक्षा को खतरा बना रहा।बिजली विभाग की टीम ने लगभग दोपहर 12 बजे गिरी लाइन बंद की और लगभग पांच बजे नए पोल लगाकर तार खींचने के बाद देर शाम बिजली आपूर्ति बहाल की।

सड़क हादसे में दामाद की मौत, ससुर गंभीर

संवाददाता, गोसाईगंज

अमृत विचार: गोसाईगंज के कोड़रा के पास वाहन ने बाइक सवार ससुर-दामाद को टक्कर मार दी। हादसे में दामाद मोहम्मद अलीम(32) की मौत हो गई। वहीं ससुर की हालत गंभीर है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

- **खुर्दही बाजार में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे बाइक सवार**

इंस्पेक्टर गोसाईंगंज बृजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक काकोरी के पलिया निवासी मो. अलीम की ससुराल मदरसा वार्ड अमेठी में है। वह सोमवार की शाम अपने ससुर खलील अहमद उर्फ चांद बाबू को लेकर खुर्दही बाजार में आयोजित शादी समारोह में जा रहा था। अभी दोनों सुल्तानपुर रोड पर कोड़रा के पास पहुंचे, तभी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रुप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों को सीएचसी में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने मो. अलीम को मृत घोषित कर दिया।

हादसे में युवक की जान गई

- अमृत विचार गोसाईगंज : सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में चार पहिया वाहन ने युवक को कुचल दिया। पुलिस के मुताबिक सुशान्त गोल्फ सिटी इलाके में ड्रीम बैली पुल के पास एक युवक उम्र लगभग 25 वर्ष को किसी वाहन ने कुचल दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस के मुताबिक मृतक ने आसमानी रंग की धारीदार शर्ट, काली लोवर, सफेद जूते पहन रखा था। शव की शिनाख्त नही हो सकी। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

वहीं, गंभीर रूप से घायल ससुर खलील अहमद उर्फ चांद बाबू को सिविल अस्पताल रेफर कर दिया है।

इंस्पेक्टर गोसाईगंज ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। बाइक में टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश की जा रही है। मृतक जरदोजी का काम करता था। परिवार में पत्नी व एक बेटा व एक बेटी है।

वकील के गले में उलझा पतंग का मांझा, घायल

संवाददाता, मोहनलालगंज

- **मोहनलालगंज में हुआ हादसा एपेक्स ट्रामा में भर्ती**

अमृत विचार: मोहनलालगंज क्षेत्र में सोमवार को अधिवक्ता अविनाश कुमार सिंह के गले में पतंग के मांझे गंभीर चोट आ गई। घायल हालत में उनको पीजीआई एपेक्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज किया गया। इस मामले में पुलिस ने सात युवकों को हिरासत में ले लिया है। उनसे खुजौली चौकी में पूछताछ की जा रही है। वहीं, ग्रामीणों ने चौकी के बाहर हंगामा शुरू कर दिया। नई जेल रोड स्थित सेवई मार्ग के पास खाली पड़े मैदानों में लंबे समय से पतंगबाजी होती रही है, जहां हार-जीत पर दांव भी लगाए जाते हैं।

स्थानीय लोगों के मुताबिक कई युवक लग्जरी गाड़ियों में पहुंचकर यहां पतंग उड़ाते हैं और नियमों की खुलेआम अनदेखी करते हैं। इसी क्षेत्र में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय और सप्ताह में तीन दिन लगने वाला खुजौली बाजार होने के कारण यहां भीड़ रहती है। ऐसे में लापरवाही से की जा रही पतंगबाजी कभी भी बड़ा हादसा करा सकती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद पुलिस स्थिति को लेकर उदासीन बनी हुई है। इंस्पेक्टर डीके सिंह ने बताया कि पीड़ित की तरफ से शाम तक कोई तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

तेंदुए की तलाश में लगाए छह कैमरे

अमृत विचार, लखनऊ : शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक तेंदुए की मौजूदगी ने लोगों में दहशत फैला दी है। वहीं वन विभाग की तमाम कोशिशों के बावजूद सोमवार को भी तेंदुए का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। करीब 10 दिन पहले जहां रहमान खेड़ा इलाकें में तेंदुआ देखे जाने की सूचना मिली थी, वहीं दो दिन पहले शहर के कैंट क्षेत्र के तेलीबाग में तेंदुए के पगचिह्न पाए गए। इसके बावजूद तेंदुआ अभी भी वन विभाग की पकड़ से कोसों दूर है। तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग ने रहमानखेड़ा में चार और कैंट क्षेत्र में दो ट्रैप कैमरे लगाए है, इसके बाद भी अभी तक तेंदुआ कैद नहीं हो पाया है। वन विभाग का कहना है कि कैमरों में तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि होने पर पिंजरा लगाकर उसे पकड़ा जाएगा।

आबादी में शव दफनाने को लेकर विवाद, पुलिस ने शांत कराया

संवाददाता सरोजनीनगर

- **बंथरा कस्बे का मामला, पुलिस की मौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार**

अमृत विचार: बंथरा कस्बे में सोमवार को आबादी के बीच शव दफनाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। शव दफनाने का विरोध कर रहे लोगों ने पुलिस को बुला लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों से कब्रिस्तान के कागजात मांगे, लेकिन दोनों ही पक्ष नहीं दे सके। जिसके बाद पुलिस ने दोनो पक्षों को समझा-बुझाकर शांत कराने के साथ ही शव का अंतिम संस्कार करा दिया।

बंथरा नगर पंचायत में रहने वाले मुन्ना का सोमवार को निधन हो गया था। जिसपर उनके परिजन व पड़ोसी मुन्ना का शव दफनाने के लिए यहां के वार्ड अम्बेडकरनगर वार्ड-4 स्थित एक खाली स्थान पर ले गये। इस मैदान के आसपास रहने वाले लोगों ने आबादी के बीच शव दफनाने का विरोध किया। इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी।

अंतिम संस्कार पर रोक लगाने की हुई थी मांग

- अम्बेडकर नगर वार्ड के निवासी अंशू कुमार, नीरज, प्रशांत कुमार, रवि, महेश कुमार, फूलचन्द्र, अजीत, सुशील, थापा व रामचंद्र ने एक जनवरी 2025 को तहसील दिवस में प्रार्थना पत्र देकर यहां अंतिम संस्कार रोक लगाए जाने की मांग की थी। इस शिकायत पर लेखपाल ने जांच के बाद लिखा कि शिकायतकर्ताओं द्वारा बताए गए स्थान पर शमशान या कब्रिस्तान दर्ज नहीं है।

शादी समारोह से वापस आ रहे पेंटर की हादसे में मौत

मृतक सलमान पेंटर

- **अमृत विचार, काकोरी :** पारा इलाके में रविवार देर रात को बेकाबू कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में घायल सलमान को केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। जहां सोमवार सुबह उसकी मौत हो गई। हादसा रविवार देर रात करीब एक बजे हुआ। सलमान पेशे से पेंटर था। पुलिस के मुताबिक आलमबाग रेलवे कालोनी निवासी सलमान (27) पेंटर का काम करता था। वह रविवार देर शाम को अपने पड़ोसी शानू की शादी में शामिल होने के लिए बुद्धेश्वर चौराहे के पास एक मैरिज लॉन में गया था। रात करीब एक बजे बाइक से घर वापस जा रहा था। अभी वह सरोज अस्पताल के पास तिकोनिया तिराहे के करीब पहुंचा था। तभी चार पहिया वाहन बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही सलमान सड़क पर गिरकर गंभीर रुप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे परिजन ने लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया। जहां हालात बिगड़ने पर ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। सोमवार सुबह सलमान की मौत हो गई। पिता पप्पू खान ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

शिकंजा कसा | डीपीआरओ ने अनियमितता पर 20 सचिवों से मांगे साक्ष्य, वर्ष 2019 से 2024 तक भुगतान के नहीं हैं बिल-बाउचर

25 करोड़ की गड़बड़ी पर पंचायत सचिवों को नोटिस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : जिले की 161 ग्राम पंचायतों के ऑडिट में 25 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता में 20 सचिवों को जिला पंचायत राज अधिकारी जितेंद्र कुमार ने नोटिस जारी किए हैं। इनके द्वारा विकास कार्यों के नाम पर खर्च लाखों रुपये के साक्ष्य न देने पर गबन मानकर वसूली की जाएगी।

सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा परीक्षा निदेशालय की टीम ने वर्ष 2019 से 2024 तक ग्राम पंचायतों का ऑडिट किया था। 161 ग्राम पंचायतों में विकास के नाम पर भुगतान किए गए करीब 25 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता पकड़ी थी। ऑडिट के दौरान प्रधान व सचिव कराये गए कार्यों की पुष्टि नहीं कर पाए। न ही भुगतान की गई धनराशि के बिल-बाउचर दिए। कई बार संबंधित सचिवों को नोटिस जारी करके साक्ष्य मांगे गए, जो नहीं दिए। अब जिला पंचायत राज अधिकारी ने अंतिम नोटिस जारी करके चेतावनी दी है कि अधिभारित धनराशि के साक्ष्य न देने पर गबन मानकर संबंधित से धनराशि वसूल करेंगे।

इन पंचायतों में सबसे अधिक धनराशि

- मढ़वाना ग्राम पंचायत में 90,47,791, 45,09,596, 25,34,000 रुपये, हसनापुर 67,47,000, अमलौली केडौरा 47,95,823, देवरी गजा 47,00,000, करेंद 42,76,000, भरुरा 39,24,000, गोपालपुर 38,35,000, बसंतपुर 35,32,000, गहदो 34,85,000, कमालपुर लुधौरा 33,78,000, आंटगढ़ी सैरा 32,74,000, अहिंडर 32,18,000, बदैया 30,88,000, माल 29,44,000, अटारी 26,05,000, वीरपुर 25,10,000, बहरौरा 22,94,000, गुड़वा बरौकी 21,36,000, जमोलिया 20,67,000, दनौर 19,80,000, अऊमऊ 15,12,000, ढखवा 15,28,000, गौरैया 15,44,000 व चंदवारा में 13,75,000 लाख रुपये।

जल्द एसएनए स्पर्श से भुगतान

- अमृत विचार,लखनऊ : जिले में जल्द ग्राम पंचायतें नई व्यवस्था के तहत लागू एसएनए स्पर्श पोर्टल से भुगतान करेंगी। इसमें भुगतान की लिमिट तय होगी और बिल व बाउचर अपलोड किए जाएंगे। इससे भुगतान में पारदर्शिता आएगी। जिला पंचायत राज अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि सभी विभागों में भुगतान के लिए एसएनए स्पर्श प्रणाली लागू की है। इस क्रम में जिले की ग्राम पंचायतों में नई व्यवस्था से विकास कार्यों का भुगतान किया जाएगा। इससे भुगतान में पारदर्शिता आएगी और बिल व बाउचर अपलोड किए जाएंगे। इसका परीक्षण भी किया जाएगा। भुगतान की लिमिट तय होगी। इससे खातों में धनराशि डंप नहीं रहेगी। जीएसटी जमा करने का जमा करने का विकल्प भी दिया गया है। 60 फीसदी से अधिक पंचायतों ने जीएसटी पंजीयन करा लिया है। जल्द नई व्यवस्था पर कार्य शुरू करेंगे।

लखनऊ विकास प्राधिकरण
(ISO 14001: 2004, ISO 9001: 2008 प्रमाणित संस्था)
प्राधिकरण भवन, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, (उ0प्र0)
टोल–फ्री : 1800 1800 5000 वेबसाइट : http://www.ldalucknow.in

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की आवासीय/व्यवसायिक/रेन्ट/नजूल/इम्प्रूवमेन्ट – ट्रस्ट योजनाओं के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तांतरण/नामांकरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत किया गया है:–

क्र. सं.	मूल आवंटी का नाम	भवन/भूखण्ड संख्या	योजना का नाम	मृत्यु दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्तिकर्ताओं का नाम	मूल आवंटी (मृतक) से आवेदक का संबंध
1	2	3	4	5	6	7	8
1	श्री धर्मराज	भवन संख्या–6/261 सेक्टर–6	जानकीपुरम विस्तार योजना	25.09.2004	श्रीमती सुनीता देवी (पत्नी)	श्री अमन वर्मा (पुत्र) कु0 आकांक्षा वर्मा (पुत्री)	पत्नी
2	श्रीमती अजरा रिजवी	भवन सं0–एम0एम0आई0जी–334/II	टिकैत राय योजना	08.12.2023	श्री तमकीन रिजवी (पुत्र)	श्रीमती हिना रिजवी (पुत्री), श्रीमती हुमा रिजवी (पुत्री)	पुत्र
3	स्व0 मृणालिनी चतुर्वेदी	भूखण्ड संख्या–2/458	विभव खण्ड, गोमती नगर	15.11.2024	श्री पुष्कल दुबे एवं कु0 मेधा दुबे (अवयस्क) संरक्षिता पिता श्री वीर भद्र शंकर दुबे (पुत्र एवं पुत्री)	श्री वीर भद्र शंकर दुबे	पति
4	श्री राज कुमार धुसिया	भूखण्ड संख्या–एन–1–82	से0–एन–1 आशियाना कानपुर रोड योजना	17.05.2022	श्री पंकज कुमार	श्रीमती शोभा रानी (पत्नी) पूनम कुमारी (पुत्री)	पुत्र
5	स्व0 पुष्पाकौशल (क्रेता)	भूखण्ड संख्या–एल–6/176	सेक्टर–एम, अलीगंज	05.07.2016	श्री शशांक सिंह	वसीयत के आधार पर	कार्यकर्ता

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 30 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कॉलम–6 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव

अमृत विचार
लखनऊ, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

सरकारी काम में 'कॉरपोरेट कल्चर' की मिसाल बनेंगे बीएलओ

एसआईआर में लगे बीएलओ में उत्साह भरने को लुभावने ऑफर्स की बौछार, काम का दबाव कम करने की कवायद

अजय दयाल, लखनऊ

- प्रशासन किसी जिले दे रहा कंसर्ट का टिकट तो कहीं फाइव स्टार होटल में विद फेमली स्टे
- मूवी टिकट, फेमली टूर और कैश इनाम से लेकर डिनर तक का प्रस्ताव

अमृत विचार: आने वाले वक्त में बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) सरकारी कामकाज में 'कॉरपोरेट कल्चर' की मिसाल बने जाएंगे। वही बीएलओ जो इन दिनों एसआईआर अभियान को लेकर कथित मानसिक दबाव के चलते चर्चा में हैं। दरअसल, उत्तर प्रदेश के तमाम जिलों में अभियान में लगे बीएलओ की मौतों के बाद दबाव कम करने की कवायद की जा रही है। इसी के तहत काम के साथ इंज्वाय को शामिल करने की योजनाएं लायीं जा रहीं है, जैसा कि कॉर्पोरेट कल्चर का एक उद्देश्य है। यानि एक ऐसा माहौल बनाया जाए जहां कर्मचारी सहज महसूस करें और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें।

इसी कड़ी में बीते दिनों केन्द्रीय चुनाव आयोग ने जहां बीएलओ का परिश्रमिक बढ़ाया और उन्हें एक सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया वहीं जिला प्रशासन स्तर भी एसआईआर में लगे बीएलओ में उत्साह भरने को लुभावने ऑफर्स की बौछार लगा दी गई है। इन ऑफर्स में किसी जिले का प्रशासन बीएलओ में उत्साह भरने को कंसर्ट का टिकट दे रहा है तो कहीं उन्हें फाइव स्टार होटल में विद फेमली दो दिन और दो रात टिकने का पैकेज दिया जा रहा है। इस कड़ी में फिल्म का टिकट, फेमली टूर और कैश इनाम से लेकर डिनर तक का प्रस्ताव है।

> एक तो बीएलओ प्रेशर में न आएं दूसरा ऐसे वोटर्स भी बीएलओ का तनाव कम करें जिन्होंने अभी तक अपना गणना प्रपत्र उन्हें उपलब्ध नहीं कराया है। वे अंतिम तारीख का इंतजार किए बगैर अतिशीघ्र भरा हुआ गणना प्रपत्र अपने-अपने बीएलओ को सौंप दें।
>
> -नवदीप रिणवा
> मुख्य निर्वाचन अधिकारी

उदाहरण के तौर पर मथुरा जिले में जब पाया गया कि एसआईआर अभियान में जिला पिछड़ रहा है तो वहां बीएलओ को विशेष आफर दिया गया है। वहां एसआईआर में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर बीएलओ को प्रशस्ति पत्र के साथ सपरिवार बांके बिहारी के वीआईपी दर्शन कराया जाएगा। इसके साथ ही उन्हें सपरिवार स्पेशल लंच व मूवी टिकट भी दिए जाएंगे।

इसी तरह गाजियाबाद जिले में अभियान के तहत काम कर रहे सुपरवाइजर और बीएलओ के लिए बंपर इनामों की घोषणा की गई है। प्रशासन ने तय किया है कि जो कर्मचारी फॉर्म वितरण और डिजिटाइजेशन का काम सबसे पहले और समय से पूरा करेंगे, उन्हें न सिर्फ नकद राशि मिलेगी, बल्कि उन्हें सपरिवार के साथ शहर के नामचीन लग्जरी होटलों में रहने और लुत्फ भी उठाने को मिलेगा।

रामपुर जिले का भी एक उदाहरण देखिए- वहां बेहतर काम करने वाले दस बीएलओ को जिला प्रशासन ने सम्मानित किया। डीएम ने न केवल इन बीएलओ को अपने आवास पर आमंत्रित कर सम्मानित किया, बल्कि उन्हें भोजन भी कराया। सम्मान पाकर बीएलओ उत्साहित नजर आए। ऐसा ही बांदा जिले में प्रशासन ने किया जहां बीते दिनों 90 प्रतिशत काम पूरा करने वाले दर्जनों बीएलओ प्रशस्ति-पत्र और शॉल ओढ़ा कर सम्मानित किया गया। हालांकि इस तरह प्रोत्साहित करने के अलावा निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले कर्मियों को पर कार्रवाई भी की गई है।

बहरहाल, इस तरह के देशव्यापी सरकारी मिशन को अंजाम तक पहुंचाने के लिए एक ऐसा कार्य वातावरण तैयार करने की पहल सुखद संकेत है, जहां कर्मचारियों के मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाए। बीएलओ प्रोत्साहित करने की ताजा कवायद सरकारी वर्क कल्चर में बदलाव की दस्तक है।

पंचायत चुनाव से पहले अनुपूरक बजट लाने की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 15 से शुरू हो सकता है यूपी विधानमंडल का शीतकालीन सत्र

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 15 दिसंबर से शुरू होने की संभावना है। पंचायत चुनाव से पहले अनुपूरक बजट, अध्यादेशों पर विधेयक, ग्रामीण विकास को लेकर घोषणाएँ और संभल हिंसा रिपोर्ट जैसे विषयों को देखते हुए शीतकालीन सत्र भले ही छोटा हो, लेकिन राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टि से बेहद अहम रहने वाला है।

सरकार ने सत्र की तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। इस बार सत्र की अवधि सीमित रहने की उम्मीद है। पिछले वर्ष भी शीतकालीन सत्र केवल चार दिनों तक चला था। आगामी पंचायत चुनाव को देखते हुए सरकार इस सत्र में अनुपूरक बजट पेश करने की तैयारी में है।

कार्यालय नगर निगम, अल्मोड़ा

पत्रांक : 1521/30-1/नि०नि० 2025-2026/ दिनांक: 01 दिसम्बर, 2025

कोटेशन सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम अल्मोड़ा क्षेत्रान्तर्गत बन्ध्याकरण हेतु बंदरों को पकड़कर वन विभाग के रेस्क्यू सेन्टर तक पहुंचाये जाने हेतु इच्छुक फर्मों/व्यक्तियों के कोटेशन आमन्त्रित किये जाते हैं। कोटेशन की शर्तें एवं विस्तृत जानकारी दिनांक 02.12.2025 से 17.12.2025 तक कार्यालय नगर निगम अल्मोड़ा के वन अनुभाग से तक प्राप्त की जा सकती है। कोटेशनदाताओं द्वारा निर्धारित प्रारूप में आवश्यक दस्तावेजों सहित कोटेशन दिनांक 18.12.2025 को अपरान्ह 1:00 बजे तक कार्यालय नगर निगम अल्मोड़ा में प्रस्तुत किये जा सकेंगे। निर्धारित तिथि व समय के उपरान्त प्राप्त होने वाले कोटेशनों पर विचार नही किया जायेगा। प्राप्त कोटेशन तद्दिनांक को अपराह्न 2:00 बजे उपस्थित कोटेशनदाताओं व नगर आयुक्त नगर निगम अल्मोड़ा तथा मा० महापौर नगर निगम अल्मोड़ा द्वारा प्राधिकृत अधिकारियों के समक्ष के सम्मुख खोले जायेंगे। कोटेशन स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को निहित होगा।

नगर आयुक्त
नगर निगम, अल्मोड़ा

महापौर
नगर निगम, अल्मोड़ा

सपा ने मऊ के बीएलओ की भेजी शिकायत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

6 को सपा कार्यालय में होंगे कार्यक्रम

- सपा प्रमुख के निर्देशानुसार प्रदेश के समस्त जिला मुख्यालयों पर 6 दिसम्बर 2025 को भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। इस अवसर पर भारत के संविधान निर्माण में उनकी भूमिका एवं उनके आदर्शों पर चर्चा की जाएगी।

अमृत विचार : सपा ने मऊ विधानसभा में बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्रों को नियमों के विपरीत 'थर्ड ऑप्शन' मंज सबमिट किए जाने का गंभीर आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। इतना ही नहीं, मांग की है कि मऊ विधानसभा क्षेत्र में बीएलओ द्वारा सबमिट किए गए प्रपत्रों की जांच कराई जाए और गलत तरीके से सबमिट हुए गणना प्रपत्रों को तुरंत एडिट कराया जाए।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर सोमवार को प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को शिकायतों का ज्ञापन प्रेषित किया है। इसमें कहा गया है कि ज्यादातर मतदाताओं ने अपने गणना प्रपत्रों में 2003 में नाम दर्ज होने अथवा माता-पिता आदि का नाम दर्ज होने से संबंधित जानकारी सही-सही भरी थी, इसके बावजूद बीएलओ ने सभी प्रपत्रों को एकतरफा तरीके से 'थर्ड ऑप्शन' में सबमिट कर दिया। ज्ञापन में कहा गया कि गाज़ियाबाद, सीतापुर, विद्यार्थी नगर सहित अन्य विधानसभाओं में भी गणना प्रपत्रों के वितरण और संग्रह की प्रक्रिया को पारदर्शी एवं शत-प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए, ताकि एस.आई.आर प्रक्रिया निष्पक्ष और सही ढंग से संपन्न हो सके। साथ ही चेताया है कि यदि समय रहते सुधार नहीं कराया गया तो बड़ी संख्या में मतदाता सूची में त्रुटियाँ आने का खतरा है, जिससे मतदाताओं को भविष्य में मतदान के अधिकार के प्रयोग में असुविधा हो सकती है।

आईटी–इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर को 'डिजिटल ग्रोथ इंजन' बनाने पर मंथन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। प्रदेश को वर्ष 2047 तक विकसित राज्यों की श्रेणी में खड़ा करने के लिए योगी सरकार आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर को अपना प्रमुख आधार बना रही है। इसी दिशा में सोमवार को लखनऊ स्थित एक होटल आयोजित स्टेकहोल्डर कंसल्टेशन बैठक में प्रदेश सरकार व निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों ने भविष्य की डिजिटल रणनीति पर व्यापक चर्चा की।

मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था 2017 में 14 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2025 में 30 लाख करोड़ रुपये पर पहुँच चुकी है। सरकार का लक्ष्य है कि 2029 तक उत्तर प्रदेश 1 ट्रिलियन डॉलर और वर्ष 2047 तक 6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बने। प्रतिभागियों से अपील किया कि वह सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्टार्टअप और अन्य क्षेत्रों में प्रदेश सरकार और अधिक प्रभावी कदम उठा सके इससे संबंधित अपने सुझाव और फीडबैक साझा करें। अध्यक्षता करते हुए आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग यादव ने कहा कि विकसित भारत 2047 में उत्तर प्रदेश की भूमिका निर्णायक होगी। प्रदेश तेजी से टेक–ड्रिवन अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

अदाणी, अमूल, रेडिको समेत कई उद्योग समूह सम्मानित

बैंक ऑफ द इयर की ट्राफी देते औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बैंकिंग लीडरशिप समिट में यूपी की औद्योगिक विकास रूपरेखा पेश

अमृत विचार: औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी' ने सोमवार को होटल ताज में आयोजित 10वें बैंकिंग लीडरशिप समिट एंड अवार्ड्स 2025 में उत्तर प्रदेश की औद्योगिक विकास योजनाओं और भविष्य की रणनीति प्रस्तुत की। अदाणी, अमूल, रेडिको समेत कई उद्योग समूह सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम इंडियन इनवेस्टर्स फेडरेशन द्वारा आयोजित किया गया। समारोह में बैंकिंग और उद्योग क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थानों और अधिकारियों को सम्मानित किया गया। उद्योग श्रेणी में अदाणी ग्रुप, रेडिको ग्रुप, अमूल, मानसिंह गोयल ग्रुप, नवभारत डिफेंस सिस्टम सहित कई कंपनियों को अवॉर्ड दिया गया। बैंकिंग श्रेणी में कैनरा बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, एसबीआई, इंडियन बैंक, सेंट्रल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और पंजाब नेशनल बैंक को विभिन्न सम्मान मिले। मंत्री नन्दी ने कहा कि उत्तर प्रदेश उच्च दक्षता और भरोसे पर आधारित औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रहा है।

प्रोसेस्ड कृषि उत्पादों से नई मार्केटिंग की संभावनाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में कृषि प्रसंस्करण आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नई ताकत बन कर उभरा है। योगी आदित्यनाथ सरकार किसानों को वैश्विक बाजार से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने पर निरंतर काम कर रही है। अब खेतों में पैदा होने वाला खाद्य उत्पाद सीधे देश-विदेश तक पहुंच रहा है। गांवों में एग्रो-प्रोसेस यूनिट, मिनी फूड पार्क और ओडीओपी आधारित प्रसंस्करण इकाइयों का तेजी से विस्तार हुआ है। आज देश के कुल कोल्ड स्टोरेज का 40 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में है।

खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अनुसार प्रदेश में करीब 75 हजार प्रसंस्करण इकाइयां सक्रिय हैं, जबकि नीति के तहत 428 नई इकाइयों का गठन किया जा चुका है। सरकार का लक्ष्य हर जिले में 1,000 से अधिक इकाइयां स्थापित करने का है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन और किसानों को उचित मूल्य सुनिश्चित हो सकेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं कृषि क्षेत्र की योजनाओं और प्रगति की समीक्षा करते रहते हैं। सरकार की प्रोत्साहन नीतियों के परिणामस्वरूप आज उत्तर प्रदेश का अन्नदाता सिर्फ खाद्यान्न उत्पादक नहीं बल्कि एक सफल उद्यमी के रूप में उभर रहा है। राज्य की अर्थव्यवस्था को 'वन ट्रिलियन डॉलर' बनाने के मिशन में कृषि और उससे जुड़े उद्योगों को अहम स्तंभ माना गया है। इसी उद्देश्य से डिजिटल कृषि नीति को तेजी से लागू किया जा रहा है, ताकि किसान आधुनिक तकनीक और डेटा-आधारित खेती के लाभ से वंचित न रहें।

2017 से पहले ग्रामीण क्षेत्रों में कोल्ड स्टोरेज की सुविधाएं सीमित थीं, लेकिन सरकार ने इस दिशा में बड़े सुधार किए। आज देश के कुल कोल्ड स्टोरेज का 40 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में है।

डिजिटल एग्रीकल्चर इकोसिस्टम से बढ़ रही किसानों की आमदनी

- प्रदेश में तैयार किए जा रहे एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बीज, उर्वरक, मौसम, सिंचाई, बीमा, बाजार भाव, लॉजिस्टिक और फसल से संबंधित सभी महत्वपूर्ण सूचनाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे किसान पहले से अधिक बेहतर योजना बनाकर खेती कर पा रहे हैं। डिजिटल कृषि परियोजना पर सरकार 4,000 करोड़ रुपये खर्च कर रही है, जिसका लक्ष्य कृषि उत्पादन को तकनीक से पूरी तरह जोड़ना है।

दलाली को रोक रहा कृषि मंडियों का डिजिटलीकरण

- पहले उत्तर प्रदेश की मंडियां पुराने ढर्रे पर चलती थीं, जहां तकनीक का अभाव था। पारदर्शिता न होने के कारण किसानों को उचित मूल्य नहीं मिल पाता था। योगी सरकार ने मंडियों के डिजिटलीकरण पर जोर देकर किसानों और खरीदारों के बीच सीधा एवं पारदर्शी मंच उपलब्ध कराया। अब मंडी भाव, मौसम और स्टॉक की सूचनाएं किसानों को समय पर मिलती हैं, जिससे उनकी आय में बढ़ोतरी दर्ज हुई है।

खेती को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने को कार्यक्रम किए जाएं

- **अमृत विचार, लखनऊ :** प्रदेश की योगी सरकार किसानों की आय बढ़ाने और औद्यानिक विकास को नई दिशा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है।उद्यान एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने औद्यानिक खेती को लाभकारी, टिकाऊ और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए व्यापक जनजागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उद्यान राज्यमंत्री ने सोमवार को बताया कि में विभाग के 50 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इसके उपलक्ष्य में 3 दिसंबर को गोरखपुर के योगीराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में गोरखपुर एवं बस्ती मंडल की संयुक्त औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी होगी। उन्होंने बताया कि गोष्ठी का उद्देश्य किसानों, बागवानों, घरेलू निर्यातकों एवं कृषि उद्यमियों को आधुनिक तकनीकों, राज्य सरकार की योजनाओं और वैश्विक बाजार की संभावनाओं से अवगत कराना है। कार्यक्रम में 'रूफ टॉप गार्डनिंग' विषय रखा गया है। जिसके अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में छतों पर फल-सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने, शहरों में हरियाली बढ़ाने और लोगों को ताजी सब्जियां घर पर ही उपलब्ध कराने के उपायों पर चर्चा होगी। दूसरा विषय कम क्षेत्रफल में अधिक मूल्य वाली औद्यानिक फसलें है। इसके विषय विशेषज्ञ किसानों को औषधीय पौधों, मसालों, फूलों और उच्च मूल्य वाली अन्य फसलों की तकनीकी खेती और बाजार उपलब्धता के बारे में मार्गदर्शन करेंगे।

सूचना

सूचित हो कि मैं प्रियंका पुत्री शिव शंकर निवासी ग्राम लालपुर परगना अमसिन पोस्ट लालपुर तहसील जनपद अयोध्या, मेरा डी0 एल0 एड0 प्रथम सेमेस्टर अनुक्रमांक 1815902 695 वर्ष 2019 का अंकपत्र वास्तव में कही खो गया है।

सूचना

मैने अपना नाम MIRZA ANWAR ALI BEIG से बदलकर ANWAR ALI BEIG रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S-0-LATE MIRZA QAMAR ALI BEG ADD-542-PN250C KISHORE VIHAR CAMPWELL ROAD POST-CHOWK DIST-LUCKNOW

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं MOHD NAIEEM से MOHD NAIM रख लिया है अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना वह पहचान जाए। S /O MO HABEEB, निवासी कटरा रोशनलाल दरियाबाद, जिला–बाराबंकी का रहने वाला हूं

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD AJAD से बदलकर MD AJAD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MOHAMMAD IRFAN ADD-268/523/34 GULZAR NAGAR VTC:- AISHBAG, DIST-LUCKNOW-226004(U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम ABDUL RAHMAN MOHAMMAD RABBANI से बदलकर ABDUL RAHMAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। ADD-10 SUKKHAPURWA COLONEL GANJ, DIST-GONDA-271502 (U.P.)

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम RAJESH KUMAR SINGH था से बदलकर RAJESH SINGH रख लिया है। अब मुझे RAJESH SINGH के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-LURKHUR SINGH ADD-VILL-MAHUWAR BASGITIYA POST-KASARA, DIST-MAU-275102 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम VISNU JAYSWAL से बदलकर VISHNU JAISWAL रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0- RAM KRISHNA JAISWAL ADD- RASDA JANAPUR, PO-JANAPUR VTC :-JANA SUB DISTRICT -BIKAPUR DIST-FAIZABAD-224171-(U.P.)

दो मिलावट खोरों के खिलाफ एफआईआर 29 लाख रुपये की खाद्य सामग्री जब्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 8.70 लाख की सामग्री का नष्टीकरण, कई प्रतिष्ठान सील
- संबंधित प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए गए
- पुनः निरीक्षण करने के लिए चेताया भी गया

अमृत विचार : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा प्रदेशभर में मिलावटखोरी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान दो एफआईआर पंजीकृत की गईं। टीमों ने लगभग 29 लाख रुपये कीमत की 794.44 कुंतल खाद्य सामग्री जब्त की है। वहीं मिलावट एवं खराब परिस्थितियों में निर्माण पाए जाने पर लगभग 8.70 लाख रुपये कीकत की करीब 106 कुंतल सामग्री का नष्टीकरण किया गया। संबंधित प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए गए हैं और पुनः निरीक्षण करने के लिए चेताया भी गया।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की आयुक्त डॉ.रोशन जैकब ने सोमवार को बताया कि अभियान के अंतर्गत विभिन्न जिलों में दूध, पनीर, घी, अंडा, बूंदी, खोया, तेल, आटा सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की व्यापक जांच की गई। जांच के दौरान ने नमूना संग्रहण, जब्तीकरण एवं नष्टीकरण की कार्रवाई की गई हैं। जनपदवार कार्रवाई में उन्होंने बताया कि अलीगढ़ में इदरीश खान डेयरी, हनीक खान डेयरी, रमेश चंद्र डेयरी एवं कुलदीप डेयरी से कुल 9 नमूने एकत्र किए गए तथा संबंधित प्रतिष्ठानों का संचालन अस्थायी रूप से बंद कराया गया। गाजियाबाद में टीमों ने कुल 12 नमूने संग्रहीत किए तथा संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई। इसी प्रकार मुरादाबाद में अल्ला खां के अंडा गोदाम पर छापेमारी कर चार नमूने लिए गए और गोदाम का संचालन बंद कराया गया। कानपुर नगर में लीला डेयरी चिलिंग सेंटर से सात नमूने लिए गए और मिलावटखोरी की पुष्टि पर एफआईआर दर्ज की गई।

डॉ.रोशन जैकब ने बताया कि फिरोजाबाद में ब्रम्हलाल ट्रेडर्स से छह नमूने एकत्र किए गए। कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है। बस्ती में गौरव डेयरी से 12 नमूने लिए गए तथा संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। उन्होंने स्पष्ट किया है कि मिलावटखोरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी तथा जनहित में खाद्य सुरक्षा को लेकर शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जाएगी।

उत्तर प्रदेश सरकार
लोक निर्माण विभाग

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
Office of Executive Engineer
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, श्रावस्ती
Provincial Division, P.W.D., Shrawasti

पुलिस लाइन, भिनगा–श्रावस्ती–271831
Police Line, Bhinga-Shrawasti
Phone No. 05250-222961
E-Mail: pdpwdswt2012@gmail.com

पत्रांक : 3144 /ई–टेण्डर/2025–26 दिनांक : 20–11–2025

अल्प कालीन ई–निविदा सूचना

1. अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, श्रावस्ती द्वारा महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग में 'ए', 'बी', 'सी' एवं 'डी' श्रेणी (मार्ग कार्य) के पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से जनपद श्रावस्ती के निम्न वर्णन के अनुसार मार्ग मरम्मत हेतु कार्य की निविदा प्रतिशत दरो के आधार पर आमंत्रित की जाती है।

क0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	कार्य की लागत (रू0 लाख में)	बिड सिक्योरिटी (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (समस्त करों सहित रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
		विधानसभा क्षेत्र–भिनगा				
1	श्रावस्ती	वित्तीय वर्ष 2025–26 में विन्डोहवा सम्पर्क मार्ग के कि0मी0–1 में विशेष मरम्मत का कार्य।	13.57	1.36	945.00	02 माह
2	श्रावस्ती	वित्तीय वर्ष 2025–26 में बेचईपुरवा ककराघाट कि0मी0–18 से पड़री सम्पर्क मार्ग के कि0मी0–1(550) में विशेष मरम्मत का कार्य।	28.32	2.84	945.00	02 माह

2. ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदायें प्रकाशित होने की तिथि :– दिनांक 05–12–2025 से पूर्व।
3. बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता एवं बिड–सबमिट करने का माध्यम–
   (क) बिड डाक्यूमेन्ट आन–लाइन दिनांक 05–12–2025 से 20–12–2025 तक उपलब्ध रहेगी, जो आन–लाइन http://etender.up.nic.in पर ही सबमिट किया जायेगा।
   (ख) निविदा डालने हेतु निविदादाता को उपरोक्त वेब–साइट पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। निविदायें आन–लाइन डालने हेतु निविदादाता के पास किसी डिजिटेल सिग्नेचर सार्टिफिकेट सर्टिफाइंग अथोरिटी द्वारा जारी डिजिटेल सिग्नेचर सार्टिफिकेट होना अनिवार्य है।
   (ग) ई–प्रोक्योरमेण्ट के माध्यम से निविदायें डालने की अन्तिम तिथि 20–12–2025 पूर्वान्ह 12.00 बजे तक एवं टेकनिकल क्वालिफिकेशन पार्ट–1 दिनांक 20–12–2025 अपराह्न 12.30 बजे से कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, श्रावस्ती में खोला जायेगा। विस्तृत विवरण http://etender.up.nic.in देखा जा सकता है।
   (घ) निविदादाता को निविदा प्रपत्र मूल्य एवं बिड सिक्योरिटी धनराशि up e-tender portal पर इन्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से आन लाइन जमा करना होगा।
   (ड़) शासनादेश संख्या 14/2020/879/तेइस–7–2020–176(सा0)/06 दिनांक 25–08–2020 में दिये गये दिशा–निर्देशों के अनुसार निविदा सम्बन्धी समस्त कार्यवाही प्रहरी के माध्यम से की जायेगी।

UP – 241656 दिनांक: 28/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(कीर्ति प्रभाकर मिश्र)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
श्रावस्ती

सम्भागीय कार्यालय उप निदेशक (निर्माण)
राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, उ0प्र0
नवीन मण्डी स्थल स्थल उतरौला रोड, देवीपाटन (गोण्डा)

पत्रांक :–नि0–देवी0(गोण्डा) / (निविदा प0) / 2025 – 657 दिनांक–01–12–2025

ई–प्रोक्यूरमेंट अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

इस कार्यालय के पत्रांक–नि0–देवी0 (गोण्डा) / (निविदा प0)/2025–461 दिनांक: 25.09.2025, पत्रांक:–542 दिनांक–17.10.2025, पत्रांक–591 दिनांक:–04.11.25 पत्रांक:–642 दिनांक:–19.11.2025 एवं पत्रांक–551 दिनांक:–25.10.2025 एवं पत्रांक–615 दिनांक–14.11.2025 के द्वारा जनपद बहराइच के अन्तर्गत गड्ढामुक्तिकरण योजनान्तर्गत सम्पर्क मार्गो के मरम्मत / अनुरक्षण कार्य (05 वर्षीय अनुरक्षण सहित) हेतु मण्डी परिषद में पंजीकृत एवं वित्तीय रूप से सुदृढ़ ठेकेदारों/फर्मों से अलग–अगल तकनीकी एवं वित्तीय बिड ई–टेण्डरिंग के माध्यम से आमंत्रित की गयी थी, आमंत्रित निविदा में कोई भी निविदा प्राप्त न होने / वैध निविदा प्राप्त न होने के कारण पुनः दिनांक: 10.12.2025 को आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित नियम एवं शर्ते निविदादाता कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में एवं वेबसाइड https://etender.up.nic.in पर जानकारी प्राप्त कर सकते है। ई–निविदा के माध्यम से आनलाइन निविदा वेबसाइड https:// etender.up.nic.in पर दिनॉक–02.12.2025 को प्रातः 10.00 बजे से दिनांक: 09.12.2025 की सांय 5.00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है। कार्यो की तकनीकी बिड दिनांक: 10.12.2025 को दोपहर 12.00 बजे से अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में खोली जायेगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	मरम्मत /05 वर्षीय अनुरक्षण सहित कार्य की कुल लागत रू0लाख में	निविदा शुल्क (जी0एस0टी0 सहित)	धरोहर धनराशि (रू0लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	पंजीकृत ठेकेदारो की श्रेणी
	मण्डी समिति पयागपुर के क्षेत्रान्तर्गत					
1	सम्पर्क मार्ग बहराइच गोण्डा रोड से लाला तेलियनपुरवा से गोदवरा तक मरम्मत कार्य। (ल0–2.00 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077465_4)	33.46	6018.00	3.35	04 माह	'द'
	मण्डी समिति, मिहींपुरवा के क्षेत्रान्तर्गत					
2	सम्पर्क मार्ग लखैया तक का मरम्मत कार्य। (ल0–3.00 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077471_4)	54.50	9676.00	4.75	04 माह	'द'
3	सम्पर्क मार्ग गूढ़ झाला पिच रोड से भोला कुण्डा तक मरम्मत कार्य। (ल0–1.50 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077477_4)	25.12	4484.00	2.52	04 माह	'द'
4	संद्दमार्ग गंगापुर मण्डी से अमृतपाल कॉटा गूढ़ चौराहा से सुजौली तक मरम्मत कार्य। (ल0–2.50 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077479_4)	67.71	12036.00	5.40	04 माह	'द'

नोट :–
1. निविदादाता निविदा शुल्क की धनराशि का मूल्य (जी0एस0टी0 सहित) उपनिदेशक (निर्माण) के खाता भारतीय स्टेट बैंक की शाखा (नवीन फल एवं सब्जी मण्डी स्थल) गोण्डा के खाता संख्या 30394521872 आई0एफ0एस0सी0 कोड संख्या SBIN0014612 जो उप निदेशक (निर्माण) के नाम नेफ्ट / आर0टी0जी0एस0 कराना होगा। निविदा शुल्क की धनराशि नान रिफन्डेबल है, एवं धरोहर धनराशि जमानत खाता संख्या 30394522015 आई0एफ0एस0सी0 कोड संख्या SBIN0014612 जो उप निदेशक (निर्माण) के नाम नेफ्ट / आर0टी0जी0एस0 कराना होगा, जिसका बैंक से सत्यापित निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि का यू0टी0आर0 नम्बर निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगा। 2. निविदा से सम्बन्धित सभी नियम एवं शर्ते तथा अन्य विवरण आनलाइन निविदा वेबसाइड https://etender.up. nic पद से डाउनलोड की जा सकती है। 3. लोक निर्माण विभाग के पत्र संख्या 3689 सी – UPRML / मूल / 2023 दिनांक 17.02.2024 के अनुसार सम्पर्क मार्ग के कार्यो में 05 वर्षीय अनुरक्षण हेतु भुगतान प्रकिया का पालन किया जायेगा। 4. उपरोक्त सम्पर्क मार्गो के कम सं0–2, 3, एवं 4 पर प्रीमिक्सिंग / सीलकोट का कार्य हाट – मिक्स पद्धति से तथा क्रम सं0–1 पर प्रीमिक्सिंग एवं सीलकोट का कार्य मिक्साल से कराया जायेगा। 5– शेष नियम एवं शर्ते यथावत् रहेंगी।।

उपनिदेशक (निर्माण)
मण्डी परिषद, देवीपाटन (गोण्डा)

न्यूज ब्रीफ

गैंगस्टर एक्ट में दो वांछित गिरफ्तार

बाराबंकी, अमृत विचार : थाना जैदपुर पुलिस टीम द्वारा गैंगस्टर एक्ट में वांछित 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम द्वारा मैनुअल इंटेलीजेन्स के आधार पर गैंगस्टर एक्ट में वांछित अनवर अली पुत्र अदालत निवासी धौरहरा उर्फ धरमपुर बढ़नी थाना भवानीगंज जनपद सिद्धार्थनगर हालपता अनवार कला थाना बीबीडी लखनऊ व अमित रावत पुत्र सरवन निवासी गोठिया थाना जैदपुर को तेजवापुर नहर के पास से गिरफ्तार किया गया।

एसिड फेंकने की धमकी के आरोपी को जेल

ऊंचाहार, रायबरेली : कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की महिला की शिकायत पर पुलिस ने छेड़छाड़ के आरोपी को जेल भेज दिया। महिला ने शिकायत की थी कि उसकी बेटी कक्षा दस की छात्रा है। रास्ते में आते जाते गांव का एक युवक छेड़छाड़ करता था। पूर्व में पुलिस से मामले की शिकायत की गई थी, लेकिन पुलिस ने महज शांतिभंग में आरोपी का चालान किया था। जिसके बाद वो मनबढ़ हो गया और उसने फिर से छात्रा को परेशान करने लगा। इसी बीच आरोपी ने छात्रा पर एसिड फेंकने की धमकी दी। रविवार को महिला ने कोतवाली में मामले की तहरीर दी थी।

रेलवे क्रॉसिंग बंद होने से लगा भीषण जाम

रामनगर, बाराबंकी : सोमवार शाम केसरीपुर रेलवे क्रॉसिंग पर गेट बंद करके मालगाड़ी से नई रेलवे लाइन पर गिट्टी डालने के दौरान लगभग 1 घंटे तक आवागमन बाधित रहा। इससे क्रॉसिंग के दोनों ओर लंबी वाहनों की कतारें लग गईं और लोग परेशान हुए। रेलवे पटरी के चौड़ीकरण के कार्य के चलते यह बाधा उत्पन्न हुई।

ओटीएस को लेकर उत्साह उमड़ी भीड़, लाखों वसूले

जिले भर में लगाए गए शिविर, आला अफसरों ने किया भ्रमण

- दस लाख रुपये से अधिक की हुई वसूली, अधिकारी उत्साहित

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

कैंप का निरीक्षण करतीं अधीक्षण अभियंता राजबाला। अमृत विचार

अमृत विचार: एकमुश्त समाधान व बिजली बिल राहत योजना के प्रति सोमवार बकायेदार उपभोक्ताओं ने खासी दिलचस्पी दिखाई। सोमवार से शुरु इस विशेष अभियान के पहले ही दिन जिला मुख्यालय समेत रामसनेहीघाट, रामनगर, मसौली और देवा व अन्य उपखंडों में लगे कैंपों पर बड़ी संख्या में उपभोक्ता पहुंचे। विभागीय अफसरों ने स्वयं कैंपों का निरीक्षण किया और उपभोक्ताओं की समस्याओं का मौके पर निस्तारण कराया। कई स्थानों पर नेटवर्क बाधा के बावजूद उपभोक्ताओं का उत्साह कम नहीं हुआ। पहले ही दिन दस लाख से अधिक की वसूली हुई।

रामसनेहीघाट में वितरण खंड में पहले दिन 20 शिविरों पर भारी भीड़ रही। 70 उपभोक्ताओं के पंजीकरण के साथ विभाग ने 5 लाख रुपये से अधिक की वसूली की। दिसंबर में पंजीकरण कराने वालों को सरचार्ज पूरी तरह माफ किया जा रहा है, जबकि बकाये के मूल धन पर 25% छूट मिलेगी।

खंड में 1.10 लाख उपभोक्ताओं पर 60 करोड़ का बकाया है, जिसे देखते हुए अभियान मिशन मोड में चलाया जा रहा है। अधिशासी अभियंता विमलेश ने कहा कि विभाग उपभोक्ताओं के प्रति संवेदनशील है। हमारा लक्ष्य सिर्फ वसूली नहीं, बल्कि हर उपभोक्ता को राहत देना है। ये योजना उनके लिए बड़ा अवसर है। हर एक व्यक्ति की समस्या सुनकर मौके पर समाधान किया जा रहा है। रामनगर में सोमवार को कादिराबाद मोहल्ले में लगे कैंप में उपभोक्ताओं ने 70 हजार रुपये जमा किए और 18 ओटीएस आवेदन किए। पावर कारपोरेशन के तकनीकी डायरेक्टर हरीश बंसल ने कैंप का निरीक्षण किया। उपभोक्ताओं ने हर महीने मीटर रीडिंग न होने व गलत बिल आने की समस्या प्रमुखता से उठाई, जिस पर एसडीओ संजय कुमार ने आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मसौली क्षेत्र में मध्यांचल विद्युत वितरण निगम की एसई राजबाला ने कैंपों का निरीक्षण किया और गति बढ़ाने के निर्देश दिए। नेटवर्क समस्या के कारण दोपहर 2 बजे तक काम बाधित रहा, लेकिन बाद में सामान्य होने पर सीएससी केंद्रों पर भीड़ उमड़ पड़ी। बड़ागांव केंद्र पर 65 पंजीकरण हुए और कुल 5.90 लाख रुपये की जमा राशि प्राप्त हुई।

देवा उपखंड क्षेत्र में कुल आठ स्थानों पर समाधान कैंप लगाए गए। लगभग 44,600 पंजीकृत उपभोक्ताओं पर करीब 20 करोड़ रुपये का बकाया है। पहले ही दिन 350 से अधिक उपभोक्ताओं ने पंजीकरण कराकर योजना में रुचि दिखाई। लोगों ने काफी बढ़-चढ़कर इसमें भाग लिया। एसडीओ महेंद्र कुमार ने कमर्शियल और घरेलू उपभोक्ताओं को मिल रही व्यापक छूट की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों से योजना का लाभ उठाने की अपील की।

युवक हुआ लापता गुमशुदगी दर्ज

रामसनेहीघाट, बाराबंकी: दरियाबाद थाना क्षेत्र के अकबरपुर गांव का एक 20 वर्षीय युवक शुक्रवार शाम से लापता हो गया। जानकारी के अनुसार अकबरपुर निवासी शकील वाल्मीकि का 20 साल का पुत्र रितिक 29 नवंबर की शाम गांव दनापुर क्यामपुर में एक विवाह समारोह में जाने की बात कहकर घर से निकला था। परिजनों के अनुसार रितिक देर रात तक वापस नहीं लौटा, जिसके बाद परिजनों ने आसपास के क्षेत्रों में उसकी काफी खोजबीन की। युवक के पिता शकील वाल्मीकि ने बताया कि रितिक का मोबाइल भी बंद आ रहा है। पुलिस ने युवक की गुमशुदगी दर्ज कर ली है।

बाराबंकी को जेडएफडी मॉडल बनाने पर जोर

बाराबंकी, अमृत विचार: पुलिस उपमहानिरीक्षक यातायात एवं सड़क सुरक्षा ने क्रिटिकल कारिडोर टीम व जनपदीय स्टेक होल्डर्स के साथ समीक्षा गोष्ठी की। इस दौरान बाराबंकी को जीरो फैटेलिटी डिस्ट्रिक्ट माडल के रूप में स्थापित करने पर जोर दिया गया। रिजर्व पुलिस लाइन्स के सभागार में बैठक के दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक अरविन्द कुमार मौर्य द्वारा द्वारा ब्लैक स्पॉट चिह्नीकरण और सुधार, जन जागरूकता अभियान, यातायात उपकरणों की समीक्षा, प्रवर्तन कार्रवाई जैसे ओवरस्पीडिंग, नशे में ड्राइविंग, और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई करने, बुनियादी ढांचे में सुधार जैसे सड़कों पर चेतावनी संकेतों, रोड मार्किंग, और आवश्यकतानुसार स्पीड ब्रेकर की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई तथा सभी स्टेक होल्डर्स एवं सीसी टीमों को सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और जनपद को सुरक्षित बनाने में सक्रिय रहकर समन्वित रूप से कार्य करने के दिशा निर्देश दिये गये। गोष्ठी का उद्देश्य सड़क दुर्घटना से होने वाली मृत्यु दर में शत-प्रतिशत कमी लाना है। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी व दक्षिणी, क्षेत्राधिकारी यातायात एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक करते पुलिस उपमहानिरीक्षक यातायात एवं सड़क सुरक्षा। अमृत विचार

एडीएम का किया गया स्वागत। अमृत विचार

करियर गाइडेंस कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अवसर

बाराबंकी, अमृत विचार : राजकीय जिला पुस्तकालय में सोमवार को कॅरियर गाइडेंस फॉर गर्ल्स 'पंख' कार्यक्रम के तहत राजकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं नोडल शिक्षकों के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि एडीएम निरंकार सिंह का स्वागत डीआईओएस ओपी त्रिपाठी व पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. पूनम सिंह ने बुके भेंट कर किया। स्वागत उद्बोधन डीआईओएस एवं वित्त एवं लेखाधिकारी, समग्र शिक्षा, संतोष कुमार मौर्य ने दिया। मुख्य अतिथि ने कहा वर्तमान समय में संचालित करियर गाइडेंस कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अवसर है। डीआईओएस ने कहा कार्यक्रम विद्यार्थियों को उनके भविष्य के लिए एक निर्णायक दिशा दे सकता है। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. पूनम सिंह ने मुख्य अतिथि का आभार जताया। संचालन मास्टर ट्रेनर दीपमाला वर्मा, राजकीय हाई स्कूल मित्तई के प्रधानाध्यापक विनोद कुमार सिंह, नूर मोहम्मद इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं अखिलेन्द्र सिंह, जिला समन्वयक समग्र शिक्षा ने चार सत्रों में किया। कार्यक्रम का सफल संचालन नेशनल इंटर कॉलेज फतेहपुर के प्रवक्ता आशीष पाठक द्वारा किया गया।

बाराबंकी पहुंची दिल्ली पुलिस, युवक को ले गई

बाराबंकी, अमृत विचार: साइबर ठगी के एक मामले में दिल्ली पुलिस की टीम फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र से एक संदिग्ध को अपने साथ ले गई। यह कार्रवाई सोमवार को हुई। पुलिस की रडार पर कई अन्य चेहरे हैं। जानकारी के अनुसार दिल्ली पुलिस की टीम सोमवार को क्षेत्र के मैदासपुर गांव पहुंची और यहां पर जनार्दन पुत्र हरिशंकर वर्मा को हिरासत मे ले लिया। टीम इसे लेकर लखनऊ चली गई। बताया जा रहा कि मामला साइबर ठगी से जुड़ा है और प्रकरण के संदिग्ध बाराबंकी के फतेहपुर क्षेत्र के रहने वाले हैं।

सूत्रों के अनुसार इस गांव व आस पास के कई चेहरे साइबर ठगी की घटनाओं में लिप्त हैं। इनकी संलिप्तता उजागर होने के बाद पुलिस टीम सक्रिय हुई है। पुलिस पकड़े गए युवक से पूछताछ कर रही है, अभी और भी चेहरे दबोचे जा सकते हैं। क्षेत्राधिकारी फतेहपुर जगतराम कनौजिया ने बताया कि साइबर ठगी का मामला है, उसी को लेकर पुलिस कार्रवाई कर रही है।

बच्चों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

जनपद स्तरीय दो दिवसीय प्रतियोगिता के विजयी छात्र। अमृत विचार

अमृत विचार: जनपद स्तरीय दो दिवसीय बाल क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक स्पर्धा के पहले दिन केडी सिंह बाबू स्टेडियम बच्चों की ऊर्जा और प्रतिभा से गूंज उठा। प्राथमिक विद्यालयों के बालक-बालिकाओं ने एथलेटिक्स, कुश्ती और शतरंज में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जलवा बिखेरा। जिला व्यायाम शिक्षिका रितु पाठक ने बताया एथलेटिक्स में बालक वर्ग के 50, 100, 200 और 400 मीटर दौड़ में क्रमशः अभिजीत, गोलू यादव, मो. जफर और आशु यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं बालिका वर्ग में 50 व 100 मीटर दौड़ में हरख की तृप्ति, 200 मीटर में सिद्धौर की काव्या तथा 400 मीटर में त्रिवेदीगंज की मुस्कान विजेता रहीं। लंबी कूद में बालक वर्ग में पूरेडलई के साहिल और बालिका वर्ग में त्रिवेदीगंज की खुशी ने प्रथम स्थान हासिल किया। कुश्ती में भी पूरेडलई क्षेत्र का दबदबा रहा। बालिका वर्ग की छह भार वर्गों में प्रिया, निधि, मानवी, शिखा, शिवानी और निशा ने बाजी मारी। बालक वर्ग में साहिल, मनीष यादव, विवेक, आबिद अली, शादाब और मोहित विजेता रहे। शतरंज में बालक वर्ग से अनूप, राधे, हरिओम और अभि ने शानदार प्रदर्शन किया जबकि बालिका वर्ग में दिव्या, मीरा, शैल और सुहानी विजेता बनीं। प्रतियोगिता के दौरान मनीराम, सुनील कुमार गौड़, जैनेन्द्र कुमार आदि मौजूद रहे।

बारात देखने गए बालक की हत्या कर फेंका शव

संवाददाता, प्रतापगढ़

अमृत विचार : अंतू थाना क्षेत्र के चौबेपुर गांव के बाबू लाल वर्मा रविवार रात करीब आठ बजे अपने दोनों बेटों 10 साल के आर्यन, सात साल के यश और बड़े भाई उमेश के साथ करीब 300 मीटर दूर उल्ले के घर आई बारात देखने गए थे। रात करीब आठ बजे सभी लौट आए लेकिन यश फिर से बारात में चला गया। रात 10 बजे तक नहीं लौटा तो पिता उसे बुलाने चले गए। यश नहीं मिला तो बाबूलाल परिवार के अन्य सदस्यों के साथ उसकी तलाश करने लगे। सूचना पर पुलिस भी पहुंची लेकिन दो घंटे बाद लौट गई। सोमवार सुबह करीब 7 बजे बारात वाले स्थान से 200 मीटर दूर मिठाई लाल सरोज के बटाई पर लिए सरसों के खेत में वह घायल मिला। उसे तुरंत सीएचसी ले जाया गया लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही एसपी दीपक भूकर, एएसपी पश्चिमी वृजनंदन राय, सीओ सिटी आईपीएस प्रशांतराज हुड्डा, एसओ अंतू आनंदपाल सिंह मौके पर पहुंचे। परिजनों और गांव के लोगों से जानकारी लेने के बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं गांव में अवैध संबंध के चलते बच्चे की हत्या की चर्चा रही। बच्चे के माता-पिता एक दूसरे पर हत्या का आरोप लगाते रहे।

एसआईआर अभियान को लेकर किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

एसआईआर अभियान को लेकर लोगों को जागरूक करते मुकेश शर्मा। अमृत विचार

अमृत विचार: कुंडी खटकाओ अभियान एसआईआर के तहत पश्चिम विधानसभा के पश्चिम मंडल-3 के आलमनगर वार्ड के शक्ति केंद्र की पोलिंग मां भगवती स्कूल पारा की बूथ संख्या 46-50 में निवर्तमान महानगर अध्यक्ष/विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा पहुंचे।

इस मौके पर उन्होंने शक्ति केंद्र संयोजक बूथ प्रवासी, बूथ अध्यक्ष एवं बीएलए - 2 के साथ उपस्थित रहकर एसआईआर गणना फॉर्म की एवं अब तक के किए गए कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बचे हुए फॉर्मों को तीव्र गति से शत् प्रतिशत जल्द से जल्द भर कर जमा कराने के दिशा निर्देश दिए। जबकि मौजूद लोगों को एसआईआर अभियान की जानकारी प्रदान कर जागरूक किया एवं राष्ट्र निर्माण में सहभागिता करने हेतु प्रेरित किया गया। इस मौके पर निवर्तमान मंडल अध्यक्ष अरविंद मिश्रा, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष राजेश मिश्रा (राजन), पूर्व पार्षद नागेंद्र सिंह, महामंत्री अहिवरन सिंह, उपाध्यक्ष विवेक श्रीवास्तव, अमर राजपूत, देवेश मिश्रा, मंडल मंत्री ममता प्रजापति, दिव्यांश गोयल, सौरभ शर्मा, गिरीश निगम, अयोध्या प्रसाद, उमेश श्रीवास्तव, नरेंद्र तिवारी, सुधा श्रीवास्तव, बीना सोनी सहित कार्यकर्ता मौजूद थे।

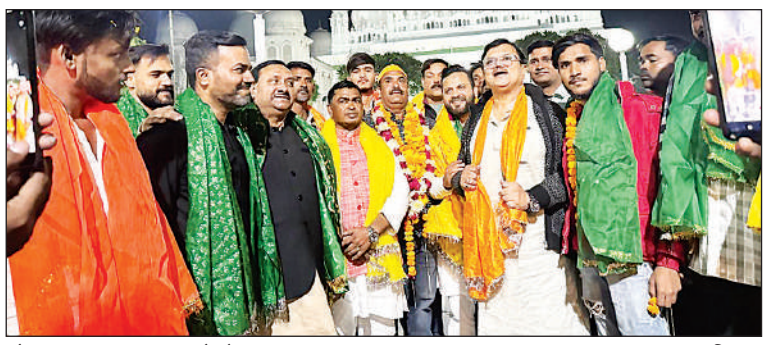

प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करते लोग। अमृत विचार

मो. शरीफ राईन बने प्रदेश अध्यक्ष, 270 वोटों से हुई जीत

देवा, बाराबंकी : विखं देवा की पवैयाबाद स्थित एक कोल्ड स्टोर परिसर में रविवार को ऑल इंडिया जमीयत राईन की राष्ट्रीय बैठक हुई। इस दौरान उप्र जमीयत राईन समाज के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चुनाव प्रक्रिया भी पूर्ण कराया गया जिसमें छह प्रत्याशियों ने दावेदारी पेश की। देर शाम तक शांतिपूर्ण ढंग से चली मतगणना के बाद परिणाम घोषित हुए। बाराबंकी के देवा कस्बे निवासी मो. शरीफ राईन ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी, बहराइच के भिनगा नपं अध्यक्ष इरफान राईन को 270 वोटों से पराजित कर प्रदेश अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। मो. शरीफ राईन की जीत पर ऑल इंडिया जमीयत राईन के संरक्षक हाजी असलम, राष्ट्रीय अध्यक्ष जीशान असलम, सोहेल अकरम, शोएब अकरम, बिहार प्रदेश राईन बिरादरी के अध्यक्ष डॉ. गयास, इस्लाम, इरशाद राईन, अनीश राईन, कोषाध्यक्ष फैसल असलम, पूर्व नपं अध्यक्ष साहबे आलम वारसी, शिबू कुरैशी, सभासद मो. रिजवान कुरेशी, समाजसेवी शहजादे आलम राईन आदि ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

आरपीएफ कस्टडी में हुई युवक की मौत का मामला

हाईकोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार से तलब की रिपोर्ट

गोंडा, अमृत विचार: आरपीएफ की कस्टडी में हुई युवक की मौत का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। मृतक के परिजनों ने आरोपी पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका पर हाईकोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकार से घटना का ब्योरा तलब किया है। अब 8 दिसंबर को मामले की सुनवाई होगी। मोतीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत किनकी गांव के रहने वाले संजय सोनकर की बीते 4 नवंबर को गोंडा रेलवे सुरक्षा बल के हिरासत में मौत हो गई थी। मामले में परिजनों ने आरपीएफ के दो उप निरीक्षकों सुरेंद्र कुमार व करण सिंह यादव तथा सिपाही अमित कुमार समेत कुछ अज्ञात सिपाहियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। मामले की जांच सीओ नगर आनंद राय कर रहे हैं लेकिन 25 दिन बीत जाने के बावजूद आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। गिरफ्तारी न होने से परिजन परेशान है और अब वह पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी को लेकर हाईकोर्ट पहुंचे हैं। मृतक के भाई राजू सोनकर ने की तरफ से दाखिल की गयी याचिका में उत्तर प्रदेश सरकार, भारत सरकार, उत्तर प्रदेश डीजीपी, गोंडा एसपी, गोंडा नगर कोतवाल और गोंडा रेलवे सुरक्षा बल के आरोपी तीनों पुलिस कर्मियों को पार्टी बनाया है।

बाराबंकी डायरी

बारूद भरा गोला फटा, बालक जख्मी

बाराबंकी, अमृत विचार : सतरिख थाना क्षेत्र में बारूद भरा गोला दगने से एक बालक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। बालक माचिस से गोला दगाने की कोशिश कर रहा था। उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया है। यह घटना थाना क्षेत्र के ग्राम तिंधवानी में सोमवार की दोपहर हुई। जानकारी के अनुसार रविवार को गांव के गंगाराम प्रजापति की बेटी की शादी को लेकर बारात आई थी। इस दौरान आतिशबाजी हुई और बेकार गए पटाखे एक किनारे छोड़ दिए गए। सोमवार की सुबह गांव का बालक सुमित 12 पुत्र श्रीराम एक गोला उठाकर घर ले गया। वह माचिस जला ही रहा था कि बारूद में धमाका हो गया। हादसे में बालक झुलस गया। परिजन उसे लेकर सीएचसी गए जहां इलाज जारी है।

किशोर ने फांसी लगा की आत्महत्या

बाराबंकी, अमृत विचार : शहर में एक शासकीय अधिवक्ता के किशोर पुत्र का शव घर के आंगन में लगे जाल से फांसी से लटका मिला। घटना की खबर फैलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के कारण का पता अभी नहीं चल सका है। जानकारी के अनुसार यह घटना शहर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत आवास विकास कालोनी में सोमवार पूर्वाह्न हुई। जिला न्यायालय में सहायक शासकीय अधिक्ता रमेश वर्मा मूल रूप से दरियाबाद थाना क्षेत्र के जेठौती कुर्मियान के रहने वाले हैं। उनके 16 वर्षीय पुत्र अनन्य ने घर के आंगन में जाल से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने यह दृश्य देखा तो हाहाकार मच गया। रोना पिटना सुन कर आस पड़ोस से लोग एकत्र हो गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अदालत पहुंची विवाहिता तब पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

सफदरगंज, बाराबंकी : दहेज उत्पीड़न के अलग-अलग केस में महिलाओं ने मारपीट व प्रताड़ना का आरोप लगाया है। एक केस में विवाहिता को कोर्ट की शरण लेनी पड़ी। चौखंडी निवासी श्रीकेशन की पुत्री शीला ने बताया कि उसका विवाह अयोध्या के ग्राम रसूलपुर निवासी रामसुरेश से हुआ था। आरोप है कि दहेज के लिए 21 अक्टूबर को उसे ससुराल पक्ष ने वाहन में बिठाकर पीटा और मायके के बाहर छोड़कर फरार हो गए। पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराने का प्रयास किया लेकिन सुनवाई नहीं हुई। एसपी स्तर पर भी कार्रवाई न होने पर वह विवश होकर कोर्ट पहुंची। उधर, ग्राम चमनशाह किठूरी निवासी अभिनव की पत्नी सोनाली ने बताया शादी के बाद चार पहिया वाहन की मांग की जाती रही। आरोप है कि चार माह पूर्व उसके पति को ससुराल पक्ष ने गायब कर दिया और उसे मारकर घर से निकाल दिया। तीन छोटे बच्चों के साथ महिला मायके में रहने को मजबूर है। उसने थाना सफदरगंज में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

अमेरिकी कंपनी कर्मी की संदिग्ध हालात में मौत, गड्ढे में मिला शव

निन्दूरा, बाराबंकी : अमेरिका की एक कंपनी में वर्क फ्राम होम काम करने वाले युवक का शव संदिग्ध दशा में सड़क किनारे गड्ढे में पड़ा मिला। पास ही बाइक भी खड़ी थी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कराई तो मृतक लखनऊ का रहने वाला निकला। सूचना मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार सोमवार की भोर लखनऊ महमूदाबाद मार्ग पर सड़क किनारे गड्ढे में एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। शव मिलने की जानकारी फैलते ही ग्रामीण एकत्र हो गए। शव के पास ही मृतक की बाइक स्टैंड पर खड़ी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तलाश ली तो जेब में मोबाइल मिला। जिसके जरिए परिजनों को सूचना दी गई। मृतक की पहचान अमित चौहान 34 पुत्र परशुराम निवासी मटियारी थाना चिनहट लखनऊ के रूप में हुई। मौके पर पहुंचे मृतक के बड़े भाई अरूण कुमार चौहान ने बताया कि उनका छोटा भाई अमित अमेरिका स्थित जेनपैक्ट ओरेकल पेरोल कंपनी में वर्क फार होम काम करता था।

पदोन्नति पर पुलिस अधीक्षक ने लगाए स्टार

बाराबंकी, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में नियुक्त उपनिरीक्षक (लिपिक) शिव प्रकाश पाण्डेय को निरीक्षक लिपिक के पद पर पदोन्नति होने पर स्टार लगाकर शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी सदर सौरभ श्रीवास्तव मौजूद रहे।

स्टार लगाते पुलिस अधीक्षक। अमृत विचार

अदालत में कपड़े और अभियुक्त का मोबाइल पेश

संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : कुशाग्र हत्याकांड में एडीजे 11 सुभाष सिंह की कोर्ट में सुनवाई जारी है। डीजीसी दिलीप अवस्थी ने बताया कि सोमवार को आईओ अखिलेश पाल की गवाही जारी रही। वहीं अदालत में कुशाग्र के कपड़े व अभियुक्त का मोबाइल पेश किया गया। भगवती विला के कैमरे की चिप चलाई गई। यही नहीं, चापड़ और रस्सी भी पेश की गई। समय कम होने के चलते मामले की सुनवाई आज यानी मंगलवार को भी होगी। इससे पहले की सुनवाई में घटनास्थल के वीडियो फुटेज चलाए गए, जिसमें दिखा कि किस तरह तीनों आरोपियों ने कुशाग्र की हत्या का षड़यंत्र रचा। 10 वें गवाह विधि विज्ञान प्रयोगशाला के वैज्ञानिक डा. प्रवीण श्रीवास्तव की गवाही भी हो चुकी, उसने बताया था कि घर पर फिरौती वाला पत्र डालने वाला शिवा ही था। बता दें कि 30 अक्तूबर 2023 को जयपुरिया स्कूल के 10वीं के छात्र कुशाग्र की कोचिंग जाते समय अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में पूर्व ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसका प्रेमी प्रभात शुक्ला और सहयोगी शिवा गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था।

7वीं स्पोर्ट्स मीट 'उड़ान' का आगाज

बाराबंकी, अमृत विचार: बालाजी ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा आयोजित 21 दिवसीय सातवीं स्पोर्ट्स मीट 'उड़ान' का शुभारंभ सोमवार को हुआ। उद्घाटन विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर अंकुर माथुर ने किया। उन्होंने बताया 'उड़ान' खेल महोत्सव में बालाजी ग्रुप के अधीन संचालित चारों विद्यालयों के 1500 छात्र-छात्राएं प्रतिभाग करेंगे। स्पोर्ट्स मीट के प्रथम दिन प्री-प्राइमरी समूह की नृत्य, गायन, कलर, भाषण, हिंदी एवं अंग्रेजी कविता प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सत्यप्रेमी नगर स्थित बालाजी का बचपन शाखा के प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्रेयष्ठ, वर्तिका त्रिवेदी और प्रहार कौर ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान मोहम्मद हुजैफा, क्षमा कुशवाहा और आदया वर्मा को मिला, जबकि तृतीय स्थान उत्कर्षणा निगम, हुरैन इकराम और ईशान्वी शुक्ला के नाम रहा। गायन में रीनाया रस्तोगी, अद्विक गुप्ता और समृद्धि गुप्ता प्रथम स्थान पर रहे। द्वितीय स्थान पृषा रस्तोगी, पंखुड़ी जायसवाल और अक्षिता श्रीवास्तव के हिस्से आया, जबकि तृतीय स्थान रुद्राक्ष मिश्रा और ताशी सिंह को मिला। कलर प्रतियोगिता में प्रनीत मौर्य, रुद्र नारायण रस्तोगी और मोहम्मद हैंजाला प्रथम स्थान पर रहे। भाषण में अरकान अहमद ने प्रथम स्थान हासिल किया। हिंदी कविता में मिशिका जैन, मोहम्मद हमदान व अनिका वर्मा प्रथम रहे। अंग्रेजी कविता में असादुल्लाह, रीनाया रस्तोगी व उत्कर्षणा निगम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। फल एवं सब्जी में सफिया प्रथम, अब्दुल्ला द्वितीय और आकृष जैन तृतीय स्थान पर रहे। हॉप रेस में भी उमे सफिया ने पहला स्थान प्राप्त किया।

स्पोर्ट्स मीट में विजयी छात्र। अमृत विचार

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

भटनी-औंड़िहार खण्ड का निरीक्षण आज

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे पर इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास का क्रम निरन्तर जारी है। इसी क्रम में, वाराणसी मंडल के भटनी-औंड़िहार खण्ड पर पुल संख्या-84 एवं 91 पर कट एवं कनेक्शन कार्य पूर्ण हो चुका है। रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल मंगलवार को इस खण्ड का निरीक्षण करेंगे तथा इस खण्ड के पनियारा हाल्ट-दुल्लहपुर स्टेशनों के मध्य स्पीड ट्रायल किया जायेगा। रेल प्रशासन का आमजन से अनुरोध है कि निरीक्षण एवं स्पीड ट्रायल के दौरान इस खण्ड पर न तो स्वयं जायें, न ही अपने पशुओं को रेलपथ पर जाने दें।

भाकियू (टिकैत) ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की मासिक कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय के परिसर में किया गया। जिसकी अध्यक्षता महिला जिला अध्यक्ष सुदामा देवी द्वारा किया गया। विभिन्न मुद्दों और समस्याओं पर चर्चा हुई। जिसमें मुख्य रूप से यूरिया की कालाबाजारी, विभागों में भ्रष्टाचार प्रमुख रहे। इस सम्बन्ध में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने सभी समस्याओं का समाधान करने के लिए 10 दिन का समय मांगा और जिन-जिन विभागों से सम्बन्धित मामला था। अधिकारियों ने जल्द से जल्द निस्तारण करने का निर्देश दिया।

बाइकों की टक्कर में दो की मौत, एक घायल

कुशीनगर, अमृत विचार : कप्तानगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बौलिया के समीप कप्तानगंज से सिकटा मार्ग पर दो बाइकों की टक्कर में दो लोगों की मौत व एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा कप्तानगंज सिकटा मार्ग पर बौलिया के समीप रविवार की देर रात हुआ। हादसे में घायल ओम प्रकाश उपाध्याय निवासी ग्राम लक्ष्मीपुर मंहथ थाना पुरैना जिला महराजगंज और अरूण साहनी निवासी ग्राम सभा पचार थाना कप्तानगंज की मौत हो गई। घायल युवक सुलेमान निवासी लक्ष्मीपुर मंहथ थाना पुरैना जिला महराजगंज का इलाज चल रहा है।

आयुक्त ने बीमारी से निपटने के देखे इंतजाम

खड्डा तहसील क्षेत्र के गुलहरिया गांव में बुखार से तीन बच्चों की मौत के बाद प्रशासन अलर्ट

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार: जनपद के खड्डा तहसील क्षेत्र के ग्राम ढोलहा के गुलहरिया गांव में दो दिन पहले बुखार से तीन बच्चों की मौत के बाद से प्रशासन में हड़कंप है। मामले को गंभीरता से लेते हुए सोमवार को मण्डलायुक्त अनिल ढींगरा ने डीआईजी एसएस चिनप्पा, जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर एवं पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के साथ गांव में पीड़ित परिवार से मिले। अधिकारियों ने गांव में स्वास्थ्य विभाग द्वारा बीमारी से निपटने के लिए किए गए जरूरी इंतजाम तथा साफ-सफाई की जानकारी ली। ग्रामीणों से स्वास्थ्य विभाग द्वारा गठित टीम द्वारा लगाए गए कैम्प में स्वास्थ्य परीक्षण व गांव में फैली बीमारी के सम्बन्ध में पूछताछ की। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर को टीम गठित कर इस बीमारी से प्रभावित अन्य स्थानों पर चिकित्सा कैम्प लगवाकर जांच कराके आवश्यक इंतजाम कराने के निर्देश दिए। मौके पर अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम मौजूद रही।

आयुक्त ने सीएमओ सहित सभी संबंधित अधिकारियों को पूरी सतर्कता रखने, किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने और सभी आवश्यक स्वास्थ्य व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के सख्त निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त आस पास के ग्रामों में भी इस प्रकार की घटना न हो इसके लिये चिकित्सा विभाग को विशेष रूप से हिदायत दी गई। इस दौरान किसी भी आकस्मिक स्थिति हेतु सीएमओ द्वारा हेल्प लाइन नम्बर से संपर्क किये जाने की अपेक्षा की गई। लोगों से सोशल मीडिया या अन्य किसी माध्यम से फैलने वाली अफवाहों पर ध्यान एवं रोक लगाने की अपील भी की गयी। निरीक्षण के उपरांत नेबुआ नौरंगिया ब्लॉक में सभी उच्च अधिकारियों के साथ बैठक कर सभी विषयों पर समीक्षा कर सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। निरीक्षण के समय मुख्य विकास अधिकारी वंदिता श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी खड्डा समेत सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

अधिकारियों संग गांव मे पहुंचे मंडलायुक्त अनिल ढींगरा। अमृत विचार

731 ग्रामीणों की घर-घर जाकर जांच

सीएमओ ने आयुक्त को बताया कि बच्चों की मौत की सूचना मिलते ही मेडिकल टीम गांव पहुंची और 731 ग्रामीणों की घर-घर जाकर जांच की गई। डेंगू, मलेरिया एवं टायफाइड की रैपिड जांच की गई, जिसमें कोई भी पॉजिटिव केस नहीं मिला। साथ ही 18 बच्चों के रक्त सैंपल जांच के लिए गोरखपुर भेजे गए हैं, जिनकी रिपोर्ट अभी आना शेष है।

धान क्रय केंद्र बंद मिलने पर नाराजगी, जांच के आदेश

दौरे के दौरान आयुक्त ने तहसील खड्डा के ग्राम शीतलापुर स्थित धान क्रय केंद्र का निरीक्षण किया। इस पर आयुक्त ने संबंधित तहसीलदार को क्रय केंद्र सील कराकर विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

एसएआर कार्यों की समीक्षा

बूथ संख्या 309 (पूर्व का 257) पर चल रहे एसआईआर कार्यों की भी समीक्षा की। बीएलओ द्वारा बताया गया कि 799 मतदाताओं में से 659 का फॉर्म डीजीटॉयज कार्य पूरा किया जा चुका है। बीएलओ ऐप्प प्रक्रिया का निरीक्षण किया गया, जिसमें एक मिनट में एक आवेदन ऑनलाइन किया जा रहा था।

लेप्टोस्पायरोसिस बीमारी की पुष्टि, गांव में 24 घंटे डॉक्टरों की ड्यूटी

सीएमओ ने बताया कि मृत बच्चों में से एक बच्ची खुशी के रक्त परीक्षण में लेप्टोस्पायरोसिस बीमारी की पुष्टि हुई है। इसी को देखते हुए गांव में मेडिकल किट का वितरण किया जा रहा है। वर्तमान में बुखार से पीड़ित सभी बच्चे सामान्य स्थिति में हैं। तीन बच्चों का इलाज बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर में चल रहा है। गांव में फिलहाल 24 घंटे तीन शिफ्टों में डॉक्टरों की ड्यूटी, एक एम्बुलेंस की तैनाती, एंटी-लार्वा स्प्रे और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराया गया है। लेप्टोस्पायरोसिस बीमारी के पशुओं से फैलने की संभावना को देखते हुए पशुपालन एवं कृषि विभाग का भी सहयोग लिया जा रहा है।

नियम उल्लंघन का निष्कर्ष दर्ज करना अनिवार्य : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आग्नेयास्त्र लाइसेंस रद्द करने की शर्तें स्पष्ट किया है। कोर्ट ने कहा कि शस्त्र नियम, 2016 के नियम 32 के तहत आग्नेयास्त्र लाइसेंस रद्द करने से पहले सक्षम प्राधिकारी के लिए आवश्यक है कि वह यह ठोस निष्कर्ष निकाले कि लाइसेंसी ने नियमों का उल्लंघन किया है। बिना ऐसे निष्कर्ष के लाइसेंस रद्द नहीं किया जा सकता। नियम 32 के अनुसार लाइसेंस रद्द करने से पहले यह राय बनाना अनिवार्य है कि हथियार सार्वजनिक स्थल पर बिना पिस्तौलदान के रखा गया, लहराया गया या वहां खाली फायरिंग हुई। यह विचार अनिवार्य शर्त है और इसके अभाव में नियम 32 लागू नहीं हो सकता।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति कुणाल रवि सिंह की एकलपीठ ने योगेंद्र प्रसाद की याचिका स्वीकार करते हुए पारित किया। याची को 16 जुलाई 2005 को रिवॉल्वर का लाइसेंस जारी किया गया था। बाद में 22 सितंबर 2020 को गाजीपुर के डीएम ने लाइसेंस निलंबित कर असलहा जमा करने का निर्देश दिया। आरोपों के खंडन के बावजूद 17 अगस्त 2020 को एसएचओ ने हथियार अपने कब्जे में ले लिया। इसके खिलाफ दायर अपील को कमिश्नर, वाराणसी ने भी खारिज कर दिया, जिसके बाद याची ने हाईकोर्ट के समक्ष वर्तमान याचिका दाखिल की। रिकॉर्ड की जांच में कोर्ट ने पाया कि लाइसेंस रद्द करने वाले आदेश में यह निर्दिष्ट नहीं था कि नियम 32 के किस उप-नियम का उल्लंघन हुआ है। न ही यह निष्कर्ष दर्ज था कि कथित कार्य वास्तव में हुआ। कोर्ट ने माना कि जहां उल्लंघन का निष्कर्ष ही दर्ज नहीं है, वहां लाइसेंस रद्द करने और हथियार जब्त करने का कदम नहीं उठाया जा सकता है। कोर्ट ने आक्षेपित आदेश को मनमाना और विधि-विरुद्ध मानते हुए रद्द कर दिया।

उत्तर रेलवे की टीम फाइनल में पहुंची

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के तत्त्वावधान में सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में चल रहे 69वें अखिल भारतीय रेलवे (पुरुष) वॉलीबाल चैम्पियनशिप-2025 के छठवे दिन सोमवार को सेमीफाइनल मैच उत्तर रेलवे एवं दक्षिण पश्चिम रेलवे के बीच खेले गये। जिसमें उत्तर रेलवे ने एकतरफा मुकाबले में अपने प्रतिद्वंदी टीम दक्षिण पश्चिम रेलवे को पहले सेट में 25-21, दूसरे सेट में 25-23 तथा तीसरे सेट में 25-19 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

- **सेमी फाइनल में एकतरफा मुकाबले में दक्षिण पश्चिम रेलवे को हराया**

सेमीफाइनल का दूसरा मैच देर सायं तक पूर्व रेलवे एवं पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के बीच खेला जा रहा था। राष्ट्रीय स्तर की इस वालीबाल प्रतियोगिता को देखने हेतु भारी संख्या में वालीबाल प्रेमियों एवं खिलाड़ी सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस चैम्पियनशिप का फाइनल मैच 02 दिसम्बर, 2025 को अपराह्न 03.00 बजे उत्तर रेलवे एवं दूसरे सेमीफाइनल के विजेता टीमों के साथ खेला जायेगा तथा महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर विजेता एवं उपजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित करेंगे। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

सेमीफाइल में प्रदर्शन करते खिलाड़ी। अमृत विचार

धूमधाम से मनाया गया टीकाकरण उत्सव

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। तहसील व विकास खण्ड बांसी अन्तर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चेतिया में सोमवार को अधीक्षक डॉ. धर्मेन्द्र चौधरी द्वारा फीता काटकर टीकाकरण उत्सव का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर डॉ. आबिदा, बीपीएम ओपी द्विवेदी, सुपरवाइजर वैभव श्रीवास्तव, पंकज शुक्ला फार्मासिस्ट, प्रदीप, विनोद सहित पीएचसी चेतिया के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। इस अवसर पर अधीक्षक द्वारा ड्यू बच्चों के टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण उनकी ट्रैकिंग आदि पर ध्यान देने का निर्देश दिया गया। डॉ. धर्मेन्द्र चौधरी ने कहा कि पूरे दिसम्बर माह टीकाकरण उत्सव के रूप में मनाया जाना है, जिसमें शत प्रतिशत टीकाकरण किया जाना है।

कॉलेज में छात्रा की मौत से हड़कंप

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार: नगर कोतवाली क्षेत्र के हारीपुर लखनऊ रोड स्थित एससीपीएम पैरामेडिकल कॉलेज में सोमवार शाम उस समय सनसनी फैल गई जब बीएएमएस सेकेंड ईयर की छात्रा महावीस खानम (22) का शव उसके हॉस्टल कमरे में फंदे से लटकता मिला। दरवाजा पूरे दिन बंद रहने पर साथी छात्राओं को शक हुआ और जब पुलिस की मौजूदगी में कमरा खोला गया तो छात्रा मृत अवस्था में मिली।

घटना ने हॉस्टल सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस जांच के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी। सोमवार शाम करीब पांच बजे साथी छात्राओं ने देखा कि महावीस के कमरे का दरवाजा सुबह से बंद है। आवाज देने पर भी कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर उन्होंने कॉलेज प्रबंधन को सूचना दी। इसके बाद नगर कोतवाली पुलिस को बुलाया गया। पुलिस ने दरवाजा खुलवाया तो अंदर महावीस का शव फंदे से झूलता मिला। यह दृश्य देख छात्राएं सहम गईं।

फॉरेंसिक टीम को जांच में नहीं मिला कोई सुराग

सूचना पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने कमरे की बारीकी से जांच की, लेकिन शुरुआती जांच में कोई विशेष सुराग नहीं मिला। कमरे से कोई सुसाइड नोट भी बरामद नहीं हुआ। पुलिस मामले को संदिग्ध आत्महत्या मानकर जांच कर रही है। नगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विवेक त्रिवेदी ने बताया कि परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है। उनके आने के बाद पंचनामा कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है।

क्लास अटेंड कर दोपहर में लौटी थी हॉस्टल

कॉलेज के निदेशक अजीताभ दुबे ने बताया कि छात्रा ने सोमवार को आधे दिन तक क्लास अटेंड की थी। दोपहर में वह हॉस्टल के कमरे में वापस चली गई थी। "शाम को दरवाजा बंद होने की सूचना मिली तो तुरंत पुलिस को बुलाया गया। छात्रा ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कोई कारण सामने नहीं है।

- **हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटकता मिला शव, सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवाल**

राजकीय सम्मान के साथ हुआ एसटीएफ में तैनात रहे जवान का अंतिम संस्कार

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। मेंहदावल नगर पंचायत के सियर मोहल्ला निवासी व छत्तीसगढ़ एसटीएफ(स्पेशल टास्क फोर्स) में तैनात रहे जवान रामनरायन गोस्वामी (47) की आकस्मिक मौत की खबर से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। शनिवार को परेड के दौरान उन्हें अचानक चक्कर आ गया और वे वहीं गिर पड़े। विभागीय अधिकारियों द्वारा तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां देर रात उनका निधन हो गया।

सोमवार देर शाम विभागीय वाहन से जब जवान का पार्थिव शरीर मेंहदावल स्थित उनके घर पर पहुंचा तो परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी सुदामा गोस्वामी शव देखते ही बार-बार बेहोश हो जा रही थीं, वहीं पुत्री अंजनी पिता को खोजते हुए बिलखती रही। परिवार और पूरे मोहल्ले में मातम पसरा हुआ है। देर रात पंडित पुरवा स्थित श्मशान घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पुत्र आकाश गोस्वामी ने नम आंखों से पिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान एसटीएफ के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर अपने साथी को अंतिम विदाई दी। मौके पर मौजूद हर किसी की आंखें नम थीं। जवान की असमय मृत्यु से सियर मोहल्ला समेत पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है और लोग घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त कर रहे हैं।

- **छत्तीसगढ़ एसटीएफ में तैनात था मेंहदावल का युवक, परेड के दौरान बिगड़ी थी तबीयत**

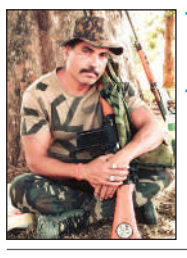

जवान रामनरायन गोस्वामी की फाइल फोटो।

हिन्दू सम्मेलन को लेकर किया जागरूक

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) शोहरतगढ़ खण्ड के टेकनार मण्डल की ओर से सोमवार को चिल्हियां क्षेत्र में साइकिल यात्रा निकाली गई। यह यात्रा टेकनार मण्डल में सम्पन्न होने वाले हिन्दू सम्मेलन से पहले समुदाय को जागरूक करने के लिए निकाली गई। जिसमें स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए समुदाय को राष्ट्रवाद का सन्देश दिया। दरअसल, आरएसएस के शताब्दी वर्ष में पूरे वर्ष अलग-अलग कार्यक्रम होना है। पहले चरण में जगह-जगह पथ संचलन कार्यक्रम व दूसरे चरण में घर-घर गृह सम्पर्क अभियान सम्पन्न हो गया है। तीसरे चरण में हिन्दू सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित होना है। यह कार्यक्रम दिसम्बर माह में सम्पन्न होगा। जागरूकता फैलाने के लिए सोमवार को टेकनार मण्डल के चिल्हियां क्षेत्र में साइकिल यात्रा निकाली गई।

सरे बाजार में युवक की गोली मारकर हत्या

संवाददाता, प्रतापगढ़

अमृत विचार : जिले के सांगीपुर के कमयनपुर गांव में सोमवार को लगे भीड़भाड़ वाले साप्ताहिक बाजार में आए युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया।

लालगंज के उधरनपुर निवासी 26 वर्षीय तशकील किसी काम से सांगीपुर के कमयनपुर में लगी बाजार में सोमवार शाम आया था। वह किसी से बातचीत कर रहा था कि इसी बीच शाम करीब सवा पांच बजे उसे तमंचे से गोली मारकर एक हमलावर भागने लगा। तशकील घायल होकर मौके पर गिर पड़ा। लोगों ने हमलावर को दौड़ाया तो वह गांव के विनोद सोनी के घर के तीसरे मंजिल की छत पर चढ़ गया। पुलिस के अनुसार हमलावर अमान पुत्र अमजद निवासी असांव सांगीपुर है। वह छत से ही कहता रहा कि तशकील ने उसे मारा था,गाली दी थी। कई बार बेइज्जत किया था, इसलिए गोली चला दी। पुलिस ने मशक्कत करके उसे छत पर जाकर पकड़ा व उसके पास से तमंचा बरामद किया। पकड़े जाने के बाद वह कहने लगा कि तशकील भी तमंचा लिए था, छीना झपटी में गोली चल गई। भरे बाजार घटना से अफरा-तफरी मच गई। लोगों के अनुसार तशकील और अमान दोनों दिल्ली में रहकर मजदूरी करते थे। इनका आए दिन वहां विवाद होता था। इसी को लेकर वह मौके की तलाश में था। विवाद व रंजिश में वारदात की गई। सीओ लालगंज आशुतोष मिश्र ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। रंजिश में घटना हुई है।

तशकील (फाइल फोटो)

बाइक सवार हमलावरों ने युवक को मारी गोली

संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के मेंहदावल बाईपास चौराहे पर शुक्रवार की देर शाम बाइक सवार हमलावरों ने 40 वर्षीय युवक पर ताबड़तोड़ तीन राउंड गोलियां चलाईं। गोली लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना स्थल पर मौजूद लोग समझ पाते उससे पहले ही हमलावर फरार हो गए। घायल युवक को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर होने पर उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। एसपी संदीप कुमार मीना ने घटनास्थल का जायजा लिया और सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ संभावित संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है। घायल के भाई मोनू तिवारी के अनुसार, संतोष त्रिपाठी, रनदौली उर्फ मठिया, थाना सहजनवां, गोरखपुर के निवासी हैं और उनके खिलाफ चार माह पहले खलीलाबाद मॉडलशाप में हुए विवाद के चलते हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया गया था। वह 10 दिन पहले जमानत पर बाहर आए थे।

राम मंदिर में 31 को मनाया जाएगा भव्य वार्षिक उत्सव, तैयारियां शुरू

अयोध्या, अमृत विचार : राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के दो वर्ष पूरे होने पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन करने की तैयारी कर रहा है। इस वर्ष पौष शुक्ल द्वादशी 31 दिसंबर को ही पड़ रहा है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में रामलला के द्वितीय वार्षिकोत्सव पर श्री रामकथा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके सती मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे लाइट और फूलों से भी सजाए जायेंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट इस आयोजन की तैयारी को लेकर मंथन शुरू कर दिया है। कहा कि वार्षिक उत्सव के कार्यक्रम को उत्साह पूर्वक मनाया जायेगा।

4.50 करोड़ में बेची जमीन, बिचौलियों ने हड़पे 3.54 करोड़

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : जमीन बिकवाने के नाम पर 3.54 करोड़ रुपये ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली नगर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पीड़ित रोहित निवासी रीडगंज कोतवाली नगर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि दिलीप कुमार वर्मा निवासी निरंकारपुर तकपुरा, अशोक कुमार वर्मा निवासी जियनपुर हैबतपुर, राम चन्दर वर्मा निवासी निरंकारपुर तकपुरा, अजय कुमार निवासी जियनपुर, संतोष निवासी बाग बिजैसी रानोपाली कोतवाली अयोध्या एक साथ प्रॉपर्टी खरीद-फरोख्त का काम करते हैं। इन सभी ने रानोपाली स्थित एक भूमि को अच्छे दामों में बिकवाने का आश्वासन देकर अपने नाम बयानामा लिखवा लिया। इसके बाद उक्त भूमि को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र को 4 करोड़ 82 लाख 24 हजार पांच सौ रुपये में बिकवाया।

आरोप है कि उक्त सभी ने बिक्री से मिले पैसों में उनके खाते में मात्र 65 लाख रुपये डाले, शेष रकम अपने के खाते में ली। बैनामा होने से पूर्व सभी ने उनसे कहा था कि इनकम टैक्स की तकनीकी कारणों से उक्त राशि हम लोगों ने अपने-अपने खाते में ली है। बाद में आपको तयशुदा धनराशि 3.54 करोड़ का चेक एक सप्ताह में दे देंगे। आरोप है कि बैनामा लिख देने के बाद अभी तक उन्होंने रुपये नहीं दिए। बार-बार दौड़ाया गया। आरोप है कि वह 11 नवंबर को अशोक कुमार के घर रुपये मांगने गया तो वहां दिलीप भी मौजूद था। रुपये मांगने पर उन्होंने गालियां देते हुए कहा कि हम लोगों का एक संगठित ग्रुप है। दोबारा रुपये मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। नगर कोतवाल अश्विनी पांडेय ने कहा कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

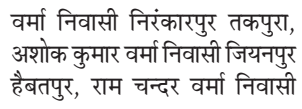

- **जमीन को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पक्ष में कराया था बैनामा, पांच लोगों पर केस दर्ज**

घर-घर जाकर सभी मतदाताओं के गणना प्रपत्र प्राप्त करा दें

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान-2025 के अन्तर्गत रविवार को तहसील नौगढ़ एवं तहसील शोहरतगढ़ के मतदाता पुनरीक्षण कार्य का जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा निरीक्षण किया गया। वहीं निरीक्षण सूची का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान-2026 के अन्तर्गत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा को बांटे गये गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फर्म) एवं जमा किये गये प्रपत्र के बारें में जानकारी प्राप्त किया गया। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को निर्देश दिया कि लेखपाल द्वारा अपने क्षेत्र के बीएलओ से समन्वय स्थापित करते हुए सभी मतदाताओं को घर-घर जाकर गणना प्रपत्र प्राप्त करा दें तथा मतदाताओं द्वारा गणना प्रपत्र भरने के बाद उसको बीएलओ, रोजगार सेवक, ग्राम प्रधानों के माध्यम से प्राप्त कर लें। गणना प्रपत्र की फीडिंग में प्रगति लायें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी गौरव श्रीवास्तव, उपजिलाधिकारी नौगढ़ कल्याण सिंह मौर्य, उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ विवेकानन्द मिश्रा, तहसीलदार एवं अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे।

जायजा सिद्धार्थनगर के जिलाधिकारी ने नगर पालिका का किया निरीक्षण

गौशाला में हरा चारा न मिलने पर डीएम नाराज

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा गौशाला सेमनार, नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भूसा, पशु आहार स्टाक रजिस्टर को देखा गया। गौशाला में 57 गौवंश संरक्षित है। गौवंश हेतु हरा चारा की व्यवस्था न होने पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को कारण बताओ नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया। इसके साथ पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा लम्बे समय से गौशाला का निरीक्षण नही किया गया था जिस पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया।

गौशाला का निरीक्षण करते डीएम शिवशरणप्पा जीएन। अमृत विचार

कृषक उत्पादक संगठनों के गठन को हुई बैठक

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में कृषक उत्पादक संगठनों के गठन के लिए जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने विकास खण्ड खेसरहा में तीन नये कृषक उत्पादक संगठन बनाने, शोहरतगढ़ में एक, बढ़नी, डुमरियागंज, लोटन में नये कृषक उत्पादक संगठन बनाने हेतु चर्चा किया गया।

एड्स कोई अभिशाप नहीं

संतकबीरनगर, अमृत विचार। अमृत विचार। विश्व एड्स दिवस पर काली जगदीशपुर स्थित आर.पी. विद्यापीठ सीनियर सेकेंड्री स्कूल और आर.पी. विद्यापीठ फ़ार्मेसी कॉलेज की ओर से क्षेत्र में एचआईवी जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान स्कूल में भव्य कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य एचआईवी से संबंधित भ्रांतियों और सामाजिक भेदभाव को दूर कर लोगों को सही जानकारी उपलब्ध कराना था। एड्स कोई अभिशाप नहीं, बल्कि जागरूकता, सावधानी और उचित उपचार से पूरी तरह नियंत्रित किया जा सकता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चौकी इंचार्ज ललित कान्त यादव, निदेशक डॉ. अशोक कुमार और प्रधानाचार्या मोनिका यादव मौजूद रहीं।

ब्रीफ न्यूज

हॉस्टल में लटका मिला छात्र का शव

भुवनेश्वर। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान में रविवार रात एक कंप्यूटर साइंस के विद्यार्थी ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। यह पिछले नौ महीनों में इस संस्थान में तीसरी आत्महत्या की घटना है। पुलिस ने बताया कि बीती रात आत्महत्या करने वाला छात्र राहुल यादव छत्तीसगढ़ का रहने वाला था। हॉस्टल में मृतक के कमरे का दरवाज़ा खोलने के बाद उसका शव बाहर निकाला गया। पुलिस ने कहा कि मृतक का शव पंखे से लटका हुआ मिला। इसी संस्थान के हॉस्टल में 16 फरवरी को इंजीनियरिंग की एक 20 वर्षीय नेपाली छात्रा का शव उसके कमरे के पंखे से लटका मिला था।

हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

अमृतसर। पंजाब में, काउंटर इंटेलिजेंस-अमृतसर ने पाकिस्तान से जुड़े एक क्रॉस-बॉर्डर नारकोटिक्स स्मगलिंग मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 25 करोड़ रुपये की पांच किलोग्राम हेरोइन बरामद की। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को बताया कि शुरुआती जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान-बेस्ड हैंडलर के निर्देशों पर काम कर रहा था, और उसने बॉर्डर पार से नारकोटिक्स कंसाइनमेंट हासिल किया था।

ईसी ने बंगाल, तमिलनाडु में मताधिकार से वंचित करने के दावों को अतिरंजित बताया

विशेष गहन पुनरीक्षण में आरोपों को लेकर उच्चतम न्यायालय में निर्वाचन आयोग ने रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी

- **कहा-मतदाताओं के नाम बड़े पैमाने पर हटाने के आरोप राजनीति से प्रेरित**

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में मतदाता सूचियों के जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का उच्चतम न्यायालय में दृढ़ता से बचाव करते हुए कहा कि वास्तविक मतदाताओं के नाम बड़े पैमाने पर हटाए जाने के आरोप अतिरंजित, अटकलों पर आधारित तथा राजनीति से प्रेरित हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने 11 नवंबर को द्रमुक, माकपा, कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं द्वारा दायर याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग से अलग-अलग जवाब मांगे थे, जिनमें क्रमशः तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एसआईआर कराए जाने को चुनौती दी गई थी।

शीर्ष अदालत में अलग-अलग हलफनामे दाखिल करते हुए निर्वाचन आयोग के सचिव पवन दीवान ने एसआईआर कराने के आयोग के फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज करने का अनुरोध किया। टीएमसी की सांसद डोला सेन और अन्य की याचिका पर 26 नवंबर को दायर 81 पृष्ठों के जवाबी हलफनामे में निर्वाचन आयोग ने कहा कि पश्चिम बंगाल में व्यापक स्तर पर मताधिकार से वंचित करने का आरोप निहित राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए लगाया जा रहा है। इसमें कहा गया, यह निवेदन किया जाता है कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 16, 19 और 22 के साथ अनुच्छेद 324 और 326 के नियम 21 ए के साथ सामंजस्यपूर्ण अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि भारत निर्वाचन आयोग को संवैधानिक मताधिकार प्रदान करने के लिए मतदाताओं की नागरिकता सहित पात्रता का आकलन करने की शक्तियां प्राप्त हैं। एसआईआर प्रक्रिया के संबंध में जारी दिशानिर्देश संवैधानिक हैं और मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखने के हित में हैं, जो स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों के लिए एक पूर्वापेक्षा है और संविधान की एक मूलभूत विशेषता है।

आयोग ने कहा कि इस तरह के संशोधन करने की उसकी शक्तियां संविधान के अनुच्छेद 324 और 326 तथा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और मतदाता पंजीकरण नियमों के विभिन्न प्रावधानों में दृढ़तापूर्वक निहित हैं। अपने हलफनामों में निर्वाचन आयोग ने कहा, संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत, संसद और प्रत्येक राज्य के विधानमंडल के सभी चुनावों के लिए मतदाता सूची तैयार करने और उनके संचालन का अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण भारत निर्वाचन आयोग में निहित है।" इसमें कहा गया है कि संवैधानिक प्रावधान मतदाता सूची तैयार करने और चुनाव कराने से संबंधित सभी मामलों में निर्वाचन आयोग के पूर्ण अधिकार का आधार है। हलफनामों में कहा गया है कि वर्तमान एसआईआर 24 जून और 27 अक्टूबर 2025 को जारी आदेशों के तहत संचालित की जा रही है, जिसमें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के अनुच्छेद 324 और धारा 21(3) के तहत आयोग को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग किया गया है।

बीस वर्षों के अंतराल पर किया जा रहा एसआईआर

दो अलग-अलग हलफनामों में, निर्वाचन आयोग ने तमिलनाडु में एसआईआर का बचाव किया। आयोग ने दोहराया कि देशव्यापी एसआईआर 20 वर्षों से अधिक के अंतराल के बाद किया जा रहा है। अखिल भारतीय एसआईआर की शुरुआत 24 जून के आदेश के माध्यम से बिहार से हुई थी। इसके अनुसार, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश सहित 12 राज्यों को शामिल करते हुए, चरण-2 की शुरुआत 27 अक्टूबर को एक अनुवर्ती आदेश के बाद हुई। इसमें कहा गया है कि यह न्यायालय तमिलनाडु राज्य में बड़े पैमाने पर मताधिकार से वंचित किए जाने और एसआईआर के अनुचित कार्यान्वयन की आशंका के संबंध में वर्तमान रिट याचिका में याचिकाकर्ता के अत्यधिक अटकलबाजीपूर्ण और अतिरंजित तर्कों को स्वीकार करने में अनिच्छुक होगा।

केंद्रीय सहायता न मिलने से हिमाचल में वित्तीय संकट

धर्मशाला/शिमला, एजेंसी

- **मुख्यमंत्री बोले-विधायकों को वेतन-भत्ते के लिए करना होगा इंतजार**
- **केंद्र सरकार से वित्तीय मदद मिलने पर हो सकता है भुगतान : सुक्खू**

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि राज्य गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहा है, इसलिए विधायकों को स्थानीय क्षेत्र विकास निधि की तीसरी किस्त और बढ़े हुए वेतन-भत्तों को प्राप्त करने के लिए इंतजार करना होगा। विपक्ष के नेता जय राम ठाकुर द्वारा विधायकों को स्थानीय क्षेत्र विकास निधि जारी न किए जाने पर उठाए गए व्यवस्था के प्रश्न का जवाब देते हुए सुक्खू ने कहा कि यह निधि विधायकों का विशेषाधिकार है, लेकिन सरकार तीसरी किस्त जारी करने की स्थिति में नहीं है, क्योंकि उसके वित्तीय संसाधन सीमित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह विधायकों की चिंता से अवगत हैं, चूंकि धन की समस्या है, इसलिए विधायकों को इस महीने भी बढ़े हुए वेतन और भत्ते नहीं मिल पाएंगे। सुक्खू ने कहा कि अगर राज्य को केंद्र से वित्तीय सहायता मिलती है, तो विधायकों को तीसरी किस्त जारी की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र ने हिमाचल प्रदेश के राजस्व घाटा अनुदान को 11,000 करोड़ रुपये से घटाकर 3,200 करोड़ रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश द्वारा पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) लागू करने के बाद केंद्र ने राज्य की उधार सीमा घटाकर 4,800 करोड़ रुपये कर दी है और 1,600 करोड़ रुपये का एक अन्य अनुदान भी रोक दिया गया है।

केंद्र के समक्ष उठाया था भुगतान का मुद्दा

सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार ने विवेकपूर्ण तरीके से सभी गैर-जरूरी खर्चों में कटौती की है, ताकि वह वेतन और पेंशन का भुगतान जारी रख सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अनुदान और ऋण सीमा में कटौती का मुद्दा केंद्र के समक्ष उठाया था, लेकिन केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पूछा कि जब अन्य राज्यों में इसे बंद किया जा रहा है, तो हिमाचल प्रदेश सरकार ने ओपीएस को फिर से क्यों शुरू किया है।

नौसेना के पास अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का अभाव

पुणे, एजेंसी

- **जनरल बी.सी. जोशी मेमोरियल व्याख्यान में बोले नौसेना प्रमुख**

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने सोमवार को कहा कि कई अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी भारतीय नौसेना के पास नहीं हैं जिनमें प्रणोदन प्रणाली, एयरो इंजन, पानी के अंदर कार्य करने वाली विशिष्ट क्षमताएं शामिल हैं। एडमिरल त्रिपाठी ने छात्रों से इस कमी या विषमता को दूर करने में मदद करने का आग्रह किया।

एडमिरल दिनेश त्रिपाठी।

एडमिरल त्रिपाठी ने समुद्री शक्ति और आत्मनिर्भरता के माध्यम से भारत के भविष्य को आकार देना एक भारतीय नौसेना परिप्रेक्ष्य नामक विषय पर जनरल बी.सी. जोशी मेमोरियल व्याख्यान देते हुए यह बात कही। इसका आयोजन सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में रक्षा और सामरिक अध्ययन विभाग द्वारा किया गया था। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि नौसेना ने इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस कार्यक्रम में 198 नवाचारों का नेतृत्व किया। कहा कि हमने कई क्षमताओं को विकसित करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन कुछ अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां आज भी हमसे दूर हैं। जहाजों और पनडुब्बियों के लिए प्रणोदन प्रणाली, एयरो इंजन, पानी के नीचे कार्य करने वाली विशिष्ट क्षमताएं, हाइपरसोनिक तथा क्रूज प्रणाली हमारी नौसेना के पास नहीं हैं।

प्रेमी के शव से शादी करने वाली युवती ने पुलिस पर मढ़े आरोप

नांदेड। महाराष्ट्र के नांदेड जिले में प्रेमी के शव से शादी करने के एक दिन बाद 21 वर्षीय युवती ने सोमवार को इतवारा थाने के दो पुलिसकर्मियों पर युवक की हत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया। युवती के दावे पर पुलिस की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।मृतक के घर पहुंची आंचल ममीदवार ने प्रेमी की हत्या के लिए अपने भाई को फांसी देने की अपील की। आंचल ने बताया कि हत्या वाले दिन, मेरा भाई हिमेश मुझे सुबह इतवारा थाने ले गया और सक्षम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने को कहा। उसके इन्कार करने के बाद पुलिस के दो अधिकारियों ने उसके भाई को यह कहकर उकसाया कि उसे दूसरे लोगों से लड़ने के बजाय उस आदमी को मार देना चाहिए जिससे मैं प्यार करती हूं।

सेना की गोपनीय सूचनाएं पाकिस्तान भेजने में गिरफ्तार

जयपुर, एजेंसी

- **पंजाब के फिरोजपुर निवासी युवक को श्रीगंगानगर से पकड़ा गया**
- **सोशल मीडिया के माध्यम से आईएसआई के संपर्क में था आरोपी**

राजस्थान अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) खुफिया की जयपुर इकाई ने भारतीय सेना से संबंधित सामरिक महत्व की गोपनीय सूचनाएं एकत्रित कर उन्हें पाकिस्तानी आकाओं को भेजने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, पंजाब के फिरोजपुर निवासी प्रकाश सिंह उर्फ बादल को श्रीगंगानगर जिले से पकड़ा गया।

महानिरीक्षक (खुफिया) प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि सीआईडी, पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसियों की जासूसी गतिविधियों की सतत निगरानी कर रही थी तभी पता चला कि प्रकाश सिंह उर्फ बादल सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसी आईएसआई के संपर्क में था और राजस्थान, पंजाब एवं गुजरात क्षेत्रों से भारतीय सेना से संबंधित गोपनीय एवं सामरिक सूचनाएं एकत्र कर पाकिस्तान स्थित अपने आकाओं को भेज रहा था। उन्होंने बताया कि 27 नवंबर को संदिग्ध को साधुवाली सैन्य प्रतिष्ठान (श्रीगंगानगर) के आसपास देखा गया। सीमा खुफिया टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में लिया जिसके बाद प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि उसके मोबाइल फोन पर विदेशी एवं पाकिस्तानी व्हॉट्सऐप नंबरों से लगातार संपर्क स्थापित था।

पश्चिम बंगाल : बीएलओ के प्रदर्शन के बीच सीईओ कार्यालय के बाहर तनाव

कोलकाता, एजेंसी

प. बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में लगे बीएलओ के एक वर्ग ने गणना प्रक्रिया के दौरान कथित अत्यधिक कार्यभार को लेकर सोमवार को सीईओ कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद अधिकारियों को प्रदर्शन स्थल पर पुलिस की तैनाती बढ़ानी पड़ी। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा का प्रतिनिधिमंडल चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक के लिए वहां पहुंचा तो प्रदर्शनकारियों ने विरोध में नारे लगाए और पुलिस बैरिकेड तोड़ने का प्रयास किया। हालांकि, अधिकारी और कई अन्य भाजपा विधायकों ने अधिकारियों के साथ बैठक जारी रखी।

पुलिस ने शुभेंदु के दौरे से पहले कई स्तर पर बैरिकेड लगाए थे और अतिरिक्त बल तैनात किया था। भाजपा

बैरिकेड तोड़ने का प्रयास करते प्रदर्शनकारियों को रोकती पुलिस।

प्रतिनिधिमंडल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय परिसर में प्रवेश करने के कुछ ही मिनट बाद प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की और इस बात पर जोर दिया कि उन्हें भी ज्ञापन सौंपने के लिए अंदर जाने दिया जाए। समिति के सदस्य उन्होंने दोपहर को आंदोलन तेज कर दिया। समिति के सदस्यों ने विपक्ष के नेता को निशाना बनाते हुए वापस जाओ के नारे लगाए, जिससे बाहर एकत्र हुए भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ उनकी तीखी बहस शुरू हो गई। बीएलओ के लिए बेहतर कार्य स्थितियों की मांग को लेकर कई दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रही समिति का आंदोलन सोमवार को तेज हो गया।

वक्फ संपत्ति विवरण पर समय सीमा बढ़ाने से सुप्रीम इन्कार

- **पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा- समय सीमा से पहले संबंधित न्यायाधिकरणों से करें संपर्क**

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 'उम्मीद' पोर्टल पर 'वक्फ बाय यूजर' सहित सभी वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने से इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे समय सीमा से पहले संबंधित न्यायाधिकरणों से संपर्क करें।

हमारा ध्यान धारा 3बी के प्रावधान की ओर आकर्षित किया गया है। चूंकि आवेदकों के पास न्यायाधिकरण के समक्ष उपाय उपलब्ध है इसलिए हम सभी आवेदनों का निपटारा करते हुए उन्हें छह महीने की अवधि की अंतिम तिथि तक न्यायाधिकरण का रुख करने की स्वतंत्रता प्रदान करते हैं।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के अलावा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) नेता असदुद्दीन ओवैसी और कई अन्य ने सभी वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध करते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया है। इससे पहले एक वकील ने कहा था कि वक्फ के अनिवार्य पंजीकरण की छह महीने की अवधि समाप्त होने वाली है। उच्चतम न्यायालय ने 15 सितंबर को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी, जिनमें यह भी है कि केवल वे लोग ही किसी संपत्ति को वक्फ के रूप में दे सकते हैं जो पिछले पांच साल से इस्लाम का पालन कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि केंद्र ने दुरुपयोग को देखते हुए 'वक्फ बाय यूजर' प्रावधान को हटा दिया और प्रत्याशित रूप से यह 'मनमाना' नहीं था। वक्फ बाय यूजर से आशय ऐसी संपत्ति से है, जहां किसी संपत्ति को औपचारिक दस्तावेज के बिना भी धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए उसके दीर्घकालिक उपयोग के आधार पर वक्फ के रूप में मान्यता दी जाती है, भले ही मालिक द्वारा वक्फ की औपचारिक, लिखित घोषणा न की गई हो।

असम में विशेष संक्षिप्त संशोधन कराने के चुनाव आयोग के फैसले को दी चुनौती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें असम में चुनाव नामावली का केवल विशेष संक्षिप्त संशोधन करने का निर्णय लिया गया है, जबकि बिहार सहित 12 अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन संशोधन कराया जा रहा है। यह याचिका गुवाहाटी हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मृणाल चौधरी ने दायर की है। याचिका में 17 नवंबर को जारी चुनाव आयोग के आदेश पर सवाल उठाया गया है। याचिका में कहा गया है कि जहां एक ओर छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप और पुडुचेरी में विशेष गहन संशोधन का निर्देश दिया गया है, वहीं असम में कम स्तर का संशोधन चुना गया है। यह फैसला आयोग के अपने ही रुख के खिलाफ है। बिहार में एसआईआर के आदेश और सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे में चुनाव आयोग ने कहा था कि पूरे देश में विशेष गहन संशोधन किया जाएगा। पूर्व असम गवर्नर लेफ्टिनेंट जनरल एसके सिन्हा की रिपोर्ट और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री इंद्रजीत गुप्ता के बयानों का हवाला देते हुए याचिका में कहा गया है कि 1997 में ही असम में 40 से 50 लाख अवैध घुसपैठिए थे।

आपदा तैयारियों के मुद्दे पर केंद्र व अन्य को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और अन्य से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें अग्निशमन सेवाओं, सड़क आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा तैयारी में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और कर्मियों की कमी का आकलन करने और उसे पूरा करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और संदीप मेहता की पीठ ऐसे व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने 2019 में सूरत में आग लगने की घटना में अपनी बेटी को खो दिया था। शीर्ष न्यायालय ने केंद्र और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) सहित अन्य को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा। पीठ ने कहा कि नोटिस जारी करें, जिसका जवाब चार हफ़्तों के भीतर दिया जाए। याचिकाकर्ता व्यक्तिगत रूप से पेश हुआ और उसने दावा किया कि भारतीय राष्ट्रीय भवन संहिता, 2016 का सख्ती से पालन नहीं किया जा रहा है और देश भर में आग लगने की घटनाएं हो रही हैं।

बिश्नोई गिरोह से सुरक्षा पर विचार से इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के व्यक्ति की याचिका पर विचार से इन्कार कर दिया, जिसने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से धमकी मिलने का दावा करते हुए 24 घंटे सुरक्षा मुहैया देने मांग की गई थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से पूछा, आपको कौन धमकी दे रहा है? लॉरेंस बिश्नोई उत्तर प्रदेश में भी काम करता है? वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता 24 घंटे सुरक्षा की मांग कर रहा है। जब पीठ ने कहा कि बिश्नोई गिरोह राजस्थान और पंजाब में सक्रिय है, तो वकील ने कहा, वह हर जगह सक्रिय है।

ईडी ने मसाला बॉण्ड मामले में सीएम विजयन व इसाक को भेजा नोटिस

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। ईडी ने केआईआईएफबी मसाला बॉण्ड मामले में केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, पूर्व वित्त मंत्री थॉमस इसाक और मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. एम. अब्राहम को 467 करोड़ के फेमा उल्लंघन से संबंधित कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

अधिकारियों ने बताया कि ईडी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत यह नोटिस 12 नवंबर को जारी किया था। उन्होंने बताया कि यह नोटिस केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) व उसके प्राधिकारियों द्वारा फेमा प्रावधानों और आरबीआई के मुख्य निर्देशों के कथित उल्लंघन से संबंधित है, जिसकी राशि 466.91 करोड़ है। केआईआईएफबी के अध्यक्ष के रूप में विजयन, बोर्ड के उपाध्यक्ष पूर्व वित्त मंत्री इसाक व केआईआईएफबी के सीईओ अब्राहम के अलावा संस्थान को भी नोटिस जारी किए गए हैं।

नए सभापति सभी को दें बोलने का अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में सोमवार को प्रधानमंत्री, सदन के नेता, नेता प्रतिपक्ष सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने नये सभापति सी पी राधाकृष्णन को यह दायित्व संभालने के लिए बधाई देते हुए उम्मीद जतायी कि सांसद के रूप में उनके अनुभव से सदन के कुशल संचालन में मदद मिलेगी। कई दलों के सदस्यों ने सदन के सभी पक्षों को बोलने का समान अवसर देने का अनुरोध किया।

राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि साधारण पृष्ठभूमि से उठकर सी. पी. राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचना भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति को प्रदर्शित करता है।

सितंबर में चंद्रपुरम पोनुसामी (सी. पी.) राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए थे। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आपको बधाई देता हूं और भरोसा है कि इस सदन का हर सदस्य इसकी परंपराओं का सम्मान करेगा और आपकी गरिमा को बनाए रखेगा।

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए सदन के नेता जेपी नड्डा ने उम्मीद जतायी वह संसद के उच्च सदन का कुशलतापूर्वक संचालन करेंगे।

विपक्ष की ओर से खरगे ने सभापति का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस संवैधानिक मूल्यों और सदन की परंपराओं के साथ दृढ़ता से खड़ी है और कार्यवाही के सुचारू संचालन में सहयोग करेगी। पूर्व प्रधानमंत्री एवं जनता दल (एस) के एचडी देवेगौड़ा ने उम्मीद जतायी कि वह इस सदन की लम्बी परंपरा के अनुसार इसका संचालन करेंगे। टीएमसी के डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि विपक्ष को सदन में अपनी बात रखने का मौका दिया जाना चाहिए। द्रमुक के तिरुचि शिवा, आप के राघव चड्ढा, माकपा के जान ब्रिटास, जद(यू) के रामनाथ ठाकुर, सपा के जावेद अली खान, राकंपा के प्रफुल्ल पटेल और राकंपा (एसपी) की फौजिया खान ने सभापति से सदन में बोलने देने की उम्मीद जताई।

डब्ल्यूएमओ को हवाईअड्डे पर जीपीएस स्पूफिंग के स्रोत का पता लगाने का सरकार ने दिया निर्देश

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को कहा कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, अमृतसर, हैदराबाद, बैंगलोर और चेन्नई हवाई अड्डों पर 'जीपीएस स्पूफिंग' होने की खबर है, और वायरलेस निगरानी संगठन (डब्ल्यूएमओ) को 'स्पूफिंग' के स्रोत का पता लगाने का निर्देश दिया गया है। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने राज्यसभा को बताया कि कुछ उड़ानों ने नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के आस-पास जीपीएस स्पूफ़िंग की सूचना दी, जब वे रनवे 10 पर पहुंच रहे थे, और जीपीएस आधारित विमान उतारने की प्रक्रिया का इस्तेमाल कर रहे थे। नायडू ने कहा, दूसरे रनवे पर, जहां पारंपरिक नौवहन प्रणाली चालू थी, उड़ानों के परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का सबसे हवाई अड्डा है।

चुनाव सुधारों पर चर्चा की मांग को लेकर संसद परिसर में प्रदर्शन की तैयारी में विपक्षी दल

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन के घटक दल संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र के दौरान चुनाव सुधारों के विषय पर चर्चा की मांग करते हुए मंगलवार को संसद परिसर में प्रदर्शन कर सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि विपक्षी दलों के सांसद मंगलवार सुबह संसद भवन के मकर द्वार के निकट एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन की तैयारी में हैं। विपक्षी सदस्यों ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर सोमवार को लोकसभा में हंगामा किया जिससे सदन की कार्यवाही बाधित हुई। विपक्षी दलों के नेताओं ने सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र के लिए अपनी रणनीति पर चर्चा की।

अनुमान रिपोर्ट

सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक एड्स संबंधी मौतें 80 प्रतिशत घटीं

2010 से एचआईवी संक्रमितों में 48 .7 प्रतिशत की कमी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में 2010 से 2024 के बीच एचआईवी संक्रमण के नए वार्षिक मामलों में 48.7 प्रतिशत और एड्स से संबंधित मौतों में 81.4 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। सरकार ने यह आंकड़ा जारी किया है। इन आंकड़ों से यह भी पता चला है कि माताओं से बच्चों में एचआईवी संक्रमण के मामलों में 74.6 प्रतिशत की गिरावट आई है। भारत एचआईवी अनुमान 2025 रिपोर्ट के अनुसार, भारत में एचआईवी महामारी राष्ट्रीय स्तर पर कम बनी हुई है, और नए संक्रमण तथा एड्स से संबंधित मौतें वैश्विक औसत की तुलना में तेजी से घट रही हैं। इसके बावजूद, कुछ राज्यों में संभवतः टीके के जरिए नशीली दवाओं के उपयोग और लापरवाह यौन व्यवहार के कारण संक्रमण में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता अभियान के तहत कोलकाता में सार्वभौमिक प्रतीक लाल रिबन के चारों ओर दीये जलाते हुए युवा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत 2030 तक एचआईवी-एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने के सतत विकास लक्ष्य 3.3 को प्राप्त करने की राह पर है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में भारत में एचआईवी (पीएलएचआईवी) से पीड़ित लगभग 25.61 लाख लोग हैं। इनमें महाराष्ट्र में सबसे अधिक 3.99 लाख मरीज हैं। आंध्र प्रदेश (3.10 लाख) और कर्नाटक (2.91 लाख) भी प्रमुख रूप से प्रभावित हैं। कुल संक्रमितों में 13.97 लाख पुरुष और 11.64 लाख महिलाएं हैं।

देश में 74 प्रतिशत रोगी नौ राज्यों में

उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, बिहार, गुजरात और पंजाब में एक लाख से दो लाख पीएलएचआईवी दर्ज किए गए हैं। इन नौ राज्यों में देश के कुल पीएलएचआईवी रोगियों का 74 प्रतिशत हिस्सा है। एक अधिकारी ने बताया कि आइजोल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मिजोरम में अक्टूबर 1990 में पहली बार एड्स का मामला सामने आने के बाद से अब तक 5,600 से अधिक लोगों की मौत एड्स से हो चुकी है। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर मिजोरम स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी की परियोजना निदेशक जेन आर. राल्टे ने बताया कि अब तक राज्य में 33,641 लोग एचआईवी से संक्रमित हो चुके हैं। राल्टे ने कहा कि कुल 33,641 संक्रमितों में से 5,600 से अधिक लोग इस वायरस से जुड़ी जटिलताओं के कारण अपनी जान गंवा चुके हैं।

अमृत विचार

मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

ज्ञान वह हथियार है जो हारने वाले को विजेता बनाता है। एक व्यक्ति को जीवन भर कुछ न कुछ सीखते रहना चाहिए।
–चाणक्य, राजनीतिज्ञ

चाहिए समग्र समाधान

उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की समय-सीमा को निर्वाचन आयोग द्वारा एक सप्ताह बढ़ा दिया जाना केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि उस दबाव की स्वीकारोक्ति भी है, जो इस अत्यंत विस्तृत प्रक्रिया पर शुरू से ही साफ दिख रहा था। मतदाता सूची पुनरीक्षण अपने आप में एक विशाल अभियान है। हर घर जा कर सत्यापन, नए मतदाताओं का पंजीकरण, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं का विलोपन और त्रुटियों का सुधार, जिसके लिए समय और संसाधनों की पर्याप्त आवश्यकता होती है। ऐसे में समय वृद्धि का यह निर्णय पूरे अभियान की गति, विश्वसनीयता और पारदर्शिता पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालने वाला है। निर्वाचन आयोग की यह स्वीकारोक्ति कि कम समय सीमा जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं, बीएलओ और अधिकारियों के लिए भारी समस्या पैदा कर रही थी, अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह बात समझना कठिन नहीं कि उत्तर प्रदेश जैसा जनसंख्या और भौगोलिक विस्तार वाला राज्य किसी भी राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए एक अलग कार्ययोजना और अपेक्षाकृत अधिक समय की मांग करता है। ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आयोग को यह पूर्वानुमान पहले क्यों नहीं था? क्या यह अदूरदर्शिता नहीं कही जाएगी कि इतनी बड़ी प्रक्रिया को शुरू से ही सीमित समय में बांधा गया और फिर दबाव बढ़ने पर पुनः संशोधन की जरूरत पड़ गई? समय वृद्धि का सबसे बड़ा लाभ निःसंदेह बीएलओ और आम मतदाताओं को मिलेगा। बीएलओ पर वर्षों से काम का अतिरिक्त बोझ, अपर्याप्त प्रशिक्षण तथा जटिल एसआईआर रिपोर्टिंग की बाध्यता लगातार मानसिक और शारीरिक तनाव बढ़ाती रही है। मुरादाबाद में एक बीएलओ की दुखद मृत्यु और विपक्ष के इस आरोप कि भारी दबाव के चलते 20 बीएलओ अब तक आत्महत्या कर चुके हैं, एक गंभीर चेतावनी है। इस स्थिति में निर्वाचन आयोग को केवल खंडन या औपचारिक बयान भर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर कठोर सुधारात्मक कार्रवाई करनी चाहिए। कार्यभार का संतुलित बंटवारा, तर्क संगत डेडलाइन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां तथा मनोवैज्ञानिक सहायता जैसे कदम अत्यंत आवश्यक हैं।

आज भी मतदाता सूची में संशोधन अथवा नए मतदाता के रूप में पंजीकरण करना, कागजी फॉर्म हो या ऑनलाइन प्रक्रिया- आम लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण है। देश में आधार, पैन, पासपोर्ट और बैंकिंग जैसी सेवाओं का व्यापक डिजिटलीकरण हो चुकने के बाद निर्वाचन आयोग अगर इन नियामक संस्थाओं के डाटा का प्रामाणिक उपयोग कर एक सरल, एकीकृत सत्यापन प्रणाली विकसित करता, तो मतदाता पंजीकरण न केवल सहज होता, बल्कि पुनरीक्षण प्रक्रिया भी अधिक कुशल और लगभग त्रुटिरहित बन सकती थी। फिलहाल केवल एक सप्ताह की समयवृद्धि से यह उम्मीद कि यह प्रक्रिया पूरी तरह सटीक और त्रुटिरहित हो जाएगी, व्यावहारिक नहीं। इससे इतना भर होगा कि कार्यकर्ताओं पर तात्कालिक दबाव घटेगा और कुछ हद तक गुणवत्ता में सुधार संभव है। बीएलओ की आत्महत्याओं पर रोक के लिए केवल समय बढ़ाना पर्याप्त नहीं, कार्यप्रणाली की समग्र समीक्षा और मानवीय दृष्टिकोण से बदलाव आवश्यक है।

प्रसंगवश

मौसम का पूर्वाकलन व नैतिकता का सवाल

इस बार बहुत ज्यादा सर्दी पड़ने वाली है, ऐसी खबरें मीडिया-सोशल मीडिया पर तैर रही हैं। गलत सूचनाओं से न सिर्फ लोगों का जीवन बल्कि इससे बाजार भी प्रभावित होता है। आने वाला मौसम कैसा होगा, इसकी सटीक भविष्यवाणी कर पाना इतना आसान नहीं है। ला-नीना फिनॉमीना का विगत का प्रीडिक्शन चार्ट और इसके बाद का घटनाक्रम देखने से मालूम होता है कि इसमें भविष्याकलन के बाद असली प्रभाव तीन-चौथाई या मिश्रित रहा है, जिसमें इलाका अथवा प्रभावित क्षेत्र बदल गया। प्रीडिक्शन के बारे में बताने के लिए एथिकल गाइडलाइन्स का ध्यान रखना जरूरी है। इसके पश्चात-प्रभावों पर किसी की नज़र नहीं पड़ती।

इस बार भीषण शीत रहेगी या नहीं रहेगी, यह जो जनवरी महीना

रनबीर सिंह
विज्ञान लेखक

बताएगा, जिसमें अभी एक महीने बाद का समय है। जो होगा वह 15 दिसंबर 2025 से 15 जनवरी 2026 के बीच मालूम हो जाएगा। हिमालय और इससे परे सुदूर उत्तर में रूस और चीन के इलाकों, हिमालय के हिमाच्छादित क्षेत्रों और भारत के मैदानी इलाकों के मौसम संबंधी असली आंकड़े देखने के बाद भारत में ला-नीना के असर के प्रकट होने के बाद ही इस बारे में कुछ कहना उचित होगा।

अभी से कह देना कि इस बार बहुत सर्दी पड़ेगी, उचित नहीं है। इस बार की सर्दी की ऋतु में कड़ाके की ठंढ होने या असल में हाड़ कंपाने वाली सर्दी पड़ने और नॉर्दन मोस्ट लैटिट्युड्स में इसके असर के बारे में ताज़ा वेदर रिपोर्ट्स का इंतजार करना नैतिकता का तकाज़ा है। मौसम के अल्पकालीन मिजाज़ के बारे में एक आकलन के बारे में कह देना काफी नहीं है, बल्कि वह एकदम से सत्य जैसा नहीं दिखना चाहिए बल्कि संभावना जैसा होना चाहिए। मास-मीडिया में सामान्य संभावना को बढ़ा-चढ़ा कर, अलंकारयुक्त शब्दों का प्रयोग करते हुए भय और रोमांच पैदा करना एक खबरनुमा टेक्स्ट को कथा-कहानी बना देता है। ब्लो-अप करने के प्रयास की इकॉनोमिक और सोशल कॉस्ट बहुत होती है। एथिक्स का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।

मौसम के बारे में विदेश से आई सूचना को आधार बना कर वस्तुस्थिति को जस का तस भारतीय मीडिया में चस्पा करना उचित नहीं है, बल्कि लोकल एक्सपर्ट्स और साइंटिस्ट्स से जान लेना जरूरी होता है। खेद है कि ऐसी ख़बरों के बारे में भारत का मौसम विज्ञान विभाग कोई टिप्पणी डिफेमेशन से बचने के लिए नहीं करता। उनकी अपनी वेबसाइट पर भी विदेशी जानकारी चस्पा रहती है, जिस पर उनकी कोई टिप्पणी नहीं होती।

ला-नीना के बारे में जानकारी को कुछ-कुछ देर बाद अप-डेट किया जाता है, जिससे मध्य और पश्चिमी प्रशांत महासागर और तापमान और इसके ऊपर के मौसम के मिजाज़ पर 24X7 निगरानी की जा रही है। सतत् निगरानी से ही मालूम होता है कि हालात बुरे या सामान्य हो सकते हैं। विदेश की खबर में, जिसे अनेक भारतीय चैनल्स ने उठाया है कि ऊपर की हवा मे 'रिवर्स गीयर' लग गया है, वह पहले भी अनेक बार लग चुका है। पृथ्वी की सतह से ऊपर होने वाली एक विशाल मशीनरी का यह नियमित व्यवहार है, जिसमें पोलर एयर करेंन्ट्स के भूमध्य रेखा के ऊपर उमड़ना-घुमड़ना एक सामान्य चर्या होती है। अमेरिका संचालित नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के आंकड़ों के अनुसार, जिसे भारत मौसम विभाग का अनुमोदन भी प्राप्त है, हवाएं पश्चिमी से पूर्वी दिशा में तेजी से उलट रही हैं, जो सामान्य से दो-तीन महीना पहले हो रहा है। खासतौर से इसकी वजह से ला-नीना भी प्रभावित होगा।

खर्चीली शादियां दिखावे की आखिर इंतेहा क्या है!

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

समय के साथ सामाजिक परिवर्तन एक निरंतर प्रक्रिया है। जो कल था वह अतीत। जो आज है वह समयानुकूल और संभावित कल ही भविष्य। परिवार, कुनबा, समुदाय व समाज की सोच में समयानुरूप बदलाव समीचीन भी। समुचित आय व धन प्रवाह ने बाजार की रूपरेखा भी परिवर्तित कर दी है, लेकिन भारतीय बाजार का अवलंब की मान्यता वाला मध्यम वर्ग जीवन के कुछ उद्देश्यों से कदाचित भटक सा गया है। नई पीढ़ी जिसने दिखावे को अपना 'जीवन दर्शन' मान लिया है। विशेषतया खर्चीली शादियों को, जो 'अंतहीन होड़' की ओर चल पड़ी है।

विवाह हमारी संस्कृति का अतिआवश्यक संस्कार माना जाता है, लेकिन वर्तमान में होने वाले शादी-विवाह एक संस्कार न होकर 'सेलिब्रेशन व फैशन' की भेंट चढ़ता दिख रहा है। वैवाहिक आयोजन आज पूर्णतया बाजारवाद की गिरफ्त में आ चुका है। टीवी सीरियल और सोशल माडिया के 'रील्स' में दिखाए जाने वाले वैवाहिक 'चोंचलेबाजी' आज अधिकांश घरों में देखने को मिल रही है। विवाह की रस्मों अर्थात हल्दी, मेहंदी, संगीत, जयमाला, सप्तपदी, फेरे व सिंदूर-दान आधुनिक दिखावे की भेंट चढ़ चुके हैं। ऐसे नितांत पारिवारिक आयोजनों को बाजार ने एक बड़ा इवेंट बना दिया है। वैवाहिक बंधन में बंधने के पूर्व प्री-वेडिंग व डेस्टिनेशन वेडिंग के नाम पर अंधाधुंध खर्च किया जाने लगा है। नृत्य-संगीत, महंगे ड्रेसेज, नाना प्रकार के व्यंजनों वाले लंच-डिनर और उपहारों के आदान-प्रदान से मध्यम वर्ग के 'पांव चादर से बाहर' हो रहे हैं।

समाज में दिखावे का जज्बा यह कि संबंधित परिवार कर्ज लेकर हैसियत से अधिक खर्च कर रहे हैं। अधिकांश गार्जियन तो अपने जीवन की पूरी जमा-पूंजी शादी के दिखावे में 'हवन' कर दे रहे हैं। दिखावटी विवाहोपरांत इस वर्ग में पारिवारिक कलह, बिखराव व भांति-भांति की परेशानियां घर कर जा रही हैं। कई परिवार तो कर्ज के दलदल में ऐसे धंस रहे, जहां से वे जीवनपर्यंत नहीं निकल पा रहे हैं। प्रतिष्ठा का प्रतीक बनती दिखावे वाली शादियां समाज के लिए 'नासूर' बनती जा रही हैं। सोशल मीडिया पर ट्रेंड करते वैवाहिक वीडियोज तो आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। ऐसा केवल शहरों में ही नहीं हो रहा, बल्कि अब गांवों में भी देखने को मिल रहा है।

स्मरण करें, 1970 के दशक की शादियां प्रायः परंपरागत ही होती थीं। उस दौर की शादियां आपसी प्रेम व सादगी का पर्याय मानी जाती थीं। शहरों में न तो रिसार्ट होते थे, न ही अनगिनत मैरेज हाल। अधिकांश वैवाहिक कार्यक्रम वधू पक्ष के घरों में या उसके आसपास टेंट लगाकर कम से कम खर्च में संपन्न हो जाया करते थे। अधिकांश वैवाहिक कार्यकम एक रात में ही संपन्न होते थे। हां, ग्रामीण क्षेत्रों में उस वक्त दो दिन के बरात का चलन अवश्य था, जिसमें वर-वधू पक्ष एक-दूसरे के प्रति आदर भाव और सहयोगात्मक रवैया अपनाते थे। रिश्तों में मर्यादा सर्वोपरि व अपनत्व का भाव स्तरीय था। कम खर्च में शादियां हो जाया करती थीं। वर-वधू के रिश्तों में स्थिरता होती थी, दांपत्य जीवन अनचाही है, मुश्किलों से परे दिखता था। वर्ष 1980 के दशक की शादियां औपचारिकता व भव्यता का मिश्रण थीं।

वर्तमान में होने वाली शादियां संस्कार नहीं, वरन इवेंट का स्वरूप धारण करती जा रही हैं। समाज में अनावश्यक दिखावे का प्रचलन बढ़ गया है। धनाढ्य वर्ग की तरह ही मध्यमवर्गीय भी उसी प्रकार का दिखावा कर अपने बच्चों की शादियां कर रहे हैं। ऐसी शादियों में तथाकथित 'इवेंट मैनेजरों' की तो चांदी हो गई है। वर-वधू को अनेकानेक रस्मों में कब और क्या करना है, वही निर्णय ले रहे हैं। अब अधिकांश वैवाहिक कार्यक्रम एक रात का न होकर दो से तीन दिन तक का हो गया है। हल्दी, मेंहदी, द्वारचार, जयमाल, फेरों व विदाई के मामलों में इवेंट मैनेजर ही निर्णायक भूमिका निभाते दिख रहे हैं।

वर-वधू का मेकअप, पहनावा, तात्कालिक रहन-सहन, इवेंट वाले ही तय कर रहे हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग का चलन तो अत्यंत खर्चीला हो चला है। शादियों में लकदक डेकोरेशन व जानदार आतिशबाजी के बीच राजसी वैभव, कैटरिंग के पर्दों से लेकर बर्तन तक भव्यतम हो चले हैं। सोशल मीडिया ने तो सामान्य परिवारों के लोगों को मानसिक रूप से धनाढ्य वर्ग के समीप ला खड़ा किया है। आज का वर-वधू 'नामचीन सेलिब्रिटी' की भांति ही विवाह करने का सपना देखता है। शादी के मंडप को फिल्मी सेट सरीखा बनाने को लालायित वह भूल जा रहा कि उक्त सेलिब्रिटी स्वयं के कमाए धन से खर्चीली शादियां कर रहे, अपना शौक पूरा कर रहे हैं। ब्याजखोरों, बैंक्स से महंगे ब्याज पर धन उधार लेकर अपनी शादी नहीं कर रहे।

शादी के स्थान की बात करें तो शहरों में छोटे बैंक्वेट, फाइव-स्टार हॉल से लेकर फार्महाउस तक, जगहों की कीमत अलग-अलग होती है। किसी बड़े होटल बैंक्वेट स्थल की कीमत सामान्यतया न्यूनतम सजावट, कैटरिंग आदि के साथ 20 से 30 लाख रुपये के मध्य तक तो होती ही है। कपड़ों व गहनों पर भी अमूमन 20 लाख रुपये खर्च हो ही जा रहे हैं। मध्यमवर्गीय परिवार अपने 'चादर का आकार' कदाचित भूलता जा रहा। परिणामस्वरूप 'मीडिया क्रेजी' शादियों में अनाप-शनाप खर्च कर कर्ज के जाल में फंस रहा है।

उन्हें खेती की जमीन, मकान, गहने तक को बेचना पड़ जा रहा है। शादी-विवाह पारिवारिक आयोजन होता है। इसे सादगीपूर्ण तरीके से ही संपन्न किया जाना चाहिए। रोज की जिंदगी में धन नितांत आवश्यक है, इसे बचाने की आवश्यकता है। इवेंट बनती शादियों में फिजूलखर्ची बुद्धिमानी तो कदापि नहीं है। मध्यमवर्गीय परिवारों को फिजूलखर्ची रोकने को चिंतन-मनन करना ही होगा। खास तौर पर संबंधित वर्ग के भावी वर-वधुओं को।

1970 के दशक की शादियां प्राय: परंपरागत ही होती थीं। उस दौर की शादियां आपसी प्रेम व सादगी का पर्याय मानी जाती थीं।

आमने

सभी से रिक्वेस्ट करूंगा कि जो मुद्दे हैं, उन पर सोचें। ड्रामा करने के लिए बहुत जगहें हैं। जो कोई भी ड्रामा करना चाहता है, कर सकता है। यहां ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए। यहां नारों पर नहीं, पॉलिसी पर जोर होना चाहिए।
–नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

सामने

चुनाव की स्थिति, एसआईआर और प्रदूषण बहुत बड़े मुद्दे हैं। पार्लियामेंट किस लिए है? मुद्दे उठाना ड्रामा नहीं है। ड्रामा का मतलब है, चर्चा न होने देना। ड्रामा का मतलब है उन मुद्दों पर डेमोक्रेटिक चर्चा न करना जो जनता के लिए मायने रखते हैं। –प्रियंका गांधी
कांग्रेस सांसद

हास्य का विषय नहीं हो सकते हैं दिव्यांग

रमेश सर्राफ
स्वतंत्र पत्रकार

देश की सर्वाच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से दिव्यांगों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी से निपटने के लिए कड़े कानून बनाने पर विचार करने को कहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने एसएमए क्योर फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से दिव्यांगों और दुर्लभ आनुवंशिक विकारों से ग्रस्त व्यक्तियों का उपहास करने वाली अपमानजनक टिप्पणियों को अनुसूचित जाति-अनुसूचित जन जाति अधिनियम की तर्ज पर दंडनीय अपराध बनाने के लिए एक कानून बनाने को कहा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायामूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉय माल्या बागची की पीठ ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अभद्र, आपत्तिजनक और अवैध सामग्री को नियंत्रित करने के लिए एक तटस्थ, स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय की आवश्यकता है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने इस बारे में पीठ को सूचित किया कि सरकार कुछ दिशा-निर्देश बनाने पर विचार कर रही है। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हास्य किसी की गरिमा की कीमत पर नहीं हो सकता। याचिका में इंडियाज गॉट लेटेंट के हॉस्ट समय रैना और सोशल मीडिया पर प्रभावशाली लोगों, विपुन गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर के चुटकुलों की निंदा की गई थी। अदालत ने उन्हें भविष्य में अपने आचरण के प्रति सावधान रहने का निर्देश दिया। पीठ ने हास्य कलाकार रैना और अन्य को दिव्यांग व्यक्तियों, विशेष रूप से स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए धन जुटाने के लिए दिव्यांग व्यक्तियों की सफलता की कहानियों पर प्रत्येक माह दो कार्यक्रम या शो आयोजित करने का भी निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि शारीरिक रूप से अशक्त लोगों के पास एक 'दिव्य क्षमता' है और उनके लिए 'विकलांग' शब्द की जगह दिव्यांग शब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने विकलांगों को दिव्यांग कहने की अपील की थी। इसके पीछे उनका तर्क था कि शरीर के किसी अंग से लाचार व्यक्तियों में ईश्वर प्रदत्त कुछ खास विशेषताएं होती हैं। विकलांग शब्द उन्हें हतोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश के लोगों ने विकलांगो को दिव्यांग तो कहना शुरू कर दिया, लेकिन लोगों का उनके प्रति नजरिया आज भी नहीं बदल पाया है। तीन दिसंबर को विकलांग दिवस मनाया जाता है। विश्व विकलांग दिवस पर इस वर्ष का विषय है, सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए विकलांगता समावेशी समाजों को बढ़ावा देना। यह विकलांग व्यक्तियों को अपने भाग्य को आकार देने और समाज में योगदान देने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाने के महत्व को रेखांकित करता है।

दुनिया में बहुत से ऐसे दिव्यांग हुए हैं, जिन्होंने अपने साहस, संकल्प और उत्साह से विश्व के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम लिखवाया है। शक्तिशाली शासक तैमूर लंग हाथ और पैर से शक्तिहीन था। मेवाड़ के राणा सांगा तो बचपन में ही एक आंख गंवाने तथा युद्ध में एक हाथ एक पैर तथा 80 घावों के बावजूद कई युद्धों में विजेता रहे थे। महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख बचपन से ही खराब थी। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सुधा चंद्रन के दांई टांग नहीं है। फिल्म गीतकार कृष्ण चंद्र डे तथा संगीतकार रविंद्र जैन देख नहीं सकते थे। पूर्व क्रिकेटर अंजन भट्टाचार्य मूक-बधिर थे। वर्ल्ड पैरा चैम्पियनशिप खेलों में झुंझुनू जिले के दिव्यांग खिलाड़ी संदीप कुमार और जयपुर के सुंदर गुर्जर ने भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के पांचवें दौर का पहला चरण 2019-20 में आयोजित किया गया था। एनएफएचएस जनसंख्या, परिवार नियोजन, बाल और मातृ स्वास्थ्य, पोषण, वयस्क स्वास्थ्य और घरेलू हिंसा से संबंधित प्रमुख संकेतकों पर अनुमान प्रदान करता है। एनएफएचएस-5 सर्वेक्षण से एकत्र किए गए द्वितीयक डेटा के भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद प्रकाशन के विश्लेषण के अनुसार भारत में विकलांग लोगों की कुल व्यापकता जनसंख्या का 4.52 प्रतिशत है। यह डेटा दर्शाता है कि भारत में लगभग छह करोड़ 32 लाख 80 हजार लोग किसी न किसी प्रकार की विकलांगता के साथ जीवन यापन करते हैं। लोकोमोटर (गतिशील) विकलांगता सभी विकलांगताओं में सबसे आम है, इसके बाद मानसिक और वाक् (बोलने से संबंधित) विकलांगताएं हैं।

भारत में आज भी दिव्यांगता प्रमाण पत्र हासिल करना किसी चुनौती से कम नहीं है। सरकारी कार्यालयों और अस्पतालों के कई दिनों तक चक्कर लगाने के बाद भी लोगों को मायूस होना पड़ता है। हालांकि सरकारी दावे कहते हैं कि इस प्रक्रिया को काफी सरल बनाया गया है, लेकिन हकीकत इससे काफी दूर नजर आती है। दिव्यांगता का प्रमाणपत्र जारी करने के सरकार ने जो मापदंड बनाए हैं। अधिकांश सरकारी अस्पतालों के चिकित्सक, उनके अनुसार दिव्यांगों को दिव्यांग होने का प्रमाण पत्र जारी ही नहीं करते हैं, जिसके चलते दिव्यांग व्यक्ति सरकारी सुविधाएं पाने से वचिंत रह जाते हैं। दिव्यांग लोगों के प्रति अपनी सोच बदलने का समय आ गया है।

समय रैना एक बार फिर विवादों में है। यह विवाद शुरू हुआ एक कार्यक्रम में दिव्यांगों का मजाक बनाए जाने पर। सुप्रीम कोर्ट ने उनसे भविष्य में अपने आचरण के प्रति सावधान रहने को कहा है।

सोशल फोरम

पांडव पुत्रों का पालन और आज की पैरेंटिंग

महाभारत में एक गहरा प्रसंग आता है। पांडु की मृत्यु के बाद कुंती और माद्री दोनों सती होना चाहती थीं, पर माद्री ने कहा, "यदि आप सती हो गईं और मैं रह गई, तो मैं आपके तीनों बच्चों का पालन वैसे

नीलेश गुप्ता
ब्लॉगर

नहीं कर पाऊंगी, जैसे आप कर सकती हैं। अगर मैं सती हो जाऊं और आप रहें, तो आप मेरे दोनों बच्चों- नकुल और सहदेव को भी अपने ही बच्चों की तरह पाल लेंगी। दुनिया यही मानेगी कि कुंती के पांच पुत्र हैं।"

हुआ भी यही। एक स्त्री, अभाव, जंगल, संघर्ष और विधवापन, इन सभी परिस्थितियों में पांच ऐसे पुत्र तैयार करती है, जो आगे चलकर 'धर्म के स्तंभ' कहलाते हैं। जिस दिन भगवान को यह निर्णय करना पड़ा कि वे किसके पक्ष में खड़े होंगे, भगवान ने पांडवों का पक्ष चुना, क्योंकि एक स्त्री ने कठिनाइयों में भी सही 'लालन–पालन' किया था। दूसरी ओर हस्तिनापुर में धृतराष्ट्र जन्मांध थे और गांधारी ने भी अपने पति की परिस्थिति देखकर अपनी आंखों पर स्वेच्छा से पट्टी बांध ली। जब घर में पिता पहले से नेत्रहीन हो और मां भी पट्टी बांधने का निर्णय ले ले तो, यह भी लालन–पालन का ही परिणाम है। महाभारत यह सिखाती है कि पालन-पोषण केवल शरीर पालना नहीं, बल्कि चरित्र, विवेक और भविष्य बनाना है।

यही बात आज हमें समझ नहीं आती। जब मैं क्लास 3–4 में था, हमें सिर्फ एक पेंसिल दी जाती थी। दूसरी पेंसिल तभी मिलती थी, जब पहली पूरी खत्म हो जाए और उसका फिज़िकल प्रूफ दिखाना पड़े। अगर पेंसिल खो जाए, तो नई पेंसिल नहीं मिलती, उल्टा डांट मिलती। इसी से हमने कम में मैनेज करना, पेंसिल बचाकर चलाना, दोस्तों से शेयर करना और हर चीज़ का मूल्य समझना सीखा। हम धीरे-धीरे रिसोर्सफुल बनते गए।

और आज? बच्चे रोज़ पेंसिल खो देते हैं और माता-पिता बिना पूछे रोज़ नई पेंसिल थमा देते हैं। बच्चे को न यह पता है कि चीज़ कहां से आती है? न इसका मूल्य क्या है? न जिम्मेदारी क्या होती है? अगर एक दिन पैरेंट कह दे, "आज नई पेंसिल नहीं मिलेगी"

महाभारत आज भी यही सिखाती है, पैरेंटिंग भविष्य बनाती है। कुंती ने अभावों में भी पांच धर्म–पुत्र बनाए। गांधारी ने आंखें बंद कर लीं। आज हम क्या कर रहे हैं? हम बच्चों को हर मुश्किल से बचा रहे हैं और इसी में उन्हें कमजोर बनाते जा रहे हैं। पैरेंटिंग का मतलब सुविधाएं देना नहीं, संस्कार, जिम्मेदारी और संघर्ष–क्षमता देना है।

सामयिकी

इन्हें काम नहीं कलम और किताब चाहिए

यूनीसेफ के एक सर्वे के अनुसार विश्वभर में 150 मिलियन बाल श्रमिक हैं। विश्व में बाल श्रमिकों की सबसे अधिक संख्या भारत में है। एक आकलन के अनुसार भारत में लगभग 33 मिलियन बाल श्रमिक हैं। फैक्टरियों, होटलों, रेस्टोरेंट, बागानों में काम करते, बोझा ढोते तथा जूते साफ करते बच्चे क्या बन पाते हैं-अशिक्षित, असमर्थ और साधनविहीन नागरिक, जो दूसरों की मर्जी के मुताबिक काम करने को मजबूर हैं। घर की जिम्मेदारी उठाने के लिए विभिन्न जोखिम भरे कार्यों में लगे दस-बारह वर्षीय बालक हमारे प्रजातंत्र के समानता के अधिकार को खुली चुनौती हैं। यह बाल श्रमिक हमारी आर्थिक प्रगति के खोखलेपन को भी सिद्ध करते हैं।

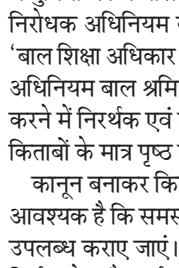

सुरेश बाबू मिश्रा
साहित्यकार

अनेकों मजदूर दिवस आए और चले गए। बाल श्रम को रोकने के लिए कानून बने। बाल श्रमिकों के लिए अनेकों कल्याणकारी योजनाएं बनीं। परंतु ग्यारह वर्षीय भोला के जीवन में इन सबसे कोई परिवर्तन नहीं आया। उसके नन्हे-नन्हे हाथ पूरे दिन लोगों के सैंडिल एवं जूते चमकाते रहते हैं। कभी-कभी अधिक रुपये पाने की लालसा में वह अपनी इकलौती कमीज से ही बाबू लोगों के जूते चमकाने लगता है। पांच रुपये के स्थान पर दस रुपये मिल जाने पर भोला के चेहरे पर ऐसी चमक आ जाती है, मानो उसे दुनिया भर की दौलत मिल गई हो।

प्रेस किए हुए कपड़े घर-घर पहुंचाने के लिए दस वर्षीय हरनाम गली-गली चक्कर काटता रहता है। तीसरी कक्षा के बाद ही उसके पिता ने उसकी पढ़ाई छुड़वा कर उसे काम में लगा दिया। रंग-बिरंगे चमकदार कपड़ों को हरनाम बड़ी हसरत भरी निगाहों से छू-छू कर देखता है। उसके बालमन में भी अच्छे कपड़े पहनने की इच्छाएं मचलती हैं, मगर उसका मजबूर बाप उसे साल में केवल दो जोड़ सस्ते कपड़े ही बनवा पाता है। कई बार तो उसे दूसरे लोगों की उतरन से ही काम चलाना पड़ता है।

घरेलू कार्यों के अतिरिक्त देश में बीड़ी, दियासलाई, सूती वस्त्रों के कारखानों, जूट मिलों, चाय के बागानों, पीतल उद्योग, कलई उद्योग, चूड़ी उद्योग, कालीन उद्योग तथा कार एवं आटो रिपेयर सेंटरों में लाखों बाल श्रमिक काम करते हैं। इन उद्योगों में बाल श्रमिक बुरी तरह शोषित होते हैं। अल्प वेतन, अत्याधिक कार्य, दोषपूर्ण वातावरण, अनैतिक एवं अमानवीय शोषण बाल श्रमिकों की मुख्य समस्याएं हैं।

भारत सरकार द्वारा बाल श्रम को नियंत्रित करने तथा बाल श्रमिकों को अधिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए सन् 1953 में 'बाल अधिनियम' तथा सन् 1958 में 'कारखाना अधिनियम' बनाए गए। सन् 1975 में बंधुआ मजदूरी पर प्रतिबंध लगा दिया गया। सन् 2002 में दुनिया भर में बालश्रम को रोकने के लिए यूनीसेफ द्वारा बाल श्रम निरोधक अधिनियम बनाया गया। भारत सरकार द्वारा सन् 2009 में 'बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम पूरे देश में लागू किया गया। परंतु यह अधिनियम बाल श्रमिकों की दशा सुधारने एवं बाल श्रम को नियन्त्रित करने में निरर्थक एवं खोखले सिद्ध हुए हैं। यह अधिनियम कानून की किताबों के मात्र पृष्ठ बनकर रह गए हैं।

कानून बनाकर किसी समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता। आवश्यक है कि समस्या के समाधान के लिए पर्याप्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। बाल श्रम की मुख्य समस्या इनके मां-बाप का निर्धन होना है। वर्तमान समय में भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है, परंतु इसके बावजूद देश के 29 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से नीचे का जीवन यापन करने को मजबूर हैं। आर्थिक विषमता की बढ़ती खाई भी बाल श्रम का प्रमुख कारण है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

परमसत्ता से जुड़ने की प्रक्रिया है अध्यात्म

अध्यात्म पथ स्वयं को समग्र रूप से जानने की, उस परमसत्ता से जुड़ने की तथा आत्म परिष्कार एवं आत्म विस्तार की प्रक्रिया है। कितने ही लोग इस पथ पर चल पड़ते हैं। बड़े उत्साह के साथ शुरुआत करते हैं। फिर रास्ते में ही कुछ हिम्मत हार बैठते हैं। कुछ सांसारिक राग-रंग को ही सब कुछ मान बैठते हैं। कुछ संकीर्ण स्वार्थ-अहंकार के धंधे में उलझकर, जीवन के आदर्श से समझौता कर बैठते हैं। कुछ आलस्य-प्रमाद में भ्रमित होकर बहुमूल्य जीवन को यों ही बर्बाद कर देते हैं। इसमें प्रायः इस समझ का अभाव मुख्य कारक रहता है कि अध्यात्म चेतना के परिष्कार का विज्ञान है, जिसमें जन्म-जन्मांतरों से मलिन चित्त एवं भ्रमित मन के साथ वास्ता पड़ रहा होता है। अचेतन मन के महासागर को पार करते हुए चेतना के शिखर का आरोहण करना होता है। आगे बढ़ना होता है।

निःसंदेह मार्ग कठिन है। दुरूह है। पूर्व में कृत कर्मराशि जब पहाड़ जैसा चट्टानी अवरोध बनकर राह में खड़ी हो जाती है, तो साधक की आस्था डांवाडोल हो जाती है। सस्ती पूजा-पत्री, भोग-चढ़ावे व चिह्न पूजा के सहारे धर्म-आध्यात्म के पथ पर बहुत कुछ बटोरने के फेर में चला पथिक मार्ग में ही धराशाई हो जाता है। यहां तक कि नास्तिक हो जाता है और भगवान तथा समर्थ गुरु तक को कोसने लगता है। जबकि धर्म-अध्यात्म पथ का अपना विधान है, विज्ञान है। इसकी थोड़ी सी भी समझ साधक को राजमार्ग से विचलित नहीं होने देती। वह पगडंडियों में नहीं उलझता। धर्म-अध्यात्म की शुरुआत धार्मिकता की प्राथमिक कक्षा से होती है, जिसमें पूजा-पाठ से लेकर कर्मकांड का सहारा लिया जाता है, लेकिन स्वाध्याय एवं आत्मचिंतन के साथ साधक की समझ भी सूक्ष्म होती जाती है। आस्तिकता के भाव के जाग्रत के साथ, श्रद्धा-निष्ठा परिपक्व होती है। इसी तैयारी के बाद अध्यात्म की कक्षा में प्रवेश मिलता है।

डॉ. प्रदीप द्विवेदी 'रमण'
आध्यात्मिक लेखक

आश्चर्य नहीं कि अध्यात्म पथ पर चलने वाले ऋषियों ने इसे छुरे की धार पर चलने के समान दुस्साध्य बताया है, लेकिन इस विकट पथ का वरण करने वाले मुमुक्षु पथिकों ने भी कब हार मानी है। मार्ग की दुरूहता को जानते हुए भी अंतस की पुकार के बल पर वे हर युग में इस पथ का संधान करते रहे हैं। किसी समर्थ के अवलंबन के साथ अपार धैर्य, अनंत श्रद्धा और अनवरत प्रयास के साथ अभीष्ट को सिद्ध करते रहे हैं। निःसंदेह समर्थगुरु (पूर्णगुरु) का अवलंबन कार्य को और सरल बना देता है। हमारा परम सौभाग्य है कि अवतारी गुरुसत्ता का सानिध्य हमें मिला। हमारे गुरुवर के सिद्धसूत्रों के साथ अध्यात्म का व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक स्वरुप हमारे लिए सहज सुलभ है, लेकिन इनको जीवन में वरण करने, धारण करने के लिए साहस, निष्ठा एवं तैयारी की न्यूनतम मांग है। आखिर हर मांग अपनी कीमत मांगता है, जो चीज जितनी कीमती होती है, उसका उतना ही मूल्य भी चुकाना होता है। एक किसान, व्यापारी व विद्यार्थी तन-मन व धन की सारी पूंजी झोंक देता है। तब कहीं जाकर समस्त सुख-सुविधाओं को त्यागते हुए एकांतिक प्रयास एवं निष्ठा के बल पर अभीष्ट मंजिल तक पहुंचता है। इसी प्रकार आध्यात्म पथ भी अपनी कीमत मांगता है, जिसमें चित्त-चेतना की शुद्धि एवं परिष्कार मुख्य है। स्वयं को गलाकर-मिटाकर सब कुछ पाने की कला अध्यात्म है। इसमें सबसे पहले चित्त का परिष्कार करना होता है। इसी के साथ जन्मों से अज्ञान के परदे में ढका आत्मज्ञान का सूर्य प्रकाशित होता है और अपने ईश्वरीय अस्तित्व का बोध कराता है। वैसे तो समर्थगुरु (पूर्णगुरु) एवं परमात्मा की कृपा तो सदा ही उनकी सभी संतानों पर अनवरत रुपों में बरसती रहती है। इसको ग्रहण करने व धारण करने की क्षमता का अभाव ही मुख्य कारण है कि अधिकांशतया जीवन इनसे रीता रह जाता है। जिस मात्रा में साधक-शिष्य इसको धारण कर पाता है, उसी अनुपात में उसका आत्मिक विकास होता है। अध्यात्म विज्ञान का कार्य अंततः जीवन का कायाकल्प है। मनुष्य में देवत्व का उदय है। यह उसकी अंतर्निहित दिव्य संभावनाओं व क्षमताओं का जागरण एवं विकास है।

आत्मकल्याण के साथ लोक-कल्याण

चित्त के प्रक्षालन के साथ इसका परिष्कार प्रारंभ होता है, जो स्वयं में समयसाध्य एवं कष्टसाध्य प्रक्रिया है। अपार धैर्य, अटूट श्रद्धा एवं निरंतर प्रयास के साथ यह कार्य संपन्न होता है। बार-बार असफलता के बाद भी साधक हिम्मत नहीं हारता और बार-बार प्रयास करता है। हजार असफलताओं के बाद हजार बार प्रयास करने का जीवट और हर हार के बाद पुनः उठकर आगे बढ़ने का अदम्य साहस अध्यात्म पथ को परिभाषित करता है। अध्यात्म पथ पर अभीष्ट को उपलब्ध सभी साधकों के जीवन दृष्टांत इसी सत्य की गवाही देते हैं। परमपूज्य गुरुदेव ने इसके निमित्त आत्मनिरीक्षण, आत्मसमीक्षा, आत्मसुधार व आत्मनिर्माण की प्रक्रिया का प्रतिपादन किया है। दैनिक जीवन में आत्मबोध से लेकर तत्वबोध की व्यावहारिक साधना को बताया है, जिसमें संयम, स्वाध्याय और सेवा के साथ उपासना, साधना, आराधना की त्रिवेणी में अवगाहन करना पड़ता हैं। परमपूज्य गुरुदेव का यह मार्गदर्शन साधक को अपनी स्थिति के अनुरूप सीखने को प्रेरित करता है और देर-सवेर आध्यात्म पथ पर चलते हुए आत्मकल्याण के साथ लोक-कल्याण के महान उद्देश्य को पूर्ण करता है।

गुरुदेव व दैवी कृपा साथ रहते हुए भी साधक को एकाकी ही इस पथ को पार करना होता है। अपनी अंतरात्मा की पुकार पर आध्यात्म पथ पर आरूढ़ साधक इस मार्ग का सहर्ष वरण भी करता है। इसके लिए पथ के काटों की चिंता नहीं करनी। लोग क्या कहते हैं और क्या करते हैं, इसकी चिंता कौन करे? गुरुकृपा से अपनी आत्मा ही मार्गदर्शन के लिए पर्याप्त है। लोग अंधरे में भटकते हैं। भटकते रहें। हम अपने विवेक के प्रकाश का अवलंबन कर स्वतः ही आगे बढ़ेंगे। कौन विरोध करता है, कौन समर्थन इसकी गणना क्या करनी हमें? अपनी अंतरात्मा, अपना साहस अपने साथ है और हम वही करेंगे, जो करना अपने जैसे सजग साधकों के लिए उचित और उपयुक्त है।

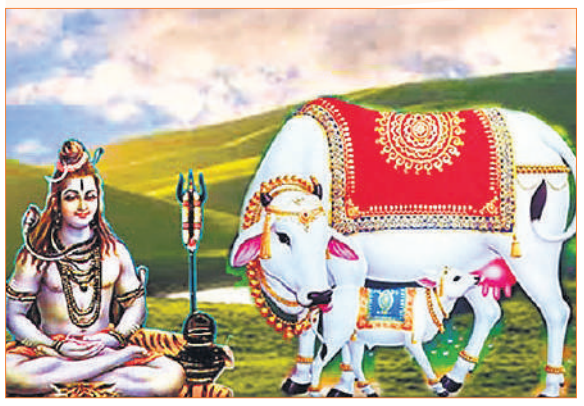

पौराणिक कथा

वृषभध्वज और गौ माता

महाभारत अनुशासन पर्व में वृषभ ध्वज की कथा आती है। एक बार गौ माता सुरभि का बछड़ा दूध पी रहा था। दूध पीते हुए बछड़े के मुख पर दूध की झाग लग गई। वही झाग हवा से उड़कर भगवान शंकर के मस्तक पर जा गिरी। ऐसा होने पर भगवान शिव कुछ क्रोधित हो गए। उस समय प्रजापति जी ने भगवान शंकर से कहा, "हे प्रभु! आपके मस्तक पर, जो दूध का छींटा पड़ा है। वह अमृत है। बछड़ों के पीने से गाय का दूध जूठा नहीं होता। जैसे अमृत का संग्रह करके चंद्रमा उसे बरसा देता है, वैसे ही रोहणी गायें भी अमृत से उत्पन्न दूध को बरसाती हैं। जैसे वायु, अग्नि, सुवर्ण, समुंद्र और देवताओं का पिया हुआ अमृत, कभी जूठे नहीं होते, वैसे ही बछड़ों को पिलाती हुई गौ भी कभी दूषित नहीं होती। ये गौमाता अपने दूध-घी से समस्त जगत का पोषण करती हैं। सभी लोग इन गौओं के अमृतमय पवित्र दूध रुपी ऐश्वर्य की इच्छा करते हैं।" तत्पश्चात प्रजापति जी ने महादेव जीको बहुत सी गौ और एक बैल दिया। इस पर शिवजी ने प्रसन्न होकर वृषभ अर्थात बैल को अपना वाहन बनाया और अपनी ध्वजा को उसी वृषभ के चिह्न से सुशोभित किया। इसी से उनका नाम 'वृषभ ध्वज' पड़ा। फिर देवताओं ने महादेव जी को पशुओं का स्वामी बना दिया और गौओं के बीच में उनका नाम 'वृषांक' रखा गया। **-फीचर डेस्क**

संस्कार: आध्यात्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यबोध

'संस्कार' मात्र धार्मिक कर्मकांड ही नहीं अपितु मानव जीवन के सर्वांगीण विकास का आधार है। यह मानव जीवन के सामाजिक, धार्मिक, नैतिक एवं शैक्षिक मूल्यों को एक दिशा प्रदान करता है, जिसके आधार पर व्यक्ति दैहिक एवं भौतिक विकास के साथ ही सुव्यवस्थित एवं सुसंस्कृत जीवनयापन करता है। संस्कारों का विधान अलौकिक पृष्ठभूमि में किया गया है तथा इनकी उत्पत्ति में मानवीय प्रवृत्तियों का विशेष येगदान माना गया है, जिनका आधार आध्यात्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यबोध है।

डॉ. रज्जन कुमार
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

संस्कार अपनी प्रकृति के अनुसार पूर्वभव, वर्तमान जीवन एवं मृत्यु के पश्चात् भी गतिशील रहते हैं। संस्कृत साहित्य में मानव जीवन के इन विविध क्रमों से संबंधित संस्कार के कई प्रकार मिल जाते हैं। यद्यपि संस्कारों के भेद एवं उनके नामों के लेकर विद्वानों मे मतैक्य नहीं है फिर भी इस दिशा में एक रुपता लाने के प्रयास विद्वानों द्वारा समय-समय पर अवश्य हुए हैं। विद्वानों का इस दिशा में किया गया यह प्रयास ही संस्कारों को सुनियोजित एवं व्यावहारिक मूल्य प्रदान कर सका है। वर्तमान में मुख्य संस्कारों की संख्या कुछ नाम भेद के साथ 16 बताई गई हैं, जैसे-गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, चूड़ाकरण, अन्नप्राशन, कर्णवेध, विद्यारम्भ, उपनयन, वेदारम्भ, केशान्त, समावर्तन, विवाह एवं अन्त्येष्टि-श्राद्ध। इन षोडश संस्कारों में कुछ संस्कार आज भी भारतीय जनमानस में अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाए हुए हैं। जातकर्म, नामकरण, अन्नप्राशन, कर्णवेध, उपनयन, विवाह एवं अंत्येष्टि-श्राद्ध आदि संस्कारों में से उपनयन एवं विवाह संस्कार का सामाजिक जीवन के लिए तो महत्व अधिक है, परंतु इसके पीछे धार्मिक एवं आध्यात्मिक मूल्य का अभाव दृष्टिगोचर होता है। मृत्यु अथवा अन्त्येष्टि संबंधी संस्कार के पीछे धार्मिक एवं आध्यात्मिक मूल्य की प्रधानता होती है। अतः यह कहा जा सकता है कि संस्कार संबंधी क्रियाओं को स्वीकार करने के पीछे भारतीय जनमानस में धार्मिक संचेतना के साथ-साथ आध्यात्मिक एवं सामाजिक मूल्य की पृष्ठ भूमि भी गतिमान रही है। अतः हमें यह स्वीकार करने में कोई संशय नहीं रह जाता है कि आज भी संस्कार पहले की भांति धार्मिक एवं सामाजिक धरातल पर अपना अस्तित्व बनाए हुए है।

व्यक्ति के जीवन की संपूर्ण शुभ तथा अशुभवृत्ति उसके संस्कारों के अधीन है। इनमें से कुछ संस्कार तो जातक अपने पूर्वभव के साथ लाता है तथा कुछ को वर्तमान जीवन की परिस्थितियों के वशीभूत होकर प्राप्त करता है एवं कुछ संस्कार उसकी मृत्यु के बाद भी कार्यरत रहते हैं।

व्यक्ति के जीवन की संपूर्ण शुभ तथा अशुभवृत्ति उसके संस्कारों के अधीन है। इनमें से कुछ संस्कार तो जातक अपने पूर्वभव के साथ लाता है तथा कुछ को वर्तमान जीवन की परिस्थितियों के वशीभूत होकर प्राप्त करता है एवं कुछ संस्कार उसकी मृत्यु के बाद भी कार्यरत रहते हैं। इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि संस्कार पूर्वभव, वर्तमान जीवन एवं मृत्यु के पश्चात् भी गतिशील रहते हैं, जिनका मानव जीवन में अपना महत्व एवं मूल्य बना हुआ है। भारतीय संस्कृति में तीन प्रकार के शरीरों का वर्णन हुआ है-सूक्ष्म शरीर, स्थूल शरीर एवं कारण या लिंग शरीर। इनमें स्थूल शरीर के द्वारा कृत कार्यों का समापन मृत्यु के उपरांत सूक्ष्म शरीर के द्वारा भी किया जाता है। तात्पर्य यह है कि सूक्ष्म शरीर प्राप्त होने पर भी स्थूल शरीर द्वारा कृतकर्म क्षय को प्राप्त नहीं होते तथा पुनः जन्म लेने के बाद सूक्ष्म शरीरस्थ संस्कारों को व्यक्ति अपने क्रिया क्षेत्र में लाता है। क्योंकि प्रकृति के सूक्ष्म तत्वों से सभी प्रकार के शरीर बनते हैं, जो स्वरूपतः भौतिक हैं। अतः भौतिक पदार्थों से निर्मित शरीर को भैतिक सुखों की आवश्यकता होती है। सूक्ष्म शरीर द्वारा किए गए कार्यों का संबंध स्थूल शरीर से होता है, जो हमारे मस्तिष्क में तथा स्थूल शरीर में व्याप्त हो जाते हैं, जो कि अन्य जन्मांतरों में साथ-साथ होने के कारण स्थूलशरीर द्वारा भोगे जाते हैं। सूक्ष्मशरीर की सत्ता का प्रमाण शास्त्रों में बहुधा प्राप्त होता है तथा बिना स्थूलशरीर के हम सब कुछ जान लेते हैं। उदाहरण स्वरूप जैसे नासिका के सामने कोई पुष्प लाया जाए तथा घ्राणेन्द्रिय का निरोध करके कान से यदि हम सूंघने का प्रयास करते हैं, तो कान रूपी इंद्रिय उस पुष्प की सुगंध को ग्रहण नहीं कर सकती। योगी लोग सूक्ष्म शरीर के स्थूल शरीर से पृथक कर सकते हैं तथा पुनः नए शरीर में भी प्रवेश कर सकते हैं। इस प्रकार वह स्वभावतः संस्कारों के भी बदल देते हैं। संस्कृत साहित्य में संस्कारों से संबद्ध परंपराओं एवं मान्यताओं का यथा स्थान विवेचन हुआ है, जिनसे यह संकेत मिलता है कि इस संसार में लौकिक एवं अलौकिक शक्तियां हैं, जिनके मध्य अटूट संबंध है, जो मानव जीवन को एक प्रेरणा प्रदान करता हैं। संस्कार यहां एक प्रेरकतत्व के रूप में विकसित हुआ है, जो मनुष्य को कई प्रकार की लौकिक एवं अलौकिक शक्तियों से युक्तकर उसके जीवन में सुख-शांति का आधान करता है। संस्कार जीवन के विभिन्न अवसरों पर संपन्न एवं आयोजित किए जाते हैं। तदनुसार ये अवसर एवं जीवन को महत्व एवं पवित्रता प्रदान करते हैं। संस्कार कदाचित् जीवन की घटनाओं के प्रति मनुष्य के भीतर व्याप्त उदासीनता को कम करने की प्रेरणा प्रदानकर जीवन के विकास के क्रम को महत्व प्रदान करउसे एक सामाजिक मूल्य प्रदान करते हैं। मनुष्य को इस बात का बोध हो जाता है कि जीवन की घटनाएं मात्र शारीरिक क्रियाओं का नाम नहीं अपितु एक चिरंतन प्रवाह है, जिनमें सामाजिक संचेतना है, आध्यात्मिक उत्क्रांति है तथा सांस्कृतिक मूल्य के संरक्षण का भाव है।

बोधकथा

ज्ञान कक्षा का मोहताज नहीं

एक समय की बात है, एक विद्यार्थी पढ़ाई में अत्यंत होशियार माना जाता था। उसकी लगन और समझदारी की चर्चा पूरे विद्यालय में थी, लेकिन अचानक वह एक गंभीर बीमारी की चपेट में आ गया। कई दिनों तक बिस्तर पर रहने के कारण उसकी विद्यालय में उपस्थिति बहुत कम हो गई। स्थिति ऐसी बन गई कि वह परीक्षा में बैठने की शर्त भी पूरी न कर सका।

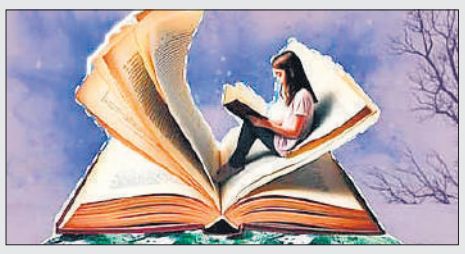

यह बात उसके लिए अत्यंत चिंता का विषय बन गई। उसे लगने लगा कि अब एक साल पीछे रह जाना तय है। उसका मन घबराहट और निराशा से भर गया। अंततः अपने मन का बोझ हल्का करने के लिए वह प्रख्यात विद्वान और मार्गदर्शक मदन मोहन मालवीय जी के पास पहुंचा। विद्यार्थी ने कांपती आवाज में अपनी व्यथा रखी, "बाबूजी, मैं बीमारी के कारण परीक्षा में नहीं बैठ पाऊंगा। लगता है मुझे एक साल और उसी कक्षा में रहना पड़ेगा।" मालवीय जी बड़े ध्यान से उसकी बातें सुनते रहे। फिर अत्यंत शांति से बोले, "एक बात बताओ बेटा, पढ़ना अच्छी चीज है या बुरी?"

विद्यार्थी ने तुरंत उत्तर दिया, "अच्छी चीज है।" मालवीय जी मुस्कुराए और बोले, "तो फिर पढ़ने से डर कैसा? विद्यार्थी को दर्जे का, कक्षा का, साल का इन सबका विचार छोड़कर पूरे मन से सीखने पर ध्यान देना चाहिए। ये दर्जे तो मनुष्य ने अपने सुविधा के लिए बना दिए हैं, ज्ञान इन्हें नहीं मानता।" उनकी बात सुनकर भी विद्यार्थी का चेहरा उदास बना रहा। उसकी मायूसी देखकर मालवीय जी ने गहरी आवाज़ में समझाया, "मेरा विश्वास मानो, असली पढ़ाई स्कूल और कॉलेज की चार दीवारों में सीमित नहीं रहती। जिन्हें सचमुच पढ़ना होता है, वे हर परिस्थिति में सीखते हैं। विद्या पाने के लिए तपस्या करनी पड़ती है और यह तपस्या जीवनभर चलती है। दुनिया के अनुभव, परिस्थितियां, कष्ट- यही सबसे बड़े गुरुकुल हैं, जिसे सीखने की आग होती है, उसके लिए साल पीछे रह जाना कोई बाधा नहीं।" वे आगे बोले, "जीवन में हमें बहुत-सी बातें किताबों से नहीं, बल्कि परिस्थितियों से सीखने को मिलती हैं। बीमारी, कठिनाइयां, संघर्ष-ये सब भी शिक्षक हैं। इसलिए यदि तुम सचमुच विद्वान बनना चाहते हो, तो दर्जे की चिंता छोड़कर ज्ञान का पथ पकड़े रहो।" मालवीय जी के इन शब्दों ने विद्यार्थी के मन का बोझ हल्का कर दिया। उसे समझ आ गया कि पढ़ाई सिर्फ परीक्षा पास करने का साधन नहीं, बल्कि जीवन को सही दृष्टि देने वाली साधना है। वह नए उत्साह से भरकर वापस लौटा। सच यही है, जो सीखने वाला हृदय रखता है, उसके लिए हर दिन, हर अनुभव, हर संघर्ष एक नई पाठशाला बन जाता है। यही इस कथा का संदेश है।

-नृपेन्द्र अभिषेक नृप

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,641.90	26,175 .75
गिरावट	64 .77	27 .20
प्रतिशत में	0 .08	0 .10

सोना 1,33,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,77,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 2 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

एसडब्लूआरईएल को 1,381 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली। स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एसडब्ल्यूआरईएल) को गुजरात में अडाणी ग्रीन एनर्जी से 1,381 करोड़ का ठेका मिला है। एसडब्लूआरईएल ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया कि उसने गुजरात के खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क में आने वाली तीन सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) से 1,381 करोड़ का बैलेंस ऑफ सिस्टम (बीओएस) ठेका हासिल किया है। खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा केंद्रों में से एक है। एसडब्लूआरईएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (वैश्विक) चंद्र किशोर ठाकुर ने इसकी जानकारी दी।

मीशो आईपीओ की राशि से देगी वेतन

नई दिल्ली। सॉफ्टबैंक समर्थित ई-कॉमर्स कंपनी मीशो की योजना आईपीओ से प्राप्त 480 करोड़ का उपयोग कृत्रिम मेधा (एआई) एवं प्रौद्योगिकी टीमों के वेतन के भुगतान के लिए करने की है। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से जुड़े दस्तावेजों से इसकी जानकारी मिली। इस खुलासे के बाद सोशल मीडिया पर इस बात पर बहस छिड़ गई है कि क्या आईपीओ से हासिल राशि का ऐसा (कर्मचारियों के वेतन पर खर्च) उपयोग चिंताजनक होना चाहिए या यह प्रौद्योगिकी प्रतिभा पर दीर्घकालिक दांव लगाने का संकेत है। आईपीओ से प्राप्त राशि के उपयोग का विवरण देते हुए कंपनी ने बताया कि 480 करोड़ हमारी अनुषंगी कंपनी मीशो टेक्नोलॉजीज द्वारा एआई व प्रौद्योगिकी विकास को मशीन लर्निंग तथा एआई एवं प्रौद्योगिकी दलों के कर्मचारियों को वेतन के लिए निर्धारित किए गए हैं।

अकासा एयर को सुरक्षा ऑडिट पंजीकरण मिला

नई दिल्ली। अकासा एयर ने सोमवार को कहा कि उसे आईएटीए का परिचालन सुरक्षा ऑडिट (आईओएसए) पंजीकरण प्राप्त हो गया है। अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) द्वारा स्थापित, आईओएसए को एयरलाइन के परिचालन प्रबंधन और नियंत्रण प्रक्रियाओं का आकलन करने को तैयार है। इस व्यापक ऑडिट में उड़ान संचालन, इंजीनियरिंग और रखरखाव, केबिन संचालन, ग्राउंड संचालन, कार्गो, सुरक्षा और संगठनात्मक प्रबंधन प्रणालियों सहित प्रमुख परिचालन क्षेत्र शामिल हैं। आईएटीए एक वैश्विक एयरलाइन समूह है।

आईआईपी में वृद्धि दर 13 माह के निचले स्तर पर

अक्टूबर में औद्योगिक उत्पादन वृद्धि सुस्त पड़कर 0.4% पर आई

- एनएसओ के अनुसार, आईआईपी में वृद्धि दर सालाना आधार पर घटी

नई दिल्ली, एजेंसी

विनिर्माण, खनन एवं बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन से अक्टूबर में देश की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि सुस्त पड़कर 13 महीनों के निचले स्तर 0.4% पर आ गई। सोमवार को आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) से जारी आंकड़ों के मुताबिक, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वृद्धि दर सालाना आधार पर घटी है। एक साल पहले की समान अवधि में औद्योगिक उत्पादन 3.7% बढ़ा था। आईआईपी का पिछला निचला स्तर सितंबर, 2024 में दर्ज किया गया था जब यह स्थिर रहा था। इएनएसओ ने सितंबर, 2025 के आंकड़ों को संशोधित करते हुए वृद्धि दर को 4 से बढ़ाकर 4.6% किया है।

आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर 1.8% पर आ गई, जबकि साल भर पहले यह 4.4% रही थी। आलोच्य महीने में खनन क्षेत्र के उत्पादन में 1.8% की गिरावट आई, जबकि गत वर्ष यह 0.9% बढ़ा था। इस दौरान बिजली उत्पादन में भी 6.9% की गिरावट दर्ज की गई जबकि पिछले साल यह दो प्रतिशत बढ़ा था। वित्त वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में देश के औद्योगिक उत्पादन में कुल 2.7% की वृद्धि दर्ज की गई जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 4% थी। विनिर्माण क्षेत्र में शामिल 23 में से नौ उद्योग खंडों ने अक्टूबर में सालाना आधार पर सकारात्मक वृद्धि रही।

उपयोग-आधारित वर्गीकरण के मुताबिक, पूंजीगत उत्पाद खंड में 2.4% की बढ़ोतरी हुई जबकि एक साल पहले यह 2.9% थी। टिकाऊ उपभोक्ता खंड में आलोच्य माह के दौरान 0.5% की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसमें 5.5% की बढ़ोतरी हुई थी। अक्टूबर, 2025 में गैर-टिकाऊ उपभोक्ता खंड में उत्पादन 4.4% गिर गया जबकि एक साल पहले इसमें 2.8% की वृद्धि हुई थी। ढांचागत क्षेत्र/ निर्माण उत्पादों के खंड में उत्पादन बढ़कर 7.1% हो गया जबकि पिछले साल की समान अवधि में 4.7% बढ़ोतरी रही थी। आंकड़ों से पता चला कि प्राथमिक वस्तुओं का उत्पादन अक्टूबर माह में 0.6% घटा है जबकि एक साल पहले यह 2.5% बढ़ा था। मध्यवर्ती उत्पाद खंड में इस महीने 0.9% की बढ़त रही जबकि एक साल पहले इसमें 4.8%की वृद्धि हुई थी।

विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां नौ माह के निचले स्तर पर

- पीएमआई अक्टूबर के 59.2 से घटकर नवंबर में 56.6 पर आया

नई दिल्ली। देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां नवंबर में नौ महीने के निचले स्तर पर आ गईं। चुनौतीपूर्ण बाजार स्थितियों की खबरों के बीच बिक्री एवं उत्पादन में धीमी वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही। सोमवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अक्टूबर के 59 .2 से नवंबर में 56 .6 पर आ गया। यह फरवरी के बाद से परिचालन स्थितियों में सबसे धीमी गति का संकेत देता है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि नवंबर के पीएमआई आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि अमेरिकी शुल्क के कारण विनिर्माण विस्तार धीमा हुआ है। इसमें कहा गया कि कंपनियों ने हालांकि सुझाव दिया कि अंतर्राष्ट्रीय बिक्री का रुझान अनुकूल बना हुआ है जो अफ्रीका, एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में ग्राहकों को अधिक बिक्री को दर्शाता है।

कोयला व लिग्नाइट की खोज की अनुमोदन प्रक्रिया हुई सरल

- कारोबार सुगमता और कुशल एवं टिकाऊ अन्वेषण को बढ़ावा देने के लिए उठाया कदम

नई दिल्ली, एजेंसी

कोयला मंत्रालय ने कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉक से संबंधित अन्वेषण कार्यक्रमों व भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के लिए अनुमोदन प्रक्रिया को सरल बनाया है। इस कदम का मकसद कारोबार सुगमता को बढ़ाना और कुशल एवं टिकाऊ अन्वेषण को बढ़ावा देना है। नई प्रक्रिया में अब 2022 में इस उद्देश्य के लिए गठित सरकारी समिति से मंजूरी की आवश्यकता नहीं है।

मंत्रालय के अनुसार, कोयला मंत्रालय ने पहले की कार्यप्रणाली की समीक्षा की है। क्यूसीआई-एनएबीईटी द्वारा मान्यता प्राप्त एवं अन्य एपीए द्वारा समकक्ष समीक्षा प्राप्त अधिसूचित मान्यता प्राप्त अन्वेषण एजेंसियों (एपीए) द्वारा तैयार कोयला एवं लिग्नाइट ब्लॉक के लिए अन्वेषण कार्यक्रमों व भूवैज्ञानिक रिपोर्ट (जीआर) के अनुमोदन के लिए तंत्र को सरल बनाया है। देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए कोयला एवं लिग्नाइट संसाधनों का तेज, अधिक कुशल और प्रौद्योगिकी रूप से मजबूत अन्वेषण आवश्यक है।

कोल इंडिया का उत्पादन घटकर 45.35 करोड़ टन

नई दिल्ली। सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का कोयला उत्पादन चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान 3 .7% घटकर 45 .35 करोड़ टन रह गया। सरकार देश में कोयला उत्पादन बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए कई कदम उठा रही है, इसके बावजूद यह गिरावट आई। देश के कुल कोयला उत्पादन में 80% से अधिक हिस्सा रखने वाली कोल इंडिया ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 47 .1 करोड़ टन का कोयला उत्पादन किया था।

सोने में आया 3,040 रुपये का उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी

- मजबूत वैश्विक रुख और शादियों के मौसम से आभूषणों की मांग से कीमती धातु को मिला समर्थन

मजबूत वैश्विक रुख और कमजोर डॉलर के कारण सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 3,040 रुपये उछलकर 1,33,200 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि चल रहे शादियों के मौसम के बीच आभूषणों की सतत मांग से कीमती धातु को समर्थन मिला।

व्यापारियों ने कहा कि सोना अब अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 1,34,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (99.9% शुद्धता) और 1,34,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (99.5%) के करीब है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि सोने ने पिछले हफ्ते की तेजी को आगे बढ़ाया, जिसे डॉलर के कमजोर होने, अगले हफ्ते फेडरल रिजर्व के द्वारा ब्याज दर कटौती की बढ़ती उम्मीदों, बड़े बैंकों के अच्छे अनुमानों और सेंट्रल बैंक की मजबूत खरीदारी से समर्थन मिला, ये सभी बाजार को ऊपर ले जाने में मदद कर रहे हैं।

सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी पांचवें दिन ऊपर चढ़ती रही, जो 5,800 रुपये बढ़कर 1,77,000 रुपये प्रति किग्रा (सभी टैक्स) हो गई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 42.29 डॉलर या 1% बढ़कर 4,261.52 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि डॉलर सूचकांक 0.19% घटकर 99.27 रह गया, जिससे सर्राफा कीमतों को समर्थन मिला। साल की शुरुआत से सोने की कीमत 63.6%बढ़ गई है। लगातार छठे दिन बढ़ते हुए, हाजिर चांदी 2% बढ़कर वैश्विक बाजारों में 57.85 डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गई। पिछले हफ़्ते चांदी 15.7% उछली और 2025 में अब तक दोगुनी गई गई। ऑगमोंट में शोध प्रमुख रेनिशा चैनानी ने कहा कि चांदी की कीमत सिर्फ़ 11 महीनों में दोगुनी हो गई है और सोने से ज्यादा बढ़ी है, भले ही वर्ष 2025 में सोना सबसे लोकप्रिय जिंस था।

जीएसटी संग्रह 1.7 लाख करोड़, दिखा कटौती का असर

- त्योहारी मौसम बीतने के बाद भी खपत में आई तेजी को दर्शाते नवंबर के आंकड़े

नई दिल्ली, एजेंसी

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह नवंबर में सालाना आधार पर केवल 0.7% बढ़कर 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा जो पिछले एक साल का निचला स्तर है। अधिकांश उत्पादों एवं सेवाओं पर कर दरों में कटौती के बावजूद खपत में सुधार जारी है। सोमवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

दरों में कटौती और त्योहारी मौसम में जबर्दस्त खरीदारी से अक्टूबर में जीएसटी संग्रह बढ़ा था। इस लिहाज से नवंबर के आंकड़े त्योहारी मौसम बीतने के बाद भी खपत में आई तेजी को दर्शाते हैं। नवंबर में कुल जीएसटी संग्रह (बिना उपकर के) 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के समान महीने में 1.69 लाख करोड़ से मामूली वृद्धि दर्शाता है। अक्टूबर के 1.96 लाख करोड़ संग्रह से यह काफी कम है। लेकिन अक्टूबर में क्षतिपूर्ति उपकर भी शामिल थे।

उपकर को शामिल किए जाने पर नवंबर का कुल कर संग्रह 1.74 लाख करोड़ रहा लेकिन यह नवंबर, 2024 के 1.82 लाख करोड़ से 4.22% कम है। जीएसटी की नई व्यवस्था लागू होने के बाद से क्षतिपूर्ति उपकर सिर्फ तंबाकू एवं पान मसाला उत्पादों पर ही लगता है। नवंबर के जीएसटी संग्रह आंकड़े तैयार करते समय उपकर को शामिल नहीं किया गया है। कंपनियों की तरफ से दाखिल जीएसटी रिटर्न में कर-योग्य आपूर्ति का मूल्य सालाना आधार पर बढ़ने से एक आशावादी रुझान झलकता है। इसी वजह से हमें भरोसा है कि यह कर सुधार न सिर्फ अभी के लिए टिकाऊ रहेगा, बल्कि आने वाले समय में भी इसका अर्थव्यवस्था पर कई गुना बड़ा सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा

चालू वित्त वर्ष में कर संग्रह बजट अनुमान से रहेगा कम

रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने संभावना जताई कि अधिकांश उत्पादों पर कर दरों में कटौती के असर को खपत में वृद्धि निष्प्रभावी कर सकती है। चालू वित्त वर्ष में कर संग्रह बजट अनुमान से कम रहेगा। लेकिन सरकार को अपेक्षा से ज्यादा गैर-कर राजस्व मिलने की संभावना है, जिससे इस कमी के एक हिस्से की भरपाई हो जाएगी। डेलॉयट इंडिया में साझेदार एम. एस. मणि ने कहा कि विभिन्न राज्यों में कर संग्रह में व्यापक अंतर दिख रहा है। ऐसे में जरूरी है कि अलग-अलग क्षेत्रों का कारण-विश्लेषण करना जरूरी है, ताकि गिरावट की वजह को समझा जा सके और जीएसटी वसूली बढ़ाने के लिए सही नीतिगत कदम उठाए जा सकें। कर विशेषज्ञ विवेक जालान ने कहा कि जीएसटी संग्रह कमजोर दिखने का कारण यह है कि खपत उतनी नहीं बढ़ी, कर दरें कम की गईं और रिफंड भी बढ़े हैं। ऐसे में वित्त वर्ष के बाकी महीनों में खपत बढ़ानी जरूरी होगी।

पीएमएस : बाजार के आधार पर कस्टमाइज्ड रणनीति

पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) ऐसी पेशेवर निवेश सेवा है, जिसमें अनुभवी फंड मैनेजर आपकी ओर से बाजार में निवेश का प्रबंधन करते हैं। यह सेवा आमतौर पर उन निवेशकों के लिए होती है जो बड़ी राशि को सही रणनीति के साथ शेयर बाजार, बॉण्ड, या अन्य वित्तीय साधनों में लगाना चाहते हैं। पीएमएस का मकसद साधारण निवेश के मुकाबले अधिक रिटर्न देने वाला संगठित और विश्लेषण-आधारित पोर्टफोलियो तैयार करना है। इसमें हर निवेशक के जोखिम प्रोफाइल, फाइनेंशियल गोल और बाजार की स्थिति के आधार पर कस्टमाइज्ड रणनीति बनाई जाती है। यह उन लोगों के लिए उपयोगी है जिनके पास निवेश समझ तो है, लेकिन पोर्टफोलियो को नियमित रूप से मैनेज करने का समय नहीं है।

एक प्रीमियम निवेश सेवा : पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) एक प्रीमियम निवेश सेवा है, जिसमें आपके निवेश का पूरा प्रबंधन पेशेवरों द्वारा किया जाता है। सेबी के नियमानुसार, पीएमएस शुरू करने के लिए न्यूनतम 50 लाख रुपये का निवेश जरूरी है। यह सेवा उन निवेशकों के लिए है जो उच्च रिटर्न की संभावना चाहते हैं और जिनके पोर्टफोलियो को लगातार निगरानी की जरूरत होती है।

कैसे करता है काम : पीएमएस में पैसा सीधे आपके नाम से शेयरों, डिबेंचर्स, ईटीएफ व अन्य साधनों में निवेश किया जाता है। फंड मैनेजर बाजार की स्थिति, आर्थिक संकेतकों व अवसरों का विश्लेषण कर खरीद-बिक्री करते हैं।

जोखिम और सावधानियां

पीएमएस में बाजार जोखिम अधिक होता है क्योंकि निवेश अधिकांशत : इक्विटी में होता है। लागत ज्यादा होती है- जैसे मैनेजमेंट फीस और परफॉर्मेंस फीस। फंड मैनेजर का ट्रैक रिकॉर्ड देखें, शुल्क संरचना समझें, 5–10 वर्षों का विश्लेषण करें, जोखिम सहनशीलता स्तर का आकलन करें

किसके लिए उपयुक्त

जिनके पास लंबी अवधि का निवेश दृष्टिकोण है। जो बड़ी राशि निवेश करना चाहते हैं। जिन्हें पेशेवर मैनेजमेंट व कस्टमाइज्ड रणनीति चाहिए। जिनके पास पोर्टफोलियो मॉनिटर करने का समय कम है।

इसके प्रकार

- **डिस्क्रेशनरी पीएमएस :** फंड मैनेजर को पूरी स्वतंत्रता होती है कि वे किस स्टॉक में कब निवेश करें।
- **नॉन-डिस्क्रेशनरी पीएमएस :** इसमें मैनेजर सुझाव देते हैं, लेकिन अंतिम निर्णय निवेशक का होता है।

निवेशकों को लाभ

- **कस्टमाइज्ड पोर्टफोलियो :** हर निवेशक के लक्ष्य और जोखिम के अनुसार पोर्टफोलियो बनाया जाता है।
- **प्रोफेशनल मैनेजमेंट :** अनुभवी फंड मैनेजर लगातार रिसर्च व विश्लेषण कर निवेश का निर्णय लेते हैं।
- **पारदर्शिता :** आपके पोर्टफोलियो में कौन सा शेयर है, किस दिन क्या खरीद-बिक्री हुई, सब कुछ आपके नाम पर दिखता है।
- **उच्च रिटर्न की संभावना :** पीएमएस सामान्य म्यूचुअल फंड की तुलना में अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखता है, हालांकि जोखिम भी अधिक होता है।

अनिल अंबानी ने एसबीआई के फैसले को दी सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली। उद्योगपति अनिल अंबानी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के उनके और रिलायंस कम्युनिकेशंस के खातों को धोखाधड़ी वाली श्रेणी में डालने के फैसले को चुनौती दी है। इससे पहले बंबई हाईकोर्ट ने एसबीआई के फैसले को बरकरार रखा था। यह मामला अभी सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं हुआ है।

हाईकोर्ट ने तीन अक्टूबर को अंबानी की याचिका रद्द की थी और कहा था कि याचिका में दम नहीं है। एसबीआई ने पिछले साल इन खातों को धोखाधड़ी वाला घोषित किया था। बैंक का आरोप है कि दिए कर्ज की शर्तों का उल्लंघन करते हुए धन का दुरुपयोग हुआ। अंबानी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर तर्क दिया था कि बैंक ने न्याय के सिद्धांतों का पालन नहीं किया और उन्हें सुनवाई का मौका नहीं दिया। जिनके आधार पर धोखाधड़ी वाला खाता घोषित करने का आदेश दिया, वे दस्तावेज उन्हें नहीं दिए गए।

निर्देश : नए हैंडसेट में हो संचार साथी एप

नई दिल्ली, एजेंसी

दूरसंचार विभाग ने मोबाइल हैंडसेट विनिर्माताओं और आयातकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि 90 दिन के भीतर सभी नए उपकरणों में धोखाधड़ी की सूचना देने वाला ऐप 'संचार साथी' पहले से लगा हो। पिछले महीने 28 नवंबर के निर्देश के अनुसार, आदेश जारी होने की तारीख से 90 दिन के बाद भारत में विनिर्मित या आयातित होने वाले सभी मोबाइल फोन में यह ऐप होना अनिवार्य होगा।

आदेश में कहा गया कि केंद्र सरकार भारत में उपयोग में लाए जाने वाले मोबाइल हैंडसेट के प्रत्येक विनिर्माता और आयातक को निर्देश देती है...। इन निर्देशों के जारी होने के 90 दिन के भीतर, यह सुनिश्चित करें कि दूरसंचार विभाग द्वारा निर्दिष्ट संचार साथी मोबाइल एप्लिकेशन, भारत में उपयोग के लिए विनिर्मित या आयातित सभी मोबाइल हैंडसेट में पहले से लगा हो। ऐसे सभी उपकरणों के लिए जो पहले ही विनिर्मित हो चुके हैं और भारत में बिक्री चरण में हैं, मोबाइल हैंडसेट विनिर्माताओं और आयातकों

- दूरसंचार विभाग ने कंपनियों को दिया 90 दिन का समय
- 120 दिन में अनुपालन रिपोर्ट देने को कहा

को सॉफ्टवेयर अद्यतन के माध्यम से एप को इंस्टॉल कराने के लिए कदम उठाने होंगे।

निर्देश में कहा गया, भारत में उपयोग में लाए जाने वाले मोबाइल हैंडसेट के सभी विनिर्माता और आयातक इन निर्देशों के जारी होने के 120 दिन के भीतर दूरसंचार विभाग को अनुपालन रिपोर्ट देंगे। यह एप उपयोगकर्ताओं को अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान संख्या (आईएमईआई) से संबंधित संदिग्ध दुरुपयोग की रिपोर्ट करने और मोबाइल उपकरणों में उपयोग किए जाने वाले आईएमईआई की प्रामाणिकता सत्यापित करने में सक्षम बनाता है।

सुरक्षा खामियों को दूर करने के लिए 'सिम बाइंडिंग'

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को कहा कि मैसेजिंग एप के इस्तेमाल के लिए अनिवार्य, निरंतर सिम-'डिवाइस बाइंडिंग' पर उसका ताजा निर्देश सुरक्षा खामी को दूर करने के लिए जरूरी है। इस गड़बड़ी का फायदा अक्सर सीमापार साइबर अपराधी बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी करने को उठा रहे हैं। 2024 में साइबर धोखाधड़ी से होने वाले नुकसान 22,800 करोड़ से ज्यादा होने का अनुमान लगाते हुए सरकार ने यह बात कही। 'सिम बाइंडिंग' एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें एक मैसेजिंग एप यह सत्यापित करता है कि आपके डिवाइस में पंजीकृत सिम कार्ड सक्रिय है। अगर सिम हटाया जाता है, बदला जाता है या निष्क्रिय किया जाता है, तो एप काम करना बंद कर देगा। संचार मंत्रालय ने कहा कि यह निर्देश उन मामलों पर लागू नहीं होगा जहां सिम हैंडसेट में मौजूद है और उपयोगकर्ता रोमिंग पर है। दूरसंचार विभाग के सिम-बाइंडिंग निर्देश एक ठोस सुरक्षा खामी को दूर करने के लिए जरूरी है।

शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई से फिसला

- वित्तीय शेयरों में मुनाफावसूली से दोनों सूचकांक में आई गिरावट
- सत्र के दौरान सेंसेक्स 452.35 और निफ्टी 122.85 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार सोमवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद अंत में मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। उच्चस्तर पर मुनाफावसूली और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से दोनों मानक सूचकांक... बीएसई सेंसेक्स में 65 अंक की गिरावट आई जबकि एनएसई निफ्टी 27 अंक के नुकसान में रहा।

बीएसई का सेंसेक्स शुरुआती बढ़त गंवाकर 64.77 अंक की गिरावट के साथ 85,641.90 अंक पर बंद हुआ। सत्र के दौरान, 452.35 अंक चढ़कर 86,159.02 अंक के उच्चस्तर पर पहुंचा था। वहीं, एनएसई का निफ्टी 27.20 अंक की गिरावट के साथ 26,175.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 122.85 अंक चढ़कर 26,325.80 अंक के उच्चस्तर पर पहुंचा था। विशेषज्ञों के अनुसार, दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर जीडीपी वृद्धि के बाद इस सप्ताह आरबीआई के प्रमुख ब्याज दर में कटौती की उम्मीद कम होने से बाजार में उच्चस्तर पर गिरावट देखी गई। जीएसटी संग्रह में धीमी वृद्धि और उच्चस्तर पर मुनाफावसूली से बाजार नुकसान में रहा। बाजार शुरुआती कारोबार में अपने रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंचा था।

मिडकैप नीचे, स्मॉलकैप में मामूली बढ़त

मझोली कंपनियों से संबंधित बीएसई मिडकैप सूचकांक 0 .19% नीचे आया जबकि छोटी कंपनियों से संबंधित स्मॉलकैप सूचकांक मामूली 0 .05% की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 3,795 .72 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,148 .48 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

एसओपी केंद्रीय वित्तमंत्री सीतारमण बोलीं– वित्त मंत्रालय एलआईसी को उसके निवेश संबंधी निर्णयों को लेकर सलाह या निर्देश नहीं देता

अडाणी समूह में एलआईसी का निवेश स्थापित प्रक्रियाओं के अनुरूप

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि उनका मंत्रालय भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को उसके निवेश संबंधी निर्णयों को लेकर सलाह या निर्देश जारी नहीं करता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सरकार के स्वामित्व वाली बीमा कंपनी ने अडाणी समूह में जो निवेश किया, वह स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुसार था।

वित्त मंत्री ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह भी कहा कि देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने कुछ वर्षों में बुनियादी बातों और विस्तृत प्रयास के आधार पर कंपनियों में निवेश संबंधी निर्णय लिए हैं तथा उसने एसओपी के आधार पर अडाणी समूह की

आधा दर्जन सूचीबद्ध कंपनियों में शेयर खरीदे हैं, जिनकी कीमत 38,658.85 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय एलआईसी फंड के निवेश से संबंधित मामलों के संबंध में एलआईसी को कोई सलाह/निर्देश जारी नहीं करता है।

सीतारमण ने कहा कि ऐसे फैसले बीमा अधिनियम, 1938 के प्रावधानों के साथ-साथ भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई), भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा समय-समय पर जारी किए गए नियमों द्वारा शासित होते हैं।

इसी साल अक्टूबर में अमेरिकी समाचार पत्र 'वाशिंगटन पोस्ट' की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने इस साल की शुरुआत में एलआईसी को अदाणी समूह में निवेश करने के लिए प्रेरित करने की योजना बनाई थी। सीतारमण ने कहा, "एलआईसी ने अपने बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीतियों के अनुसार स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन करते हुए उचित प्रयास करने के बाद मई 2025 में अदानी पोर्ट्स स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) डिबेंचर (एनसीडी) में 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है।'' उन्होंने कहा कि एलआईसी ने एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध शीर्ष 500 कंपनियों में निवेश किया है और वर्तमान में इसके निवेश का एक बड़ा हिस्सा इनमें से बड़ी कंपनियों में है।

ईपीएफओ ने अधिक पेंशन संबंधी करीब 99 प्रतिशत आवेदनों का निस्तारण किया

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) 1995 के तहत अधिक पेंशन पाने के लिए अधिक अंशदान का अनुरोध करने वाले 99% आवेदनों का निपटारा कर दिया है। सरकार ने सोमवार को संसद को सूचित किया। श्रम और रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने लोकसभा में प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि ईपीएफओ ने 4 नवंबर, 2022 को उच्चतम न्यायालय के फैसले में जारी निर्देशों को समयबद्ध तरीके से लागू करने के लिए कार्रवाई की है। ऑनलाइन सुविधा प्रदान की गई थी और संयुक्त विकल्प को विधिमान्य करने के लिए पेंशनभोगियों/सदस्यों द्वारा आखिरी तारीख यानी 11 जुलाई, 2023 तक कुल 17 .49 लाख आवेदन सफलतापूर्वक जमा किए गए थे, जिनमें से \15 .24 लाख आवेदन नियोक्ताओं ने आखिरी तारीख यानी 31 जनवरी, 2025 तक ईपीएफओ को भेजे थे। मंत्री ने यह भी बताया कि 24 नवंबर, 2025 तक ईपीएफओ में मिले लगभग 99 प्रतिशत आवेदन निपटा दिए गए हैं।

यहां बर्फ ही बर्फ...

सर्दियां शुरू होने के साथ ही जम्मू-कश्मीर की वादियों में बर्फ भी पड़ने लगी है। पेड़ों और घरों पर यह बर्फ मनोहारी दृश्य भी उपस्थित कर रही है। शोपियां में एक ठंडे दिन में पड़े पाले ने सूखे पत्तों को इस तरह ढक लिया जैसे किसी ने चित्रकारी की हो।

जीपीएस स्पूफिंग : विमानों की सुरक्षा से खिलवाड़

जीपीएस स्पूफिंग की ताजा घटना इसी महीने के शुरू में भारत में हुई थी। इसकी वजह से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आठ सौ से ज्यादा घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हुई थीं। इस घटना से भारतीय उड्डयन उद्योग के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी। दरअसल, जीपीएस स्पूफिंग के कारण कई बार आधुनिक नेविगेशन सिस्टम भी निष्क्रिय साबित हो जाते हैं। आसमान में पायलट को रनवे ढूंढने में भी दिक्कत होती है। जाहिर है कि ऐसे में हजारों यात्रियों की जिंदगी दांव पर लग जाती है। कई बार यात्रियों की सुरक्षा के लिए फ्लाइट को डाइवर्ट करना पड़ता या लंबा इंतजार करना पड़ता है। जीपीएस स्पूफिंग स्मार्टफोन एप्स और लोकेशन डाटा में भी गड़बड़ी कर सकता है। इसके अलावा जीपीएस डाटा पर निर्भर नेटवर्क सिस्टम और महत्वपूर्ण ढांचों पर भी इसके जरिए साइबर हमले किए जा सकते हैं।

जीपीएस स्पूफिंग कितना बड़ा खतरा

जीपीएस स्पूफिंग एक साइबर हमला है जिसमें नकली जीपीएस सिग्नल का उपयोग करके नेविगेशन सिस्टम को गुमराह किया जाता है। इससे विमान को गलत स्थान, दिशा या समय की जानकारी मिलती है, ऐसे में विमानों के लिए यह एक बेहद गंभीर सुरक्षा खतरा बन जाता है। जीपीएस स्पूफिंग के कारण विमान को लगता है कि वह किसी दूसरी जगह है। हालांकि वह हकीकत में असल जगह से कई किमी दूर होता है। जीपीएस स्पूफिंग विमानों के नेविगेशन को गड़बड़ कर सकता है, इनर्शियल रेफरेंस सिस्टम जैसे बैकअप ऐसी स्थिति में मददगार होते हैं।

क्या है जीपीएस स्पूफिंग

यह एक साइबर हमला है जिसमें जीपीएस रिसीवर को गलत उपग्रह संकेत भेजकर धोखा दिया जाता है। यह जीपीएस सिग्नल को जाम करने से अलग है, इसमें सिग्नल रोकने के बजाय गलत जानकारी दी जाती है। जीपीएस स्पूफिंग के परिणामस्वरूप विमान, जहाज और वाहन गलत स्थान पर होने की रिपोर्ट दे सकते हैं।

कैसे की जाती है स्पूफिंग

अमेरिका का जीपीएस सिस्टम (नेवस्टार) 31 सैटेलाइट के समूह से बना है, ये सैटेलाइट पीआरएन कोड नागरिकों और अमेरिकी सेना दोनों को प्रसारित करते हैं। सेना के लिए भेजे जाने वाले कोड एन्क्रिप्टेड होते हैं, लेकिन नागरिकों को भेजे जाने वाले कोड एन्क्रिप्टेड नहीं होते। इसी वजह से वे साइबर हमले के शिकार हो जाते हैं। सबसे पहले हैकर यह पता लगता है कि किस जीपीएस सैटेलाइट का सिग्नल स्पूफिंग के समय आसपास होगा। इसके लिए सैटेलाइट की ऑर्बिट को देखा जाता है।

विमानों की सुरक्षा में भूमिका

- स्पूफिंग विमानन सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है क्योंकि यह नेविगेशन सिस्टम को भ्रमित कर सकता है, जिससे विमान गलत रास्ते पर जा सकता है।
- विमानों में इनर्शियल रेफरेंस सिस्टम जैसे बैकअप सिस्टम स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। जीपीएस विफल होने पर इनका इस्तेमाल किया जाता है।
- स्पूफिंग केवल वाणिज्यिक विमानों को ही नहीं बल्कि निगरानी विमानों को भी प्रभावित कर सकता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा होता है।
- जीपीएस जैमिंग के विपरीत स्पूफिंग का पता लगाना कठिन होता है क्योंकि इसमें रिसीवर को यकीन दिलाया जाता है कि सब कुछ ठीक है।

वार जोन में भी इस्तेमाल

स्पूफिंग और जैमिंग वार जोन में भी होती है, मिडिल ईस्ट में यह कई बार हो चुका है। युद्धरत देश स्पूफिंग में महंगी और शक्तिशाली मशीनों का इस्तेमाल करते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

अतीत की गलतियों पर आत्ममंथन करे जापान

बीजिंग। चीन ने जापान से अपने अतीत पर गहराई से आत्मनिरीक्षण करने, अपनी अनाप-शनाप टिप्पणियों को वापस लेने और ठोस कार्रवाई के माध्यम से चीन के प्रति अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धताओं को प्रदर्शित करने का आग्रह किया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सोमवार को एक नियमित समाचार ब्रीफिंग में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, अत्यधिक महत्व के मुद्दों पर, जापानी पक्ष को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि वे टाल-मटोल कर सकते हैं।

तेल टैंकरों पर यूक्रेन के हमलों की निंदा की

मास्को। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने काला सागर में दो तेल टैंकरों और एक बंदरगाह पर हाल ही में हुए यूक्रेनी हमलों की निंदा की। मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार ज़खारोवा ने कहा कि गाम्बिया के झंडे तले रूसी बंदरगाह नोवोरोस्सिएस्स्क जा रहे दो टैंकरों पर शुक्रवार और शनिवार को हमले में मानवरहित नावों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी खुफिया सेवाओं ने इन हमलों की ज़िम्मेदारी ली है। प्रवक्ता ने कहा कि लक्षित नागरिक ऊर्जा अवसंरचना वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सैन्य बल मुख्यालय पर हमले की कोशिश

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हमले की कोशिश को सुरक्षाकर्मियों ने नाकाम करते हुए प्रतिबंधित संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के तीन चरमपंथियों को ढेर कर दिया। अर्धसैनिक बल के एक प्रवक्ता ने बताया कि रविवार रात चगाई जिले के नोकुंडी कस्बे में फ्रंटियर कोर के मुख्यालय पर एक आत्मघाती हमलावर द्वारा हमला किए जाने के बाद चरमपंथियों ने वहां घुसने का प्रयास किया।

खालिदा जिया को वेंटिलेटर पर रखा

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत बहुत खराब है और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है तथा स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विशेषज्ञ उनके इलाज की निगरानी कर रहे हैं। यह जानकारी उनकी पार्टी के नेताओं ने सोमवार को दी। बीएनपी की अध्यक्ष जिया को 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जैविक हथियार: चुनौती से निपटने को खाका तैयार करने की जरूरत

जैविक हथियार संधि की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित सम्मेलन में बोले जयशंकर

- बीडब्ल्यूसी में अब भी बुनियादी ढांचे की कमी : विदेश मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने सोमवार को अनिश्चित अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा माहौल को देखते हुए जैविक हथियारों के संभावित दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए एक वैश्विक तंत्र की जरूरत बताई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि सरकार से इतर तत्वों द्वारा जैविक हथियारों का दुरुपयोग किया जाना अब दूर की बात नहीं है और ऐसी चुनौती से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग जरूरी है। उन्होंने जैविक हथियार संधि (बीडब्ल्यूसी) की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जैविक आतंकवाद एक गंभीर चिंता का विषय है, जिसके लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को पूरी तरह से तैयार रहना होगा।

हालांकि, बीडब्ल्यूसी में अब भी बुनियादी संस्थागत ढांचे की कमी है। विदेश मंत्री ने कहा कि इसमें कोई अनुपालन प्रणाली नहीं है, कोई स्थायी तकनीकी संस्था नहीं है और नए वैज्ञानिक घटनाक्रमों पर नजर रखने के लिए कोई तंत्र नहीं है। भरोसा मजबूत करने के लिए इन खामियों को दूर करना आवश्यक है। मंत्री ने कहा कि भारत ने लगातार बीडब्ल्यूसी के अंदर मजबूत अनुपालन उपायों की मांग की है, जिसमें आज की दुनिया के अनुरूप सत्यापन भी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत शांतिपूर्ण इस्तेमाल के उद्देश्य से सामग्री और उपकरणों के आदान-प्रदान को संभव बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं मदद का समर्थन करता है। विदेशमंत्री ने कहा कि हमने वैज्ञानिक और तकनीकी विकास की व्यवस्थित समीक्षा की मांग की है ताकि शासन वास्तव में नवाचार की गति के साथ तालमेल बिठा सके। जयशंकर ने कहा कि भारत ने लगातार बीडब्ल्यूसी के भीतर मजबूत अनुपालन उपायों का आह्वान किया है, जिसमें आज की दुनिया के लिए तैयार की गयी सत्यापन व्यवस्था भी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत शांतिपूर्ण उपयोग के लिए सामग्रियों और उपकरणों के आदान-प्रदान को संभव बनाने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सहायता का समर्थन करता है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने एक राष्ट्रीय कार्यान्वयन मसौदा प्रस्तावित किया है जिसमें उच्च जोखिम वाले किरदारों की पहचान, दोहरे उपयोग वाले अनुसंधान की निगरानी, घटना प्रबंधन और निरंतर प्रशिक्षण शामिल है। उन्होंने कहा कि बीडब्ल्यूसी 50 वर्षों से एक साधारण विचार पर कायम है कि मानवता इसे अस्वीकार करे। लेकिन मानदंड तभी जीवित रहते हैं जब राष्ट्र उनका नवीनीकरण करते हैं। अगले 50 वर्षों में ठोस कार्रवाई की आवश्यकता होगी। विदेशमंत्री ने कहा कि हमें संधि को वर्तमान के अनुरूप बनाना होगा, हमें विज्ञान के साथ तालमेल रखना होगा और वैश्विक क्षमता को मजबूत करना होगा ताकि सभी देश जैविक जोखिमों का पता लगा सकें, उन्हें रोक सकें और उनका जवाब दे सकें।

नई दिल्ली में जैविक हथियार संधि की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते विदेश मंत्री एस जयशंकर।

भारत अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार

जयशंकर ने कहा कि भारत ग्लोबल साउथ के लिए एक विश्वसनीय भागीदार और वैश्विक जैव सुरक्षा के प्रतिबद्ध समर्थक की भूमिका के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा वातावरण अधिक अनिश्चित हो गया है और प्रौद्योगिकी में तीव्र विकास के कारण परिष्कृत जैव प्रौद्योगिकी उपकरणों की उपलब्धता और सामर्थ्य में वृद्धि हुई है तथा निर्माण की लागत में कमी आई है। जयशंकर ने कहा कि कोविड-19 महामारी सहित हाल के प्रकोपों ने सभी को प्रभावित किया है।

श्रीलंका में ऑपरेशन सागर बंधु के तहत चक्रवात प्रभावित क्षेत्र से लोगों को निकालते हुए भारतीय वायुसेना के जवान।

सकारात्मक रही अमेरिका-यूक्रेन के बीच बातचीत

हॉलैंडेल बीच। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के समाधान की संभावनाओं को तलाशने के लिए अमेरिका और यूक्रेन के अधिकारियों ने रविवार को लगभग चार घंटे तक बातचीत की। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बाद में बताया कि बातचीत सकारात्मक रही लेकिन शांति समझौते को अमल में लाने के लिए अब भी काम किया जाना बाकी है। रुबियो ने कहा, यह केवल उन शर्तों की बात नहीं है जो लड़ाई को खत्म करती हैं। बल्कि यह उन शर्तों की भी बात है जो यूक्रेन को दीर्घकालिक समृद्धि के लिए तैयार करती हैं। मुझे लगता है कि हमने आज उस दिशा में प्रगति की है, लेकिन अभी और काम किया जाना बाकी है। फ्लोरिडा में यह उच्च स्तरीय बातचीत हुई।

श्रीलंका में फंसे भारतीयों को निकाला, राहत कार्य में तेजी

कोलंबो, एजेंसी

- तिरुवनंतपुरम पहुंचा 104 भारतीयों का अंतिम समूह

भारत ने श्रीलंका में चक्रवात दितवा के कारण मची तबाही के बाद कोलंबो में बचाव अभियान में तेजी लाते हुए वहां फंसे भारतीय नागरिकों के आखिरी समूह को सोमवार को निकाल लिया। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि भंडारनायके अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे 104 भारतीयों का आखिरी समूह 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत भारतीय वायु सेना के विमान से सुबह करीब साढ़े छह बजे तिरुवनंतपुरम पहुंचा।

उच्चायोग ने कहा कि श्रीलंका के बचाव प्रयासों में भारत ने अपनी मदद तेज कर दी है और अभियान का विस्तार कई प्रभावित क्षेत्रों तक किया है। अधिकारियों के अनुसार चेतक हेलीकॉप्टर ने कई लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जबकि वायु सेना के कई हेलीकॉप्टर ने कोटमाले में तलाश अभियान संचालित किया जो सबसे ज्यादा प्रभावित मध्य पर्वतीय क्षेत्र है तथा भूस्खलन एवं बाढ़ के कारण यहां सड़क संपर्क टूट गया है। कहा कि खोज एवं बचाव अभियानों के लिए भारत की विशेषीकृत आपदा प्रतिक्रिया एजेंसी एनडीआरएफ और एचएडीआर की टीम कल कोलंबो पहुंची। उन्होंने श्रीलंका के अधिकारियों के साथ मिलकर कोच्चिकाडे में बचाव अभियान संचालित किया।

ईसा मसीह पर बनी पेंटिंग 27 लाख डॉलर में बिकी

वर्सलीज। बारोक काल के महान चित्रकार पीटर पॉल रूबेन्स की एक लंबे समय से खोई हुई पेंटिंग रविवार को वर्सलीज में हुई नीलामी में 27 लाख डॉलर में बिकी। यह पेंटिंग चार सदी से अधिक समय बाद हाल में पेरिस के एक निजी टाउनहाउस में मिली थी। इसमें ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाए जाने का दृश्य दर्शाया गया है। यह एक फ्रांसीसी संग्रह का हिस्सा थी और शुरू में यह माना जा रहा था कि यह उस समय मौजूद रूबेन्स की कई कार्यशालाओं में से किसी एक में बनाई गई कृति है। नीलामीकर्ता जीन-पियरे ने बताया कि पेंटिंग को रुबेनियानम से प्रमाणित कराया।

जमीन घोटाला मामले में हसीना को 5 साल की सजा

ढाका, एजेंसी

- बांग्लादेश की पूर्व पीएम की बहन और भांजी को भी सुनाई सजा

बांग्लादेश की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को जमीन घोटाला मामले में सोमवार को पांच साल की जेल और उनकी भांजी एवं ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीक दो साल जेल की सजा सुनाई। ढाका के विशेष न्यायाधीश की अदालत-4 के न्यायाधीश मोहम्मद रबीउल आलम ने हसीना की बहन शेख रेहाना को भी सात साल जेल की सजा सुनाई। भ्रष्टाचार के इस मामले में 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। कोर्ट ने तीन आरोपियों की गैरमौजूदगी में यह फैसला सुनाया। शेष 14 आरोपियों में से प्रत्येक को पांच साल की जेल हुई। अदालत ने हसीना, रेहाना और सिद्दीक समेत सभी 17 दोषियों में से प्रत्येक पर एक लाख टके का जुर्माना भी लगाया और जुर्माना नहीं भरने पर उन्हें छह महीने की अतिरिक्त जेल काटनी होगी।

पाकिस्तान में एक आत्मघाती हमले में पुलिसकर्मी की मौत

पेशावर। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा में सोमवार को एक पुलिस वाहन के पास हुए आत्मघाती हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह घटना लक्की मारवात जिले में हुई। ताजोरी पुलिस थाने की एक पुलिस वैन के समीप एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया। विस्फोट में हेड कांस्टेबल अलाउद्दीन की मौत हो गई जबकि घायल हुए अन्य पुलिसकर्मियों को अस्पताल ले जाया गया। हमलावर का साथी भागने में सफल रहा।

भारतीयों से अमेरिका को हुआ फायदा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- मस्क बोले-एच1बी वीजा बंद करने से यूएस को होगा नुकसान

अमेरिका की एयरोस्पेस कंपनी 'स्पेसएक्स' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने एच1बी वीजा का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि अमेरिका को भारत से आए प्रतिभाशाली लोगों का अत्यंत फायदा मिला है और चेतावनी दी कि यदि इसे बंद कर दिया गया तो यह अमेरिका के लिए बहुत बुरा होगा।

अमेरिका के प्रौद्योगिकी क्षेत्र के अरबपति कारोबारी ने एक पॉडकास्ट के दौरान यह टिप्पणी की, जो रविवार को प्रसारित हुआ। मस्क ने कहा कि हां, मुझे लगता है कि अमेरिका को उन प्रतिभाशाली भारतीयों से बहुत

लाभ हुआ है जो अमेरिका आए... अमेरिका, भारत की प्रतिभा से अत्यंत लाभान्वित हुआ है। एच-1बी वीजा को लेकर टेस्ला के सीईओ ने कहा कि भले ही इस कार्य वीजा कार्यक्रम का कुछ दुरुपयोग हुआ है लेकिन इसे बंद नहीं किया जाना चाहिए।

अवैध आव्रजन से नकारात्मक प्रभाव

मस्क ने आरोप लगाया कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में बड़े पैमाने पर अवैध आव्रजन हुआ, जिसने नकारात्मक प्रभाव पैदा किया। उन्होंने कहा अगर अमेरिका में अवैध रूप से आने और सरकारी लाभ पाने का बड़ा आर्थिक प्रलोभन होगा, तो स्वाभाविक रूप से लोग अमेरिका आने की कोशिश करेंगे। यह पूरी प्रोत्साहन संरचना ही गलत थी। जब उनसे पूछा गया कि भारत के युवा उद्यमियों के लिए उनका संदेश क्या है, तो मस्क ने कहा कि वह उन सभी का सम्मान करते हैं जो कुछ बनाना चाहते हैं। कहा कि आप जो पाना चाहते हैं, उससे अधिक देने का लक्ष्य रखें।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 2 दिसंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 03 .57 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

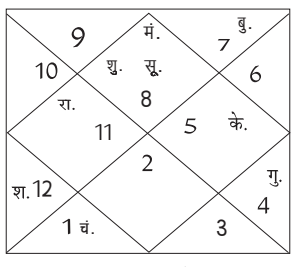

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अश्विनी 08 .51 तक तत्पश्चात भरणी।

मेष — आज आप कारोबार को लेकर मित्रों से सहायता ले सकते हैं। रुके हुए कार्य पुनः से प्रारम्भ होंगे। छात्र पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। बेरोजगार लोगों को नई नौकरी मिल सकती है। किसी मांगलिक उत्सव में आप सम्मिलित हो सकते हैं।

वृष — आज कार्यक्षेत्र को लेकर मन में उत्साह की कमी देखने को मिलेगी। नजदीकी लोगों के साथ आपके रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। आज आपको धैर्य और संयम के साथ अपने काम पर ध्यान देना चाहिये। दूसरों की सलाह पर अधिक ध्यान न दें।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र में आपको पदोन्नति मिल सकती है। संतान के विवाह में आ रही बाधा दूर होगी। जीवनसाथी और बच्चों से आपको प्रेम और सम्मान दोनों ही प्राप्त होंगे। आपके विचारों से लोग प्रभावित रहेंगे। सरकारी मामलों में आपको सफलता मिलने की संभावना है।

कर्क — आज परिवार में उत्सव का वातावरण रहेगा। सहकर्मियों की तुलना में आपका प्रदर्शन विशेष और अच्छा रहेगा। किसी बहूमूल्य वस्तु को खरीद सकते हैं। कच्चे माल के आयात-निर्यात में उत्तम धन लाभ हो सकता है। आपकी भावनाओं का अनादर हो सकता है।

सिंह — आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। निजी समस्याओं का निराकरण होगा। कुछ कठिन काम आसानी से अचानक बनने से मन प्रसन्न होगा। गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है। सामाजिक कार्यों में आपकी प्रशंसा होगी।

कन्या — आज पारिवारिक आयोजन किसी कारणवश टल सकते हैं। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। किसी के उकसावे में आकर काम न करें। अन्य दिनों की अपेक्षा दिन कुछ कमजोर रहेगा। अधीनस्थ कर्मचारियों पर नाराज हो सकते हैं।

तुला — आज आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। कोई भी बड़ा काम शुरू करने से पहले बड़ों की राय अवश्य लें। भोग-विलास का भरपूर आनंद उठायेंगे। आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। व्यवसाय में सारी परिस्थितियां आपके अनुकूल रहने वाली हैं।

वृश्चिक — आज आपके व्यक्तित्व में तीव्र आकर्षण रहेगा। इसके कारण आप लोकप्रिय रहेंगे। खर्च करने से पहले बजट का ध्यान अवश्य रखें। गले में खराश और बुखार जैसी समस्या हो सकती है। अनुसंधान संबंधी कार्यों में सफलता मिल सकती है।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में आप अत्यधिक व्यस्त रहेंगे। प्रेम संबंधों में कुछ अनबन हो सकती है। लोग आपकी बातों को अत्यन्त गंभीरता से लेंगे। विद्वान लोगों से भेंट हो सकती है। शाम के समय मित्रों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

मकर — आज नई परियोजनाओं में सफलता देर से मिलेगी। मानसिक स्थिति नकारात्मक हो सकती है। व्यर्थ में अपने शुभचिंतकों पर संदेह न करें। अधिक भागदौड़ से आपको बचना चाहिए। धन को लेकर दिक्कतें उत्पन्न हो सकती हैं।

कुंभ — आज कारोबारी यात्राओं से आपको लाभ मिलेगा। दूसरों की बातों में आकर अपना समय बर्बाद न करें। रचनात्मक गतिविधियों में सुखद समय बीतेगा। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। परिवार में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन के अवसर मिलेंगे।

मीन — आज नए व्यावसायिक संपर्क विकसित होने के योग बन रहे हैं। आपके विनम्र व्यवहार से विपरीत लिंगी लोग आपसे आकर्षित रहेंगे। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। घर में कुछ रिश्तेदार आ सकते हैं। विदेश में व्यापार कर रहे लोगों को कारोबार में विस्तार के अवसर मिल सकते हैं।

सुडोकू -178

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			1			2		
		1						
8								3
7								
				9				
		2					6	
	4							

सुडोकू - 177 का हल

1	2	8	6	5	3	4	9	7
5	7	4	1	8	9	2	3	6
6	9	3	7	2	4	8	1	5
4	1	5	8	9	6	3	7	2
9	8	2	3	7	1	5	6	4
7	3	6	5	4	2	1	8	9
8	6	9	4	3	5	7	2	1
2	5	7	9	1	8	6	4	3
3	4	1	2	6	7	9	5	8

कप्तान के रूप में रोहित हमेशा टीम को यह दिखाते रहे हैं कि वह उनसे क्या चाहते हैं। टी20 और वनडे क्रिकेट में भारत जिस आक्रामक अंदाज की बल्लेबाजी से गुजरा है उसका बहुत सारा श्रेय रोहित और राहुल भाई को जाता है।

-आर अश्विन

स्टेडियम

लखनऊ, मंगलवार ,2 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पीएनबी की ब्रांड एंबेसडर बनीं हरमनप्रीत

नई दिल्ली : पब्लिक सेक्टर के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने सोमवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को अपना पहला महिला ब्रांड एंबेसडर बनाया है। यह घोषणा बैंक के कॉरपोरेट कार्यालय में 'बैंकिंग ऑन चैंपियंस' थीम के तहत समारोह में हुई। इस अवसर पर हरमनप्रीत कौर को उनके नाम और नंबर वाली एक फ्रेमयुक्त पीएनबी जर्सी, साथ ही एक कस्टम-उत्कीर्णित पीएनबी बैट भेंट किया गया।

राष्ट्रीय निशानेबाजी में 16 हजार प्रतिस्पर्धी

नई दिल्ली : 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिता (एनएससीसी) की राइफल, पिस्टल और शॉटगन स्पर्धाओं की अलग-अलग कैटेगरी में क्वालीफाई करने वाले 16 हजार से अधिक निशानेबाज सोमवार से डॉ. कर्णी सिंह रेंज में शुरु हुई प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। दोहा में चार से नौ दिसंबर तक चलने वाले आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल को ध्यान में रखते हुए इस चैंपिनशिप को महत्वूपर्ण माना जा रहा है। आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल के लिए 15 भारतीयों ने क्वालिफाई किया है।

इंडियन पिकेलबॉल लीग में लखनऊ जीता

नई दिल्ली : लखनऊ लैपर्ड्स, हैदराबाद रॉयल्स और चेन्नई सुपर वारियर्स ने सोमवार को यहां पहली इंडियन पिकेलबॉल लीग (आईपीबीएल) के शुरुआती दिन जीत दर्ज की। लखनऊ की टीम ने बेंगलुरु ब्लास्टर्स को 4-1 से हराया जबकि हैदराबाद रॉयल्स ने कैपिटल्स वारियर्स गुड़गांव को 4-2 से शिकस्त दी। चेन्नई सुपर वारियर्स ने भी मुंबई स्मैशर्स को 5-1 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। आईपीबीएल को द टाइम्स समूह ने लॉन्च किया है और इसे भारतीय पिकेलबॉल संघ से मान्यता प्राप्त है।

फुटबॉल में रुकावट खत्म होने की उम्मीद

नई दिल्ली : खेल मंत्रालय ने फुटबॉल की मौजूदा रुकावट को खत्म करने के लिए इंडियन सुपर लीग और आई-लीग क्लबों समेत सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ तीन दिसंबर को बैठक बुलाई हैं। माना जा रहा है कि खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया इन बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। इसको लेकर खेल मंत्रालय ने सोमवार को एक पत्र जारी किया है।

भारत ने नामीबिया को 13-0 से हराया

सैंटियागो (चिली) : हिना बानो और कनिका सिवाच की हैट्रिक की बदौलत भारत ने सोमवार को यहां नामीबिया को 13-0 से हराकर जूनियर महिला हॉकी विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। हिना (35 वां , 35 वां, 45 वां मिनट) और कनिका (12 वां, 30 वां, 45 वां मिनट) के गोलों के अलावा साक्षी राणा (10 वां, 23 वां मिनट) ने दो गोल किए, जबकि बिनीमा धान (14 वां मिनट), सोनम (14 वां मिनट), साक्षी शुक्ला (27 वां मिनट), इशिका (36 वां मिनट) और मनीषा (60 वां मिनट) ने भी गोल किए। इस जीत के साथ भारत तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगा गिल की फिटनेस का आकलन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय टीम के उप कप्तान शुभमन गिल अनिवार्य फिटनेस आकलन के लिए सोमवार को बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पहुंचेंगे। इस आकलन के नतीजे के आधार पर नौ दिसंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैच की सीरीज में उनकी वापसी पर फैसला किया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन बल्लेबाजी करते हुए गिल की गर्दन में चोट लगी थी और इसके बाद वह दूसरे टेस्ट और मौजूदा एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सीरीज में नहीं खेल पाए। भारत की टी20 अंतर्राष्ट्रीय टीम में किसी हैरान करने वाले नाम को जगह मिलने की उम्मीद नहीं है, बशर्ते कोई खिलाड़ी चोटिल नहीं हो। अजित अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की खेल विज्ञान टीम से गिल की फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, ''गिल को इंजेक्शन लगाया गया था और उन्हें 21 दिन के आराम और रिहैबिलिटेशन की सलाह दी गई थी जिसमें चोट से प्रभावित मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए विशिष्ट व्यायाम शामिल थे। सूत्र ने कहा ट्रेनिंग के दौरान खेल विज्ञान टीम के उनकी मूवमेंट का आकलन करने तक कुछ नहीं कहा जा सकता। यह भी नहीं पता कि बल्लेबाजी करते हुए वह बिल्कुल भी असहज नहीं है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए गिल की वापसी की संभावना 50 प्रतिशत है।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चीजों की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया 21 अक्टूबर से 30 नवंबर तक हार्दिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से बाहर भी नहीं निकले और उन्होंने अपना रिहैब और 'रिटर्न टू प्ले' प्रोटोकॉल पूरे किए। उन्हें टी20 में खेलने की पूरी स्वीकृति (बल्लेबाजी और गेंदबाजी करने की) मिली है और वह पंजाब के खिलाफ मैच के लिए बड़ौदा टीम से जुड़ भी गए हैं। वह चार दिसंबर को गुजरात के खिलाफ खेलेंगे और अगर भारतीय टीम प्रबंधन उन्हें पहले नहीं बुलाता है तो वह छह दिसंबर को हरियाणा के खिलाफ मैच में खेलने की भी योजना बना रहे हैं।

टी-20 प्रारूप में खेलेंगे हार्दिक पंड्या

भारतीय प्रशंसकों के लिए हालांकि अच्छी खबर भी है क्योंकि हार्दिक पंड्या को टी20 प्रारूप में खेलने की स्वीकृति मिल गई है और वह मंगलवार को हैदराबाद में बड़ौदा के लिए पंजाब के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मुकाबले के साथ लगभग ढाई महीने बाद अपना पहला मैच खेलेंगे। उनके चार दिसंबर को बड़ौदा और गुजरात के बीच होने वाले मैच में भी खेलने की संभावना है। राष्ट्रीय चयनकर्ता प्रज्ञान ओझा दोनों मैच के दौरान उपस्थित रहेंगे जिसके कि टीम की घोषणा से पहले उनकी फिटनेस को परख सकें।

विराट कोहली की तारीफों के बांधे पुल

बल्लेबाजी कोच ने कहा- विराट के भविष्य को लेकर सवाल ही नहीं उठता, उनकी फिटनेस और फॉर्म बरकरार

रांची, एजेंसी

भारतीय बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक का मानना है कि विराट कोहली के वनडे में भविष्य को लेकर अटकलें नहीं लगनी चाहिए क्योंकि इस दिग्गज खिलाड़ी की 50 ओवर के क्रिकेट में फिटनेस, फॉर्म और प्रभाव पहले की तरह बरकरार है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की सीरीज से पहले सवाल उठाए जा रहे थे कि क्या कोहली और रोहित शर्मा 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए मुख्य कोच गौतम गंभीर की योजना में शामिल हैं या नहीं। कोटक ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि कोहली के भविष्य को लेकर बहस क्यों हो रही है।

कोटक ने रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में भारत की 17 रन की करीबी जीत के बाद कहा मुझे वास्तव में नहीं पता कि हमें इन सब बातों पर गौर करने की जरूरत क्यों है। वह बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और हमें उनके भविष्य के बारे में बात करने की क्या जरूरत है। वह जिस तरह से प्रदर्शन कर रहे हैं, उनकी फिटनेस जिस तरह से है उसे देखकर किसी भी चीज को लेकर कोई सवाल ही नहीं उठता। कोटक ने कहा कि भूमिकाओं को लेकर स्पष्टता, वास्तविक समय में सीख और सीनियर खिलाड़ियों का अनुभव इस समय भविष्य की योजनाओं से कहीं ज्यादा मायने रखते हैं।

उन्होंने कहा वह वाकई शानदार है यार। जब तक वह इसी तरह बल्लेबाजी करता रहेगा, किसी और चीज़ के बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है। बल्लेबाजी कोच ने जोर देकर कहा कि न तो खिलाड़ी और न ही टीम प्रबंधन विश्व कप के बारे में सोच रहे हैं और सीनियर खिलाड़ियों के बारे में इस संदर्भ में चर्चा करने की तो बात ही छोड़ दीजिए। मुझे नहीं लगता कि इस बारे में चर्चा होनी चाहिए। रोहित और कोहली दोनों शानदार हैं। वे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और टीम में योगदान दे रहे हैं। एक बार जब टीम आ जाती है और अभ्यास शुरू हो जाता है, तो हम बस उसका आनंद लेते हैं। हम 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के बारे में कोई बात नहीं कर रहे हैं।

कोटक ने कहा कि रविवार को कोहली का वनडे करियर का 52वां शतक न केवल उनकी विरासत की याद दिलाता है, बल्कि यह इस बात का भी उदाहरण है कि जिस प्रारूप को वह अब प्राथमिकता देते हैं, उसमें वह कितनी सहजता से जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

कोटक ने कहा यह एक शानदार पारी थी। उन्होंने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की, जिम्मेदारी ली और एक बार फिर दिखाया कि वह कितने असाधारण खिलाड़ी क्यों हैं। पारी के दौरान कोहली की पीठ में मामूली तकलीफ के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा जहां तक मुझे पता है, वह ठीक हैं।

कोटक ने टेस्ट सीरीज में हार के बाद रोहित शर्मा और कोहली दोनों की टीम में वापसी पर भी बात की। उन्होंने कहा वे अनुभवी खिलाड़ी हैं और जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं और साझेदारियां निभा रहे हैं उससे बहुत फर्क पड़ता है। वे अपना अनुभव युवा खिलाड़ियों के साथ साझा करते हैं, और यह अपने आप में एक बड़ा फायदा है। कोटक ने इसके साथ ही मैच के बारे में बात करते हुए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हर्षित राणा की विशेष प्रशंसा की, जिनके कठिन परिस्थितियों में शुरुआती झटकों ने दक्षिण अफ्रीका को मैच जीतने से रोक दिया।

उन्होंने कहा शुरुआती विकेट लेने का बहुत सारा श्रेय हर्षित को जाता है। कूकाबुरा गेंद से आपको केवल शुरुआती दो से पांच ओवर तक ही स्विंग मिलती है और उसने इसका पूरा फायदा उठाया।

दूसरे एकदिवसीय मैच के लिए विराट कोहली रांची एयरपोर्ट से रायपुर के लिए रवाना हुए। एजेंसी

इस उम्र में भी खेलने की भूख के लिए स्टेन ने खुशी जताई

रांची : अपने कैरियर के सर्वश्रेष्ठ दौर से गुजरने के बाद अधिकांश खिलाड़ी घर पर अपने परिवार और कुत्ते के साथ रहना पसंद करते हैं, लेकिन 37 वर्ष के विराट कोहली अभी भी मैदान पर चुस्ती के साथ दौड़ते और डाइव लगाते देखे जा सकते हैं और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज डेल स्टेन खेलने को लेकर उनके इसी जुनून के कायल हैं। टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले कोहली ने दिखाया कि वनडे क्रिकेट में अब भी उनका कोई सानी नहीं है। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में यहां अपने करियर का 52वां शतक लगाया। स्टेन ने जियोस्टार से कहा जब आप 37 या 38 साल के अधिकतर खिलाड़ियों से बात करते हैं तो वे कहते हैं कि उन्हें घर, अपने कुत्ते, अपने बच्चों को छोड़ना पसंद नहीं है। लेकिन कोहली मानसिक रूप से ऐसी स्थिति में हैं जहां वह पहले की तरह भारत के लिए खेलने के लिए उत्सुक हैं। आप इसे विकेटों के बीच दौड़, फ़ील्डिंग करते और डाइव लगाते हुए देख सकते हैं। वह मानसिक रूप से युवा और तरोताज़ा हैं और क्रिकेट में बने रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कोहली ने पिछले 15-16 साल में 300 से अधिक वनडे खेले हैं इसलिए वह काफी अनुभव रखते हैं। यह उनके शरीर और दिमाग में है। अगर वह तीन दिन की बारिश के बाद भी यहां पहुचते तो भी उनकी तैयारी पर कोई असर नहीं पड़ता। वह मानसिक रूप से मजबूत हैं, अच्छी तरह से सोच सकते हैं और गेंद को बल्ले पर आते हुए देख सकते हैं। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी यही करते हैं। स्टेन ने कहा वह स्वयं पर भरोसा रखते हैं क्योंकि वह पिछले लंबे समय से खेल रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह अब भी पहले की तरह खेलने को लेकर उत्साहित रहते हैं।

रायपुर के लिए रवाना होते दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी। एजेंसी

कोहली को जमने के बाद रोकना लगभग असंभव : यान्सेन

रांची : दक्षिण अफ्रीका के हरफनमौला मार्को यान्सेन ने कहा कि विराट कोहली जैसे विश्वस्तरीय बल्लेबाज को एक बार जम जाने के बाद रन बनाने से रोकना लगभग असंभव हो जाता है तथा स्वीकार किया कि इस भारतीय स्टार की सूत्रधार की भूमिका निभाने की क्षमता उन्हें गेंदबाजी करने के लिए सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों में से एक बनाती है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यहां खेले गए पहले वनडे में कोहली ने शतक लगाया जिससे भारतीय टीम यह मैच जीतने में सफल रही। यान्सेन ने कहा कि विश्वस्तरीय बल्लेबाजों के सामने गेंदबाज के पास शुरू में ही कुछ अवसर होते हैं। जब आप विश्वस्तरीय बल्लेबाजों को गेंदबाजी करते हैं तो उन्हें आउट करना काफी मुश्किल होता है। मैं हमेशा बल्लेबाज को उसकी पहली 10 या 15 गेंदों पर आउट करने की कोशिश करता हूं क्योंकि वह तब विकेट से सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रहा होता है। उन्होंने कहा लेकिन एक बार जब वह लय हासिल कर लेते हैं तो उन्हें रोकना मुश्किल हो जाता है। ऐसी परिस्थितियों में आप प्लान बी या सी पर चलते हैं। कोहली ने रविवार को अपना 52वां वनडे शतक जड़कर भारत को 17 रन से जीत दिलाई जिससे मेज़बान टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। यानसन ने भारत के 2017-18 के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान 17 वर्षीय नेट गेंदबाज के रूप में पहली बार कोहली को गेंदबाजी की थी।

आक्रामक बल्लेबाजी का श्रेय रोहित और द्रविड़ को : अश्विन

नई दिल्ली : भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने सीमित ओवर प्रारूप में भारत की आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति का श्रेय पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को दिया। टीम को इस रवैये से पिछले कुछ वर्षों में काफी सफलता मिली है।

अश्विन ने कहा कि इन दोनों दिग्गजों ने ना केवल अधिक आक्रामक शैली अपनाने पर जोर दिया बल्कि खुद भी उदाहरण पेश किया। इससे टी20 अंतर्राष्ट्रीय और वनडे में भारत के रवैये में बदलाव आया। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर कहा कप्तान के रूप में रोहित हमेशा टीम को यह दिखाते रहे हैं कि वह उनसे क्या चाहते हैं। टी20 और वनडे क्रिकेट में भारत जिस परिवर्तनकारी बल्लेबाजी से गुजरा है उसका बहुत सारा श्रेय रोहित और राहुल भाई को जाता है।

रेलवे ने प्रतीका राणा और रेणुका को पदोन्नत किया

नई दिल्ली : भारतीय रेलवे ने महिला विश्व कप टीम में शामिल क्रिकेटर प्रतीका रावल, स्नेह राणा और रेणुका सिंह ठाकुर को उनके असाधारण प्रदर्शन का इनाम देते हुए आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन दिया है। अब वह विशेष कार्य अधिकारी (खेल) के ग्रुप 'बी' होंगी।

ये तीनों खिलाड़ी सातवें वेतन आयोग के अनुसार वेतन मैट्रिक्स के लेवल-8 के अंतर्गत ग्रुप 'बी' राजपत्रित अधिकारी के वेतन और लाभों की हकदार होंगी। रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) की यह पहल न केवल तीनों महिला क्रिकेटरों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करेगी, बल्कि उन्हें प्रशासनिक जिम्मेदारियां भी सौंपेगी। इससे पहले नवंबर में, तीनों एथलीटों को केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा रेल भवन में सम्मानित किया गया था।

स्विट्जरलैंड के खिलाफ कमजोरियों को दूर करना चाहेगी भारतीय टीम

जूनियर हॉकी विश्व कप

मदुरै, एजेंसी

भारतीय टीम बेहतरीन फार्म में चल रही है लेकिन अभी तक उसे असली चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा है और ऐसे में वह मंगलवार को यहां एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के नाकआउट चरण से पहले अपने अंतिम ग्रुप लीग मुकाबले में स्विट्जरलैंड के खिलाफ जीत की लय जारी रखने और अपने कमजोर पक्षों को दूर करने की कोशिश करेगी। भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही पूल बी में दो-दो मैच जीतकर अजेय हैं, लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर तालिका में शीर्ष पर है। चेन्नई में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने गोल की बरसात करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने पहले मैच में चिली को 7-0 से और फिर ओमान को 17-0 से हराया। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने ओमान को 4-0 से हराया और फिर चिली पर 3-2 से जीत हासिल की। भारतीय टीम से उम्मीद की जा रही है कि वह अपना विजय अभियान जारी रखकर नॉकआउट से पहले बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी।

सोमवार को चेन्नई में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में जापान और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ।

जापान (लाल) और न्यूजीलैंड के खिलाड़ी चेन्नई में मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में हॉकी पुरुष जूनियर वर्ल्ड कप के दौरान मुकाबला करते हुए। एजेंसी

हांगकांग मास्टर्स एशिया कप हॉकी में भारत जीता

नई दिल्ली : भारत ने हांगकांग में आयोजित हांगकांग मास्टर्स एशिया कप 2025 में 40 वर्ष से अधिक उम्र के पुरूष और महिला मास्टर्स वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। हांगकांग फुटबॉल क्लब पर 26 से 30 नवंबर तक हुई विश्व मास्टर्स हॉकी एशिया चैम्पियनशिप में भारतीय पुरुष टीम ने ग्रुप चरण में हांगकांग को 4-0 और 5-4 से तथा सिंगापुर को 4-0 और 3-2 से हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

महिला वर्ग में भारत ने ग्रुप चरण में सिंगापुर को 7-2 से हराया जबकि हांगकांग से 1-1 से ड्रॉ खेला। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसे 2-4 से पराजय झेलनी पड़ी लेकिन फाइनल में हांगकांग को 2-0 से हराकर खिताब जीता। हॉकी इंडिया ने दोनों टीमों की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर लिखा चैम्पियंस ऐसे दिखते हैं।

अप्रत्याशित घटना | निजी कारणों का हवाला दिया, सूत्रों ने कहा-टीम का खराब प्रदर्शन बनी वजह

महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच ने दिया इस्तीफा

नयी दिल्ली, एजेंसी

एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने निजी कारणों का हवाला देकर तुरंत प्रभाव से पद से इस्तीफा दे दिया है।

हॉकी इंडिया ने देर शाम जारी बयान में खबर की पुष्टि करते हुए कहा भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने निजी कारणों से पद से इस्तीफा दे दिया है। हरेंद्र सिंह ने अप्रैल 2024 में ही पद संभाला था और समझा जा रहा था कि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 तक टीम के साथ रहेंगे। सूत्रों ने बताया, टोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथे स्थान पर रही टीम के मुख्य कोच नीदरलैंड के शोर्ड मारिन की भारतीय टीम में इस पद पर वापसी हो सकती है।

अचानक हुए घटनाक्रम में हरेंद्र सिंह ने हॉकी इंडिया को ईमेल भेजकर सूचित किया है कि वह तुरंत प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह विशुद्ध रूप से उनका 'निजी फैसला' है।

सूत्रों ने बताया कि मारिन की भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच के रूप में वापसी हो सकती है जिनके मार्गदर्शन में भारतीय टीम तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रही थी। मारिन ने अगस्त 2021 में महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दिया था। सूत्रों ने इस्तीफे का कारण टीम का खराब प्रदर्शन बताया है। हॉकी इंडिया के एक सूत्र ने कहा पिछले डेढ साल में टीम ने अपेक्षित नतीजे नहीं दिये हैं जबकि सारी मनचाही सुविधायें कोच को दी गई।

फिटनेस भी बड़ा मसला रहा है और टीम में दर्जन भर खिलाड़ी चोटिल हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने बयान में कहा हम हरेंद्र सिंह को उनकी सेवाओं के लिये धन्यवाद देते हैं। भारतीय हॉकी के लिये उनकी प्रतिबद्धता जगजाहिर है। हम जल्दी ही उनके विकल्प की घोषणा करेंगे।

हरेंद्र सिंह लखनऊ विश्व कप 2016 विजेता भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कोच रहे थे। वह भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में वापसी से पहले 2021 से 2024 तक अमेरिका की राष्ट्रीय पुरुष हॉकी टीम के कोच थे। वह सितंबर 2017 में भारतीय सीनियर महिला टीम के मुख्य कोच बने जिसने उस साल महिला एशिया कप जीता था।

2024 अप्रैल में संभाला था पद

2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक तक रहना था टीम के साथ

- **नीदरलैंड के शोर्ड मारिन की हो सकती है वापसी**

भारतीय महिला हॉकी टीम का कोच रहना मेरे कैरियर की बड़ी उपलब्धि रही है। मैने निजी कारणों से इस्तीफा देने का फैसला किया है लेकिन मेरा दिल हमेशा इस बेहतरीन टीम के साथ रहेगा। हॉकी इंडिया के साथ सफर मेरे लिये खास रहेगा और मैं भारतीय हॉकी को शीर्ष स्तर तक ले जाने के उनके प्रयासों में सहयोग करता रहूंगा।

-हरेंद्र सिंह